प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

मनुष्य अपने विश्वास से निर्मित होता है,
जैसा वह विश्वास करता है,
वैसा वह बन जाता है.!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 270 | दैनिक | रांची | बुधवार 15 मई 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

अद्भुत ! ब्रह्मांड में नजर आया 'भगवान का हाथ'

नासा की तस्वीर देखकर हैरान रह गए लोग,करने लगे चर्चा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने ब्रह्मांड की ऐसी तस्वीरा जारी की है जिसे लोग हैरान रह गए। यह तस्वीर डार्क एनर्जी कैमरे से ली गई है जिसमें एक हाथ जैसी आकृति दिखाई देती है जो कि एक स्पाइरल गैलेक्सी की तरफ बढ़ती दिखाई देती है। नासा के मुताबिक यह क्लाउड्स और धूल कड़ों का स्ट्रक्चर है। हालांकि ब्रह्मांड में इस तरह की नायाब आकृति देखकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि क्या सच है कि अंतरिक्ष में भगवान के दर्शन हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यह तस्वीर 6 मई 2024 को ली गई थी। नासा अक्सर ब्रह्मांड की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करता रहता है और इनका रहस्य भी बताता रहता है। लाइव साइंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बार की तस्वीर बेहद खास है। इस तस्वीर

में एक मुट्ठी की तरह की आकृति दिखाई दे रही है। ऐसा लगता है कि स्पाइरल गैलेक्सी को पकड़ने जा रही है। नासा ने बताया कि यह तस्वीर नेबुला की वजह से बनी है। दरअसल तारे के टूटने से यह नेबुला बना है। नासा ने बताया कि इसे गम नेबुला कहते हैं। इसकी दूरी से पृथ्वी से करीब 1300 प्रकाश वर्ष है। इसके अलावा इसमें गैस और धूल से बना हुआ बादल है। इसकी आकृति धूमकेतु से मिलती जुलती है इसलिए इसे कॉमेट्री नेबुला भी कहा जाता है। यह हाथ के आकार में ब्रह्मांड में फैला हुआ है इसलिए इसे भगवान के हाथ के रूप में जाना जाता है। इस तस्वीर में एक सिर और लंबी पूछ भी देखी जा सकती है। ऐसा लगता है कि कोई मुंह आकाश गंगा को खाने जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहा है कि यह सितारों के जन्म की घटना है।

रामदेव-बालकृष्ण अवमानना केस पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भेजे अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही दोनों को व्यक्तिगत पेशी से छूट दी है।

जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने पतंजलि आयुर्वेद को एफिडेविट फाइल करने के लिए 3 हफ्ते का वक्त दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफिडेविट में यह बताएं कि जिन प्रोडक्ट्स का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है, उनका विज्ञापन वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। बेंच ने कहा- बाबा रामदेव का बहुत प्रभाव है, इसका सही तरीके से इस्तेमाल करें। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- रामदेव ने योग के लिए बहुत कुछ किया है।

गाजा में युद्ध नहीं रुका तो...

यूएन में भारत ने इजरायल-हमास दोनों को सुनाया

जिनेवा (एजेंसी)। गाजा में मानवीय संकट को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में खुलकर निंदा की है। भारत ने कहा कि किसी भी स्थिति में नागरिकों की मौत को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि जिस तरह से

हमास और इजरायल के बीच जारी युद्ध में आम जनता पिस रही है वह आने वाले समय में बड़े संकट की चेतावनी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 10वें आपातकालीन विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कंबोज ने कहा, सात महीने से गाजा में युद्ध चल रहा है। ऐसे में बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया है जो कि लगातार बढ़ता जा रहा है। अभी यह संकट और भी बड़ा रूप ले सकता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 2728 को स्वीकार करना एक सकारात्मक पहल हो सकती है। उन्होंने कहा, भारत ने कई मौकों पर युद्ध का विरोध किया है। इसमें से एक इजरायल और हमास के बीच का युद्ध भी है जिसमें बड़ी संख्या में आम लोगों की जान चली गई है।

एल्गार परिषद केस में नवलखा को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एल्गार परिषद-माओवाद संबंध मामले में कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी ने मामले में नवलखा की जमानत पर लगी बंबई उच्च

न्यायालय की रोक बढ़ाने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने नवलखा को नजरबंदी के दौरान सुरक्षा के लिए खर्च के तौर पर 20 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश भी दिया। पीठ ने कहा, हम रोक नहीं बढ़ाना चाहते क्योंकि उच्च न्यायालय के आदेश में जमानत देने के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है। सुनवाई पूरी होने में कई वर्ष लग जाएंगे। विवादों पर विस्तार से गौर किए बिना, हम रोक की अवधि नहीं बढ़ाएंगे। प्रतिवादी 20 लाख का भुगतान करे।

संदेशखाली के स्टिंग वीडियो की जांच पर संदेह

- एक महिला ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के दौरान संदेशखाली का मुद्दा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब संदेशखाली की एक महिला ने हालिया स्टिंग वीडियो और तीन महिलाओं द्वारा दर्ज की गई रेप की शिकायतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महिला की मांग है कि संदेशखाली में हालिया घटित इन सभी

घटनाओं की अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए। यह महिला वही हैं, जिन्होंने पहले दावा किया था कि उन्हें कोरे कागज पर साइन करने के लिए मजबूर किया गया था। सोमवार को बंगाल के महाधिवक्ता किशोर दत्त ने कलकत्ता हाई कोर्ट के सामने महिला की इस याचिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सप्ताह तक मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा।

तीसरे कार्यकाल में देश से नक्सल आतंक खत्म करेंगे: पीएम मोदी

कहा-झारखंड के नेता नोटों के पहाड़ उगा रहे, चोरों को चैन से सोने नहीं दूंगा

गिरिडीह (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गिरिडीह में सभा को संबोधित किया। वाराणसी सीट से नामांकन के बाद प्रधानमंत्री की ये पहली सभा थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में नक्सली सिर उठाते थे। बीजेपी की सरकार ने नक्सलियों को ठिकाने लगा दिया। मोदी को टकराना आता है। झारखंड में नक्सलियों का दायरा सिकुड़ गया है। आतंक हो या नक्सलवाद मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में इन पर बहुत बड़ा प्रहार करने का संकल्प ले चुका है। नक्सलवाद ने कई माताओं के सपने कुचल दिए है। पीएम ने कहा कि झारखंड के नेता नोटों के पहाड़ उगा रहे हैं। अफसर, नौकरों के यहां से पैसे निकल रहे हैं। ये जो भी करते हैं शाही परिवार के इशारे पर। ये पैसा मंत्रियों के यहां पहुंच रहा हूं। ये तो शुरुआत है। मैं आगे और खजाने खोजने वाला हूं। चोरों को चैन से सोने नहीं दूंगा। नींद भी उड़ा दूंगा और खजाने खाली कर दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं देश हित में काम कर रहा हूं तो

जेएमएम-कांग्रेस वाले डरे हुए हैं। इंडी गठबंधन के नेता ने मुझे गोली मारने की बात कही थी। ये जो गोली मारने के सपने देख रहे हैं, जरा यहां आइए ये नजारा देखिए। गोली मारने वालों ये भीड़ मेरी सुरक्षा कवच है।

भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर इंडी गठबंधन को घेरा

पीएम ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस, लेफ्ट भ्रष्टाचार और परिवारवाद समेत सभी समस्याओं की जड़ है। मैं इन सारी समस्याओं से भारत को मुक्त करवाऊंगा। झारखंड में इंडी गठबंधन से जुड़े नेताओं के घर में करोड़ो रुपए कैश मिल रहे है। ये तो अभी शुरुआत है, मैं तो अभी और भी ज्यादा खजाना खोजने वाला हूं। मैं उनके खजाने को खाली कराऊंगा। कोई चोरी नहीं कर सकता है। इसलिए ये मोदी को गोली मारने की बात करते है। पीएम ने कहा कि झारखंड के नेता नोटों के पहाड़ उगा रहे हैं। अफसर, नौकरों के यहां से पैसे निकल रहे हैं। ये जो भी करते हैं शाही परिवार के इशारे पर। ये पैसा मंत्रियों के यहां पहुंच रहा हूं। ये तो शुरुआत है मैं आगे और खजाने खोजने वाला हूं। चोरों को चैन से सोने नहीं दूंगा। नींद भी उड़ा दूंगा और खजाने खाली कर दूंगा। अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि जब देश में एक मजबूत सरकार होती है, तो वो सबसे पहले देश का हित देखती है, देश के लोगों का हित देखती है। लेकिन, जब देश में कांग्रेस जैसी कमजोर सरकार होती है,तो वो देश को भी कमजोर कर देती है।

मिशन लोकसभा

दक्षिण और पश्चिम में खत्म हुई चुनावी लड़ाई

अब यूपी समेत उत्तर भारत पर है सबकी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौथे चरण के चुनाव खत्म होते ही अब राजनीतिक अखाड़ा दक्षिण और मध्य भारत से निकलकर उत्तर की तरफ शिफ्ट हो गया है। अब राजनीतिक दलों ने भी उत्तर के राज्यों में फोकस बढ़ा दिया है। आगामी तीन चरणों में उत्तर प्रदेश की 41 सीटों पर मतदान होना है। इसमें उत्तर प्रदेश की कई हॉट सीट्स जैसे कि वाराणसी, गोरखपुर आजमगढ़, बलिया और गाजीपुर शामिल

है। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। इनमें से ज्यादातर सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल में भी कुल 42 में से अभी 24 सीटों पर मतदान बाकी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। कई केंद्रीय मंत्री भी पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में उतरे हैं। वहीं टीएमसी की अगुआई खुद ममता बनर्जी कर रही हैं। बिहार की बात करें तो अभी 40 में से 21 सीटों पर वोटिंग बाकी है। 2019 के चुनाव में एनडीए ने 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना में रोड शो किया। पटना लोकसभा सीट पर 1 जून को मतदान होना है। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी बिहार में कई जनसभाएं करेंगे। वहीं विपक्षी आरजेडी की तरफ से तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में पकड़े गए अलकायदा आतंकी

- भारत में रहकर रच रहे थे साजिश, बांग्लादेश से है दोनों का कनेक्शन

सिलचर (एजेंसी)। असम पुलिस की स्पेशल टीम को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने अलकायदा से जुड़े दो बांग्लादेशी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये आतंकी गुजरात से यहां आए और सिलचर जा रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इनका मकसद असम में आतंकी नेटवर्क फैलाना था। ये दोनों बिना पासपोर्ट के अवैध रूप से भारत में लंबे समय से रह रहे थे। असम पुलिस के सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों की पहचान बहार मिया (30) और राचेल मिया (40) के रूप में हुई है। ये दोनों अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के सदस्य हैं और गुजरात से आए थे, सिलचर की ओर जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर सोमवार शाम गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एक अभियान चलाया और दोनों को एक ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विशेष शाखा की हिरासत में ले लिया गया है।

चाबहार पोर्ट डील पर खिसियाया अमेरिका, भारत को दे दी धमकी

- कहा-भारत विदेश नीतियों पर खुद फैसला करे, लेकिन ईरान से व्यापार बढ़ाया तो बैन का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-ईरान के बीच चाबहार पोर्ट डील साइन होने के बाद अमेरिका ने वॉर्निंग दी है। अमेरिका ने कहा है कि ईरान से व्यापार करने की वजह से भारत पर पाबंदियों का खतरा रहेगा। दरअसल, अमेरिकी विदेश विभाग के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल से सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चाबहार पोर्ट की डील पर सवाल किया गया। इस पर जवाब देते हुए पटेल ने कहा, हमें जानकारी मिली है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विदेश नीतियों और दूसरे देशों के साथ अपने रिश्तों पर भारत खुद फैसले करेगा, लेकिन जो भी देश ईरान के साथ व्यापार में शामिल होगा, उस पर प्रतिबंध लगने का खतरा बना रहेगा। भारत ने सोमवार को ईरान के चाबहार में शाहिद बेहेशती पोर्ट को 10 साल के लिए लीज पर लेने से जुड़ी डील की। इस समझौते के लिए भारत से केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को ईरान भेजा गया था।

भारत और ईरान दो दशक से चाबहार पर काम कर रहे हैं। अब पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा।जाएगा। इससे पाकिस्तान की जरूरत भी खत्म हो जाएगी।

पतंजलि को लगवाई थी फटकार, आज खुद को लगी लताड़

- सुप्रीम कोर्ट ने आएमए चीफ की बखिया उधेड़ दी, खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि आयुर्वेद को गलत विज्ञापन के मामले में सुप्रीम कोर्ट घसीटने वाली संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डॉ. आरवी अशोकन को मंगलवार को कड़ी फटकार लगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक इंटरव्यू में अशोकन की टिप्पणियों के लिए उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने आज कहा कि हालांकि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने वालों की लिस्ट में पहले पायदान पर खड़ा है, लेकिन ऐसे समय भी आते हैं जब आत्म-संयम होना चाहिए। जस्टिस हिमा कोहली और अमानुल्लाह की पीठ ने आज अशोकन को फटकार लगाते हुए कहा, हम आपसे अधिक जिम्मेदारी की भावना की उम्मीद करते थे...आप इस तरह प्रेस में कोर्ट के खिलाफ अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकते।

मीलॉर्ड...हमारी सुनो

इन दो मसलों पर हुई है भूल, दर्ज करें हमारी अपील

- फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ईवीएम-वीवीपैट का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में एक समीक्षा याचिका दायर की गई है। इसमें ईवीएम-वीवीपीएटी मामले में 26 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में ईवीएम में दर्ज वोटों को 100 परसेंट वीवीपीएटी पर्चियों के साथ मिलान की मांग को खारिज कर दिया था। अब अरुण कुमार अग्रवाल ने 26 अप्रैल के फैसले में हुई त्रुटियों का हवाला देते हुए टॉप कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है। वकील नेहा राठी के माध्यम से दायर इस समीक्षा याचिका में कहा गया है कि 26 अप्रैल के फैसले में सिम्बल लोडिंग यूनिट्स में

छेड़छाड़ और उनके ऑडिट की आवश्यकता को नजर अंदाज किया गया है। अग्रवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि इसमें आवश्यक तस्वीरों से परे अतिरिक्त डेटा की संभावना को अदालत ने नजर अंदाज कर दिया था। अग्रवाल ने अपनी याचिका में यह भी कहा है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले में गलती से यह भी दर्ज किया गया है कि ईवीएम वोटों के साथ मिलान के लिए गिने जाने वाले वीवीपैट पर्चियों का प्रतिशत 5 फीसदी है, जबकि यह 2 फीसदी से भी कम है। याचिकाकर्ता ने कहा 100 फीसदी मिलान कराया जाय तो चुनाव परिणाम घोषित होने में देरी होगी।

दिल्ली शराब नीति केस

हाईकोर्ट में ईडी बोली-हम एएपी को बनाएंगे आरोपी

- सिसोदिया की जमानत याचिका पर एचसी में सुनवाई
- वकील बोले-एजेंसियां लोगों को गिरफ्तार कर रही हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में अब आम आदमी पार्टी (एएपी) को भी आरोपी बनाया जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार 14 मई को दिल्ली हाईकोर्ट में ये मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बात कही। सिसोदिया के वकील ने कहा कि ईडी और सीबीआई सिर्फ लोगों को गिरफ्तार कर रही है। ट्रायल के दौरान उनसे कोई सवाल नहीं होते। ईडी के वकील ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा कि मामले

की अगली चार्जशीट में हम (एजेंसी) ईडी को भी सह-आरोपी बनाएंगे। वहीं, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में सिसोदिया की जमानत का विरोध किया। सिसोदिया की 8 मई को हुई पिछली सुनवाई में ईडी और सीबीआई के वकीलों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा था कि हमें जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय चाहिए।

डॉ. बिनय कुमार सिन्हा बने स्नातकोतर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष

प्रतिनिधि,दुमका। सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के सह प्राध्यापक डॉ. बिनय कुमार सिन्हा को स्नातकोतर हिंदी विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस. एन. अधिकारी ने एक अधिसूचना सोमवार को जारी कर दिया है। जारी अधिसूचना के अनुसार डॉ. सिन्हा को दो वर्षो के लिए स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के एचओडी नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो डॉ सिन्हा इससे पूर्व विश्विध्यालय के कुलसचिव का पदभार संभाल रहे थे।उनका कार्यकाल समाप्त हो जाने के कारण राजभवन के आदेश पर डॉ. एस. एन. अधिकारी को विश्वविद्यालय का नया कुलसचिव नियुक्त किया गया है। बता दें डॉ.सिन्हा ने विश्वविद्यालय में अभिषद सदस्य, वित्त पदाधिकारी, कुलानुशासक, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, वित्त समिति के सदस्य, जैसे महत्वपूर्ण पद पूर्व में संभाल चुके है।

डॉ. डी. एन.गोराय बने हेड एंड डीन

दुमका। सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के सह प्राध्यापक डॉ. डी. एन. गोराय को स्नातकोतर गणित विभाग का विभागाध्यक्ष और विज्ञान संकाय का संकायाध्यक्ष बनाया गया। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस. एन. अधिकारी ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर दिया है। जारी अधिसूचना के अनुसार डॉ. गोराय को अधिकतम दो वर्ष या सेवानिवृत तिथि जो पहले हो, उस तिथि तक के लिए के लिए हेड और डीन नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो डॉ. एस. एन. अधिकारी को विश्वविद्यालय के कुलसचिव बनाये जाने के कारण उक्त पद रिक्त था। बता दें डॉ. गोराय ने विश्वविद्यालय में वित्त पदाधिकारी, कुलानुशासक, विभागाध्यक्ष, जैसे महत्वपूर्ण पद पूर्व में संभाल चुके है।

दुमका लोकसभा क्षेत्र(सुरक्षित) से कुल 12 प्रत्याशियों ने किया नॉमिनेशन

प्रतिनिधि,दुमका। लोकसभा निर्वाचन 2024 में 02-दुमका(अ.ज.जा) लोकसभा क्षेत्र के लिए अंतिम दिन मंगलवार को कुल 12 प्रत्याशियों ने जिला निर्वाची पदाधिकारी को अपना नामांकन पत्र सौंपा है। जिन प्रत्याशियों ने नामांकन किया उनके नाम हैं

1. सुशान्ति हेम्ब्रम-निर्दलीय
2. अनिल टुडू-लोकहित अधिकार पार्टी
3. बिरेन मोहली-निर्दलीय
4. निर्मल सोरेन-निर्दलीय
5. संजय टुडू-निर्दलीय
6. परेश मरांडी-बहुजन समाज पार्टी
7. राजेश बेसरा-निर्दलीय
8. जीतन कोल-झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा
9. आलेश हांसदा-इंडियन नेशनल सोशाईलिस्टिक एलसन फोर्स पार्टी
10. श्रीलाल किस्कू-निर्दलीय
11. जोबा हांसदा-बहुजन मुक्ति पार्टी
12 मनोज हेम्ब्रम-निर्दलीय

नाम निर्देशन की अंतिम तिथि मंगलवार तक नाम निर्देशन करने वाले प्रत्याशियों की सूची इस प्रकार है

1. सीता सोरेन-भारतीय जनता पार्टी
2. नलिन सोरेन- झारखंड मुक्ति मोर्चा
3. बाघराई सोरेन-निर्दलीय
4. राजू इमानुएल मुर्मू-आम्बेडकर राईट पार्टी ऑफ इंडिया
5. महाशन मुर्मू -निर्दलीय
6. कमीशनार मुर्मू - निर्दलीय
7. राजेश किस्कू-सी.पी.आई. पार्टी
8. जोनाथन माण्डी-पी.पी.आई.डी.पार्टी
9. मुन्नी हांसदा-समता पार्टी
10. बेबिलता टुडू-झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी
11. सुशान्ति हेम्ब्रम-निर्दलीय
12. अनिल टुडू-लोकहित अधिकार पार्टी
13. बिरेन मोहली-निर्दलीय
14. निर्मल सोरेन-निर्दलीय
15. संजय टुडू-निर्दलीय
16. परेश मरांडी-बहुजन समाज पार्टी
17. राजेश बेसरा-निर्दलीय
18. जीतन कोल-झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा
19. आलेश हांसदा-इंडियन नेशनल सोशाईलिस्टिक एलसन फोर्स पार्टी
20. श्रीलाल किस्कू-निर्दलीय
21. जोबा हांसदा-बहुजन मुक्ति पार्टी
22. मनोज हेम्ब्रम-निर्दलीय

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने टाना भगतों से लिया आशीर्वाद

प्रतिनिधि,रांची। संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बुढ़मू, ठाकुर गांव,उमेडंडा में मंगलवार को इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान सुश्री सहाय ने विभिन्न स्थानों पर चुनावी कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

इस क्रम में ठाकुरगांव के सिदरोल टाना भगत गांव में टाना भगतों से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कांग्रेस नेता सुरेश बैठा सहित काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

सामान्य प्रेक्षक ने निर्वाचन कार्यो का लिया जायजा

प्रतिनिधि,साहिबगंज। लोकसभा आम निर्वाचन -2024 के संचालन के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 - राजमहल (अ. ज.जा.) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक सौरभ पहाडी (भा.प्र.से.) ने समहरणालय स्थित उपायुक्त कोर्ट में बने निर्वाची पदाधिकारी का कक्ष एवं अभ्यर्थियों द्वारा नामनिर्देशन पत्र, सीसीटीवी फुटेज का जायजा लिया। मौके पर जिला निर्वाची पदाधिकारी-सह- उपायुक्त हेमंत सती, सहायक निर्वाची पदाधिकारी-सह- अपर समाहर्ता राज महेश्वरम उपस्थित रहे।

एनटीपीसी आईटीआई में स्कूली छात्राओं के लिए 20 दिवसीय सोहराय कला और संस्कृति पेंटिंग का उद्घाटन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव । एनटीपीसी पकरी बरवाडी कोयला खनन परियोजना द्वारा एनटीपीसी आईटीआई परिसर में बड़कागांव क्षेत्र के स्कूली छात्राओं को कौशल विकास से जोड़ने की एक अनूठी पहल की हैद्य जिसमें बड़कागांव क्षेत्र के 45 स्कूली छात्राओं के लिए सोहराय कला और संस्कृति पेंटिंग का विद्वत उद्घाटन श्रीमती तजीन फैज अध्यक्ष जागृति महिला संघ एनटीपीसी पीवीसीएमपी के कर कमल द्वारा हर्ष उल्लास के साथ किया गयाद्य यह कार्यक्रम पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ शुरू हुआ जो की ज्ञान की रोशनी और भाग लेने वाली लड़कियों के लिए एक परिवर्तन कार्य यात्रा की शुरुआत का प्रतीक रहाद्य कार्यक्रम उद्घाटन समारोह में जागृति महिला संघ की जनरल सेक्रेटरी सबरीन चौधरी ,ट्रेजर प्रियंका कुमारी , उप महाप्रबंधक एसके सेनापति एनटीपीसी की अधिकारी सिद्धि एवं आईटीआई के प्राचार्य मिथलेश उपाध्याय उपस्थित थेद्य कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि तजीन फैज ने महिला सशक्तिकरण की ओर सभी लड़कियों का ध्यान आकर्षित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य एवं जीवन में निरंतर नए कौशल को सीखने, सोहराय कला एवं संस्कृत चित्रकला के अनूठे कौशल को पूरी मेहनत और लगन से सीखने की बात कही एवं एनटीपीसी पकरी बरवाडीह के इस पहल की सराहना की इस तरह के महिला सशक्तिकरण कार्य को भविष्य में एनटीपीसी द्वारा किए जाएंगेद्य यह प्रशिक्षण कार्यशाला 4 हफ्ते की होगी जिसमें प्रतिभागी के रूप में +2 हाई स्कूल बड़कागांव एवं जीडीएम हाई स्कूल बड़कागांव की छात्राओं का चयन किया गया यह छात्राएं कक्षा 10वीं एवं 12वीं की है, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण किट उपलब्ध कराया गयाद्य यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कूल के ग्रीष्म अवकाश के दौरान कराया जाना है सफल समापन के उपरांत छात्रों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी दिया जाएगाद्य कार्यक्रम का संचालन एनटीपीसी आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारी संदीप कुमार मौर्य ने किया एवं

कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी प्रदीप कुमार, शाहिद अख्तर, इरफान अंसारी, मुकेश कुमार, अमरेश कुमार, श्रीनाथ श्री ,उपेंद्र कुमार, सुनील कुमार, रवि प्रजापति, संजीत मेहता, प्रदीप कुमार, विकास कुमार एवं प्लस टू हाई स्कूल बड़कागांव, जीडीएम हाई स्कूल के सभी शिक्षक उपस्थित एवं अभिभावक थे ।

डीआईजी नौशाद आलम ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

- रांची प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन
- कांके बना चैंपियन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में चल रहे कैनवास बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राँची प्रीमियर लीग का समापन रविवार को हुआ। इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार कांके की टीम कांके नाइट राइडर्स ने चैंपियन का खिताब अपर बाजार को हरा कर जीता। चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ऐस स्पोर्ट्स द्वारा किया गया। जिनका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों में छिपी हुई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करना है। सितम्बर 2023 में हुए इसके पहले संस्करण में कुल आठ टीमें थी, तो इस बार इसके दूसरे संस्करण में कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया, इन टीमों के नाम रांची के चर्चित जगहों के नाम पर है। अंतिम मुकाबला कांके और अपर बाजार की टीम के बीच खेला गया, जिसमे कांके की टीम ने अपर बाजार को हरा कर लगातार दूसरी बार चैंपियनशिप अपने नाम किया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस के डीआईजी नौशाद आलम ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ असलम परवेज और औरंगजेब खान भी मौजूद रहे। साथ ही रविवार को मदर्स डे के शुभ अवसर पर महिलाओं के क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया। सभी ने मैच का लुत्फ उठाया। डीआईजी नौशाद आलम ने इस मौके पर बोलते हुए अनुशासन और खेल भावना पर भी ज़ोर दिया । इस टूर्नामेंट के मेंटर झारखंड के चर्चित क्रिकेट खिलाडी मनान सिद्दीकी और अजय गौतम थे। इस आयोजन को सफल बनाने में चन्दन तिवारी, बसंत सिंह , निशांत एवं प्रशांत शुक्ला, नदीम एवं एस स्पोर्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजद ने इंडिया गठबंधन प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में किया जनसंपर्क

विकास के मुद्दे पर आइएनडीआईए लड़ रहा चुनाव-मो.इस्लाम

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

रांची/कपाली। लोकसभा सीट से कांग्रेस की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में इंडिया गठबंधन का चुनाव प्रचार जोरों पर है।

झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मो.इसलाम, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परवेज आलम,जेएमएम के वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल, राजद के वरिष्ठ नेता अजीत यादव के संयुक्त नेतृत्व में यशस्विनी सहाय के पक्ष में कपाली के विभिन्न क्षेत्रों में तूफानी दौरा कर जन सम्पर्क अभियान चलाया गया।

इस दौरान लोगों से रांची लोकसभा कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय की पुत्री यशस्विनी सहाय के पक्ष में आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव में वोट देकर भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की गई। चुनाव प्रचार जन सम्पर्क अभियान के अवसर पर गठबंधन के नेताओं को कार्यकर्ताओं द्वारा बुके देकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजद के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मो. इसलाम, वरिष्ठ नेता कांग्रेस परवेज आलम, जेएमएम के वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल एवं राजद वरिष्ठ नेता अजीत यादव ने इंडिया गठबंधन के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन जहां एक ओर विकास के मुद्दे एवं राष्ट्रपिता बापू की विचारधारा पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, दूसरी ओर भाजपा विकास के मुद्दे को दरकिनार कर धर्म की राजनीति एवं गोडसे की विचारधारा पर चुनाव लड़ रही है। जिसे आम जनता अच्छी तरह समझ चुकी है। इस बार इंडिया गठबंधन के पक्ष में आम जनता का रुझान है। लोग अपना कीमती वोट इंडिया गठबंधन के पक्ष में देकर केन्द्र में गठबंधन की सरकार बनाएंगे। मो. इसलाम सहित सभी नेताओं ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की रक्षा के लिए भी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देकर उन्हें जीत दिलाना अत्यंत जरुरी है ताकि बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की रक्षा की जा सके। चुनावी जन सम्पर्क अभियान में मो. इसलाम, परवेज आलम, प्रमोद लाल, अजीत यादव के साथ साथ, रमेश सिंह, बाली मार्डी, दुर्गा मार्डी, मनोज गुप्ता, पिंटू लाल, दानिश खान, खतीजा नुजहत, मेहरुन निसा, मो. परवेज आलम, फिरोज आलम, मो. चांद, नेसार अहमद, जमील सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

नौ उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र किया दाखिल

प्रतिनिधि,साहिबगंज। लोकसभा आम निर्वाचन -2024 के परिपेक्ष्य 01- राजमहल (अ.ज.जा.) लोकसभा संसदीय क्षेत्र हेतू नामांकन के छठे एवं अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ताला मरान्डी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार विजय कुमार हॉसदा, बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार के रूप में मरीयम मरान्डी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमिन के उम्मीदवार पाल सोरेन, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमिन की उम्मीदवार दाउद मरान्डी, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी के उम्मीदवार अजीत मरांडी एवं नथानिएल मालतो, महेश पहाड़िया, गंगाराम मालतो ने निर्दलीय अपना नामांकन पत्र निर्वाची पदाधिकारी, राजमहल लोकसभा संसदीय क्षेत्र, हेमंत सती के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया।

मतदाताओं से नारी शक्ति सेना (गुलाबी गैंग) की अपील

- अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाएं
- सोच-समझ कर करें मतदान, चुनें योग्य जनप्रतिनिधि - रानी कुमारी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। महिला हितों के संरक्षण के लिए गत डेढ़ दशक से संघर्षरत गैर सरकारी स्वयंसेवी संस्था नारी शक्ति सेना(गुलाबी गैंग) ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान में भाग लेने की अपील की है। संगठन की अध्यक्ष (पूर्व जैक पार्षद) रानी कुमारी ने झारखंड के सभी सामाजिक व गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों से चुनाव के दिन मतदान में भाग लेकर आवश्यक रूप से वोट देने का अनुरोध किया है। उन्होंने चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए सभी महिला संगठनों से बढ़कर हिस्सा लेने की भी अपील की है।

रानी कुमारी ने कहा है कि अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और एक योग्य जनप्रतिनिधि चुनें, जो महिला हितों के संरक्षण के प्रति सकारात्मक नजरिया रखते हों।

इस संबंध में मंगलवार को सुंदर नगर, हेहल में नारी शक्ति सेना (गुलाबी गैंग) की एक बैठक की गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सभी सदस्य अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें और बेहतर जनप्रतिनिधि चुनकर स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागिता निभाएं।

इस अवसर पर

सोनी देवी, अंजली देवी, सुनैना देवी, द्रोपदी देवी, सुनीता देवी, सविता देवी, अनु कुमारी, काजल कुमारी, पूजा कुमारी, ममता कुमारी, चंदा कुमारी, मीना देवी, गायत्री देवी, खुशी देवी सहित काफी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं।

सीबीएसई 10वीं परीक्षा में मदर्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने सफलता का परचम लहराया

- शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम
- आदित्य सोनी स्कूल टॉपर

संवाददाता,रांची। सीबीएसई 10वीं परीक्षा (सत्र-2023-24) में मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, जाहेर, (ब्राम्बे) के छात्रों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कुल 151परीक्षार्थियों (छात्रों) में सभी ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की। 96.4प्रतिशत अंक लाकर आदित्य सोनी स्कूल टॉपर हुए। वहीं, 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर साकेत कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर शशि कुमारी ने 93प्रतिशत अंक प्राप्त किया। आयशा अजहर ने 91.6प्रतिशत, ब्रज महतो ने 91.6प्रतिशत और अयान अहमद ने 91.4प्रतिशत अंक प्राप्त किया। स्कूल की प्राचार्य डॉ. रोमी झा ने इस शानदार सफलता पर छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी। डॉ .झा ने कहा कि इस सफलता का श्रेय यहां के शिक्षकों को जाता है, जिन्होंने छात्रों का कुशल मार्गदर्शन किया और अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित कर छात्रों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया।

डीएवी विद्यालय के दसवीं एवं बारहवीं के टॉपर्स को प्राचार्य ने किया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पाकुड़। सोमवार को प्रकाशित सीबीएसई के दसवीं एवं बारहवीं के डीएवी टॉपर्स को विद्यालय प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा में अव्वल रहे सभी टॉपर्स को मंगलवार को विद्यालय बुलाकर प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती द्वारा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया एवं उत्कृष्ट अंकों से सफलता हेतु बधाई दिया गया। प्राचार्य ने सभी टॉपर्स को बताया कि बच्चों के मेहनत एवं लगन का यह नतीजा है कि इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम काफी अच्छा रहा। उन्होंने सभी बच्चों को आगे की पढ़ाई हेतु उचित मार्गदर्शन दिया एवं बताया कि सफलता की राह में विजय का यह पहला कदम है। अभी जीवन में बहुत संघर्ष एवं उपलब्धियां हासिल करना बाकी है। वहीं सभी टॉपर्स के अभिभावकों को भी संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉश्र चक्रवर्ती ने बताया कि अभिभावकों के उनके बच्चों के प्रति उचित संरक्षण के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं था। उन्होंने सभी अभिभावकों को इसके लिए शुभकामना दिया एवं समय समय पर विद्यालय आकर उचित मार्गदर्शन एवं सलाह देने हेतु निवेदन किया। टॉपर्स बच्चों में कुमारी तान्या, भूमि सिंह, शौर्य शर्मा, प्रियांशु शर्मा, श्रीति दे, खुशी कुमारी, आद्या, गोपाल साहा, कोंकणा चौबे, पियूष आनंद, महक रानी आदि उपस्थित थे। वहीं अभिभावकों में दयानंद उपाध्याय, राजा चौबे, प्रदीप कुमार, श्याम शर्मा आदि मौजूद रहे।

राजमहल लोकसभा क्षेत्र में AIMIM पार्टी के प्रत्याशी पौल सोरेन ने किया नामांकन

क्षेत्र में असदुद्दीन ओवैसी का कार्यक्रम हुआ तय- प्रदेश अध्यक्ष मो. शाकिर

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पाकुड़। राजमहल लोकसभा केAIMIMपार्टी के प्रत्याशी पौल सोरेन ने मंगलवार को नामांकन, जिला निर्वाचन कार्यालय साहेबगंज में उपायुक्त के समक्ष किया। साथ मे AIMIM प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष मोश शाकिर ने कहा कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र में 33% मुस्लिम मतदाता है। हमारी पार्टी सभी धर्म जाति को लेकर चलने वाला पार्टी है। एआईएमआईएम प्रत्याशी पौल सोरेन ने नामांकन करने के बाद कहा कि जीतने के बाद मेरी पहली प्राथमिकता शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पाकुड़ में पीजी की पढ़ाई, मेडिकल कॉलेज इंजीनियरिंग कॉलेज की पढ़ाई चालू करना रहेगी।AIMIMसुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी का कार्यक्रम पाकुड़, गुमानी, उधवा, महेशपुर में होना तय हुआ है। उन्होंने ये भी कहा कि इस बार नहीं तो कभी नहीं।

आठ जून को एमएसीटी वाद संबंधित विशेष लोक अदालत को लेकर की गई अहम बैठक

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, पाकुड़। झालसा रांची के निर्देशानुसार आगामी आठ जून 2024 को एमएसीटी से संबंधित होने वाली विशेष लोक अदालत को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ बाल कृष्ण तिवारी की अध्यक्षता में अहम बैठक की गई। उक्त बैठक में विशेष लोक अदालत में एमएसीटी वाद को लेकर इंश्योरेंस कंपनी के अधिवक्तागण, एमएसीटी से संबंधित वादी के अधिवक्तागण के साथ कई मुद्दे पर चर्चा की गई एमएसीटी से संबंधित अधिक से अधिक मामलों को निष्पादन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ बाल कृष्ण तिवारी द्वारा दिशा निर्देश दी गई। मौके पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव अजय कुमार गुड़िया समेत अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

समाहरणालय में उपायुक्त ने किया वाटर एटीएम का उद्घाटन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। डीएमएफटी मद से समाहरणालय में लगाए गए वाटर एटीएम का उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर उद्घाटन किया, इसके साथ ही शहर के अन्य छः स्थान बस स्टैंड, सुभाष चौक , मिशन गेट, एसडीओ कार्यालय के पास, सदर अस्पताल परिसर और रेलवे स्टेशन पाकुड़ में भी वाटर एटीएम की भी औपचारिक शुरुआत की गई। इस दौरान उपायुक्त ने वाटर एटीएम की विशेषताओं की जानकारी लेने के उपरांत वाटर एटीएम का सफल संचालन कर जिलेवासियों को इससे लाभान्वित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि वाटर एटीएम लग जाने से समाहरणालय आने वाले आमजनों एवं कर्मचारियों को निःशुल्क ठंडा पानी वाटर एटीएम के द्वारा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि जिलें के आज 7 जगहों पर वाटर एटीएम का उद्घाटन किया गया। मौके पर प्रशासक, नगर परिषद राजकमल मिश्रा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार, श्रम अधीक्षक रमेश प्रसाद सिंह, सिटी मैनेजर मनीष कुमार, एसएमपीओ पवन कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

500 मीटर दायरे के अंदर बालू उठाव कर रहे एक ट्रैक्टर को सीओ ने किया जब्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। महेशपुर के अंचल अधिकारी संजय कुमार सिन्हा ने सोमवार देर रात गढ़बाड़ी नदी पुल के पास 500 मीटर दायरे के अंदर बालू उठाव कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। जब्त ट्रैक्टर को थाना परिसर में रखा गया है। इस संबंध में सीओ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि पुल के 500 मीटर दायरे के अंदर ट्रैक्टर चालकों के द्वारा बालू का उठाव किया जा रहा है। सूचना पर सीओ जब पुल के पास पहुंचा तो अधिकारियों को देखते ही ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। इसी दौरान ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद पुलिसकर्मियों के सहयोग से ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया। सीओ ने बताया कि पुल के 500 मीटर दायरे के अंदर बालू उठाव करना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। इसके बावजूद बालू माफियाओं द्वारा बालू का उठाव किया जा रहा है। सीओ के आवेदन पर थाना में संबंधित ट्रैक्टर के मालिक एवं चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया विभिन्न बूथों का निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,पाकुड़। लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने को लेकर प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। बूथों पर मतदाताओं को मिलने वाली सुविधाओं में कोई कमी न रहे, इसके लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा -सह-अनुमंडल पदाधिकारी प्रवीण केरकेट्टा ने हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया। रानीपुर बूथ संख्या 170, 171, हाथकाठी में बूथ संख्या 124, 125, 126 एवं 127 का निरीक्षण किया और बूथों पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और उन्हें बेहतर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित मुखिया एवं ग्रामीणों को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने का अपील किया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा ने जिले के तीन विधानसभाओं की कोर कमेटियों की बैठक का किया आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पाकुड़। राजमहल लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी को प्रचंड बहुमत से विजय दिलाने हेतु तय रणनीतियों के तहत झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार पाकुड़ जिला अंतर्गत पाकुड़, महेशपुर एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभाओं की कोर कमेटियों की बैठक विगत सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न की गई। बैठक में मुख्य अतिथियों के द्वारा उत्साहवर्धक संबोधन एवं मार्गदर्शन किये जाने के साथ आगे की रणनीतियों एवं जिम्मेदारियों पर गहन चर्चा कर सबकी जिम्मेदारियां सुनिश्चित की गई। जिला कार्यालय में पाकुड़ विधानसभा कोर कमेटी की हुई बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर छत्तीसगढ़ के किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आदरणीय मनोज शर्मा के साथ जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, साहेबगंज पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह, विधानसभा के संयोजक बाबुधन मुर्मू एवं सहसंयोजक अनुग्रहित प्रसाद साह, मंगल हांसदा एवं श्यामल दास मंचासीन रहे। बैठक में साहेबगंज जिला महामंत्री कुसमाकर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय एवं दिलीप सिंह, पूर्व प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक, निवर्तमान नगर अध्यक्ष सम्पा साह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य शबरी पाल, जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल, साहेबगंज जिला मंत्री ललिता पासवान, जिला मीडिया प्रभारी बिक्रम कुमार मिश्रा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुबोध मंडल, विधानसभा विस्तारक जयप्रकाश यादव के अलावे पाकुड़ विधानसभा के अपेक्षित सम्मानित पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष व मंडल महामंत्री उपस्थित थे।

लिट्टीपाड़ा विधानसभा कोर कमेटी की बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर छत्तीसगढ़ के प्रेमनगर विधानसभा विधायक भूलन सिंह मराबी के साथ प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधानसभा संयोजक दानिएल किस्कू, वरिष्ठ नेता सत्य शिक्षानंद मुर्मू, साहिबगंज के पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह सहित अपेक्षित सम्मानित पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे। महेशपुर विधानसभा कोर कमेटी की बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर छत्तीसगढ़ के शामरी विधानसभा विधायक उद्देश्वरी पाईकारा के साथ प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, महेशपुर विधानसभा संयोजक मिस्त्री सोरेन, पूर्व विधायक सुफल मरांडी, विधानसभा प्रभारी पांचू सिंह, साहिबगंज के पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह सहित अपेक्षित सम्मानित पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री उपस्थित हुए।

रांची संसदीय क्षेत्र में मतदान के लिए की जा रही तैयारी से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित

तैयारी पर प्रेक्षकों द्वारा जतायी गयी संतुष्टि, दिये आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। रांची संसदीय क्षेत्र के लिए 25 मई को मतदान होना है। पूरी इलेक्शन मशीनरी द्वारा संसदीय क्षेत्र में तैयारियों की जा रही है। मंगलवार को रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान से संबंधित तैयारी को लेकर सामान्य प्रेक्षक डीएस रमेश, पुलिस प्रेक्षक डॉ. जालिंदर डी सुपेकर एवं व्यय प्रेक्षक विरेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में निर्वाची पदाधिकारी 08-रांची संसदीय क्षेत्र राहुल कुमार सिन्हा, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक नगर राजकुमार मेहता, नगर अधीक्षक ग्रामीण, सभी संबंधित विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाची पदाधिकारी एवं लोकसभा चुनाव के सफल संपादन के लिए जिला स्तर पर गठित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

सभी कोषांगों द्वारा की जा रही तैयारियों की दी गयी जानकारी :बैठक में निर्वाची पदाधिकारी 08-रांची संसदीय क्षेत्र राहुल कुमार सिन्हा द्वारा पीपीटी के माध्यम से मतदान को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रेक्षकगणों को दी गयी। कार्मिक, वाहन, एमसीसी सी-विजिल, एमसीएमसी, सामग्री एवं अन्य कोषांगों द्वारा संपादित कराए जा रहे कार्यों के बारे में प्रेक्षकगणों को अवगत कराया गया।

पोस्टल बैलट द्वारा मतदान से संबंधित तैयारी और व्यवस्था के बारे में भी प्रेक्षकगणों द्वारा जानकारी ली गयी। पोलिंग पार्टियों के डिस्पैच के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि मोरहाबादी मैदान में कोषांग क्रियाशील है, जहां सेक्टर मजिस्ट्रेट, पोलिंग पार्टियों के लिए रूट टैगिंग के साथ वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

बैठक के दौरान रांची संसदीय क्षेत्र अंतर्गत सभी बूथों पर सुरक्षा मानकों के संबंध में भी चर्चा की गयी। जिस पर सभी ऑब्जर्वर द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। सभी प्रेक्षकों द्वारा संसदीय क्षेत्र में मतदान की तैयारियों की जानकारी लेने के बाद संतुष्टि जाहिर की गयी।

निर्वाची पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने उम्मीद जतायी कि प्रेक्षकगणों द्वारा जो भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका पालन सुनिश्चित करते हुए जिला के सभी अधिकारियों द्वारा रांची संसदीय क्षेत्र में स्वच्छ एवं शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराया जाएगा।

बेहतर मतदान प्रतिशत के लिए उपायुक्त सह निर्वाची पदाधिकारी ने जताया आभार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के चौथे चरण में खूंटी एवं लोहरदगा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत रांची जिला के तमाड़ एवं मांडर विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार की तुलना में बेहतर मतदान प्रतिशत पर निर्वाची पदाधिकारी 08-रांची संसदीय क्षेत्र, राहुल कुमार सिन्हा ने प्रसन्नता व्यक्त की है। मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप कोषांग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न गतिविधियों का जिक्र करते हुए उन्होंने रांची संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं से 25 मई 2024 को ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान केंद्र पहुंचकर वोट करने की अपील की।

पलामू निगम के सभी पार्कों की सुरक्षा और सुविधा की जांच हो: अभिषेक सिंह

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। गांधी मैदान पार्क में बच्चे के चोटिल होने की घटना के बाद झामुमो नेता अभिषेक सिंह ने निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाया।

बेलवाटिका स्थित गांधी मैदान पार्क में झूले से गिर कर एक बच्चा चोटिल हो गया, बच्चे के सर और हाथ में चोट आई है। जिसके बाद झामुमो नेता अभिषेक सिंह जी ने निगम के ठेकेदार और पूर्व मेयर पर हमला किया। अभिषेक सिंह जी ने कहा ÷गांधी मैदान में हुई घटना कोई

असमान्य घटना नहीं है, पार्क में हमारे घर परिवार के छोटे बच्चे झूला झूलते हैं, ऐसे में असुरक्षित झूलों का होना बहुत ही भयावह है। अभी साल भर भी नहीं हुआ है पार्क का और गांधी मैदान पार्क हो या कहीं अन्य जगह बनाए गए पार्क, सभी जर्जर हो चुके हैं। मरीन ड्राइव की भी सीढियां, रेलिंग और बेंच भी बहुत निम्न स्तर के लगाए गए हैं जो टूटने लगे हैं, शहर में लगी सभी लाइटें भी फ्यूज हो चुकी हैं। ठेकेदार पर कार्रवाई की जानी चाहिए साथ ही कहीं ना कहीं ये भी प्रतीत हो रहा है की कमीशन ले कर ठेकदार को कार्य निर्गत किया है, इसकी भी जांच होनी चाहिए। कमीशनखोरी कर किया गया काम कभी अच्छा नहीं हो सकता है। ये लोग अब बच्चों की जान से खेलने लगे हैं। मेदनीनगर के आम आदमी और बच्चे इतने असुरक्षित रहें, यह काफी दुखद है।इन्होनें नगर आयुक्त से मांग किया है कि सभी पार्कों की सुरक्षा और सुविधा की जायजा ले कर अतिशीघ्र सुधारात्मक कारवाई सुनिश्चित किया जाए। वरना आंदोलन के लिए मुझे मजबूर होना पड़ेगा। पार्क में वसूली का खेल जारी है,परंतु उस पैसे से पार्क का मेंटनेंस नहीं हो रहा है। सभी पैसों का हिसाब नगर आयुक्त को लेना चाहिए, निगम पार्कों का मेंटनेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करे।

बालूमाथ में जंगली हाथी ने किया दो घर को क्षतिग्रस्त,पच्चास हजार रुपए से ऊपर का हुआ नुकसान

प्रतिनिधि,बालूमाथ। बालूमाथ वन क्षेत्र अंतर्गत गणेशपुर पंचायत के कारीमाटी और गोलीटाड़ गांव में सोमवार देर रात्रि जंगली हाथी पहुंचकर दो ग्रामीणों का घर क्षतिग्रस्त कर दिया।घटना के संबंध में पीड़ित परिवार सीताराम यादव एवं एक अन्य मुक्तभोगी ने बताया कि हम सभी सोमवार रात्रि सह परिवार अपने घर में सो रहे थे कि अचानक जंगली हाथियों के झुंड आ धमके जिसके बाद हम सभी परिवार किसी तरह अपनी जान बचाकर घर से बाहर निकल गए। जिसके बाद हाथियों ने हम लोगों के घर को क्षतिग्रस्त करते हुए घर में रखे अनाज और सामान को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया जिससे हम दोनों पीड़ित परिवार को पच्चास हजार रूपए से ऊपर का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही राजद नेता दीपक यादव व श्याम सुंदर यादव अपने कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से घटना की जानकारी लेते हुए मदद का भरोसा दिया। उधर दूसरी ओर पीड़ित परिवारों ने स्थानीय वन विभाग से मुआवजे की मांग की है ताकि उनका हुए आर्थिक नुकसान का भरपाई हो सके।

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चतरा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने कई गांवों का दौरा किया

डोर टू डोर कैंपेन कर मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी को मतदान करने की अपील की

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जैसे-जैसे पांचवें चरण के मतदान की तिथि नजदीक आते जा रही है सभी राजनीतिक दलों के कार्य करता अपने प्रचार प्रसार में अपनी पूरी ताकत झोंक दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने मंगलवार को चतरा लोकसभा क्षेत्र के बरछिया, लावालौंग, करमा, कटिया, कल्याणपुर चौक, पुरनाडीह, लावालौंग चौक समेत एक दर्जन से ज्यादा गांव में जनसम्पर्क एवं डोर टू डोर जनसम्पर्क कर लोगों से भाजपा को प्रचंड दिलाने की अपील की।कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी ने

आज चतरा लोकसभा क्षेत्र बरछिया, लावालौंग, करमा, कटिया, कल्याणपुर चौक, पुरनाडीह, लावालौंग चौक पर कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में कमलेश्वर भोक्ता , मुकेश , श्री सूरज पांडेय , संजय सिंह एवं अमित चौबे , मुखिया मिसी देवी , मिथिलेश कुमार चौबे , रामावतार यादव , मोहन भारती एवं बिहारी भारती , विश्वनाथ केशरी , महेंद्र गंझू एवं रविंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। इस जनसम्पर्क कार्यक्रम में जनता को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने कहा कि यह मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन योजना अगले 5 साल तक जारी रहेगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देशभर में लगभग 80 करोड़ जनता इसके लाभुक होंगे, भाजपा का 'संकल्प पत्र' विकसित भारत के सभी 4 मजबूत स्तंभों - युवा, महिला, गरीब और किसान को सशक्त बनाता है। पिछले कुछ सालों में मुद्रा योजना ने करोड़ों लोगों को उद्यमी बनाया है। इस सफलता को देखते हुए, मुद्रा योजना के तहत 10 लाख रुपये की ऋण की सीमा को 20 लाख रुपये तक बढ़ाने का फैसला किया गया है जिससे झारखण्ड जैसे प्रदेश में पलायन रुकेगी और युवा उद्यमियों की संख्या बढ़ेगी। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनवाकर दिए हैं, अब 3 करोड़ अतिरिक्त घर बनवाने का संकल्प सराहनीय है। वहीं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत लगभग 9 करोड़ 60 लाख कनेक्शन के माध्यम से मुफ्त गैस सिलिंडर दिया गया और अब पाईप से सस्ती रसोई गैस पहुंचाने का कार्य तेजी से होगा। झारखण्ड में उज्जवला योजना का लाभ लाखों मां - बहनों को मिल रहा है। पूर्व में 1 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए सशक्त बनाया गया अब 3 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प केंद्र की उन्नत नीति है। झारखण्ड जैसे राज्य में में महिला सशक्तिकरण की दिशा में ये एक महत्वपूर्ण पहल है।

आगे श्री सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रमुखता से लागू किया जाएगा। वहीं महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जीवन सुनिश्चित करते हुए एनीमिया, स्तन कैंसर, सवाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। किसानों को मिलने वाली 6 हजार की वार्षिक वित्तीय सहायता जारी रहेगी। जिससे झारखण्ड के लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। 70 साल की उम्र से ऊपर के हर वर्ग के बुजुर्गों को भी आयुष्मान भारत योजना के लाभ से जोड़ना सराहनीय है। देश में अब वन नेशन और वन इलेक्शन को साकार करने का संकल्प लेकर भाजपा आगे बढ़ेगी। यूनिफॉर्म सिविल कोड को भी लाया जाएगा। पेपर लीक कानून व श्रमिक कल्याण योजना भी इस संकल्प पत्र की खासियत है। वो समय दूर नहीं जब भारत दुनिया का ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक, ऑटोमोबाइल, सेमी कंडक्टर, कॉन्ट्रेक्टिंग, कॉमर्शियल हब होगा।

मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मियों को सामान्य खबर, पेड न्यूज़ एवं विज्ञापन के विषय में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यशाला आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मीडिया एवं संचार अधिकारी, राजेश सिन्हा एवं क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सह कार्यालय प्रमुख, गौरव पुष्कर पत्र सूचना कार्यालय रांची द्वारा कार्यशाला में हर बारिकीयों की विस्तृत जानकारी दी गई।

लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में विभिन्न राजनीतिक दलों / उम्मीदवारों द्वारा प्रचार-प्रसार, विज्ञापन एवं पेड न्यूज की निगरानी हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के आदेश के आलोक में मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी कोषांग शहर अंचल कार्यालय, रांची में 24म7 कार्यरत है। मंगलवार को मीडिया कोषांग में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मियों को सामान्य खबर, पेड न्यूज़ एवं विज्ञापन के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मियों को सामान्य खबर, पेड न्यूज़ एवं विज्ञापन के विषय के बारिकियों की जानकारी दी गई

मीडिया एवं संचार अधिकारी राजेश सिन्हा एवं क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सह कार्यालय प्रमुख, गौरव पुष्कर, पत्र सूचना कार्यालयरांची द्वारा कार्यशाला में मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मियों को उनके कार्य से सम्बंधित विशेष जानकारी देते हुए बताया गया कि कैसे उन्हें पेड न्यूज़ और विज्ञापन में अंतर करना है, कैसे कोई न्यूज विज्ञापन भी हो सकता है और पेड न्यूज़ भी इसे समझने के लिए बहुत बारिकियों से इसे देखना पड़ता है। विज्ञापन और पेड न्यूज़ में एक महीन रेखा है, जिसे सही पकड़ और समझ से पहचाना जा सकता है।

सामान्य खबर, पेड न्यूज एवं विज्ञापन विषय में बारीकी से बताया गया कार्यशाला में आए पदाधिकारियों द्वारा प्रतिनियुक्त कर्मियों को सामान्य खबर, पेड न्यूज एवं विज्ञापन विषय में बारीकी से बताया गया। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रचारित-प्रसारित किन खबरों और विज्ञापनों को अंकित करना है और किस तरह से दैनिक प्रतिवेदन आय-व्यय कोषांग में देना है, इससे संबंधित जानकारी दी गई।

दोनों पदाधिकारियों ने प्रतिनियुक्त कर्मियों के सवालों का जवाब दिया मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मियों ने एक-एक कर पत्र सूचना कार्यालय रांची के पदाधिकारियों से सवाल किया और उनकी हर शंका और सवालों का जवाब देते हुए बेहद प्रभावी तरीके से समझाया।

5 साल में 30 लाख रुपये बढ़ी मीसा भारती की संपत्ति? पाटलिपुत्र सीट से भरा पर्चा

पाटलिपुत्र, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण की पाटलिपुत्र सीट के लिए सोमवार को राजद की मीसा भारती समेत 20 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। इस दौरान पटना कलेक्ट्रेट में नामांकन को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। उप निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार पटेल ने बताया कि मंगलवार को नामांकन का आखिरी दिन है। उस दिन दोपहर बाद के तीन बजे तक ही उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकेंगे। बताया कि पटना साहिब और पाटलिपुत्र से कुल 56 उम्मीदवारों ने एनआर फॉर्म खरीदा। अबतक 38 उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर चुके हैं। मंगलवार को भी 18 से 20 उम्मीदवारों के पर्चा दाखिल करने की संभावना है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती की संपत्ति पिछले पांच सालों में 30 लाख रुपये बढ़ी है। इसमें चल संपत्ति दो लाख और अचल 28 लाख बढ़ी है। मीसा भारती द्वारा नामांकन के समय दिए गए शपथपत्र से यह खुलासा हुआ है। उनके पति शैलेश कुमार की आय में भी करीब 30 लाख रुपये की बढ़ोतरी दर्शाई गई है। पति के नाम पर 58 लाख, आश्रित दुर्गा के नाम पर 85 लाख और गौरी के नाम पर 65 लाख की अचल संपत्ति है। पिछले चुनाव में मीसा की चल संपत्ति 12 लाख 93 हजार थी। अब 14 लाख 85 हजार हो गई। अचल संपत्ति एक करोड़ 18 लाख 34 हजार 736 थी। अब एक करोड़ 79 लाख हो गई है। मीसा भारती पर एमपीएमएलए एक्ट के तहत मामला भी दर्ज है। फारवर्ड ब्लॉक से माधुरी, बसपा से हरिकेश्वर राम ने किया नामांकन पाटलिपुत्र से सोमवार को फारवर्ड ब्लॉक से माधुरी कुमारी, बसपा से हरिकेश्वर राम, भागीदारी पार्टी से मृत्युंजय कुमार, रंजन कुमार (निर्दलीय), दुर्गेशनंदन सिंह (निर्दलीय), शिव कुमार सिंह ने अपना किसान पार्टी और नीतेश कुमार ने आदर्श जन कल्याण पार्टी से नामांकन दाखिल किया। पटना साहिब से 11 ने भरा पर्चा सोमवार को पटना साहिब से कुल 11 प्रतयाशियों ने नामांकन दाखिल किया। इनमें लोक सेवा दल के सरगुग मांझी, अमित कुमार अलबेला (निर्दलीय), दीपक कुमार (निर्दलीय), संजय कुमार (निर्दलीय), भारतीय बैकवर्ड पार्टी की कामिनी कुमारी, अनुज कुमार सिंह (निर्दलीय), जनतंत्र आवाज पार्टी से मो. शाहिद आलम,आदि ने अपना नांकन दाखिल किया।

बाइक में टक्कर मारने को लेकर मारपीट, 3 घायलपीड़ित ने मामला कराया दर्ज

बांका, एजेंसी। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट होने का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल एक व्यक्ति को गंभीर स्थिति में मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। रजौन थाना क्षेत्र के कठरंग गांव निवासी गुंजेश कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा है कि वह अपने घर से नीमा हटिया जा रहा था। इसी क्रम में राजावर गांव के पास एक बाइक सवार ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके बाइक में टक्कर मार दिया। जब उसने विरोध किया तो लोगों ने मारपीट शुरू कर दी।

संक्षिप्त समाचार

शाम में बाइक चोरी की, सुबह चलाते हुए पकड़ा गया

भागलपु, एजेंसी। बबरगंज थाना क्षेत्र में शाम में बाइक चोरी कर सुबह उसी बाइक को चलाते हुए पकड़ा गया। रविवार की शाम बागबाड़ी स्थित हटिया से बाइक चोरी हुई थी। बड़ी खुटाहा के रहने वाले राजू मंडल ने रविवार को बाइक चोरी का केस बबरगंज थाना में दर्ज कराया था। सोमवार की सुबह उसी बाइक को चलाते हुए शेखर यादव को पकड़ लिया गया। बबरगंज थानेदार रविशंकर ने यह जानकारी दी। आरोपी शेखर सकरुल्लाचक का रहने वाला है। चोरी की बाइक के साथ पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने पूछताछ भी की है। उसके गिरोह के अन्य सदस्यों की भी पुलिस तलाश कर रही है।

खुशबू के परिजन अब करेंगे सीएस को लिखित शिकायत

भागलपुर, एजेंसी। अलीगंज स्थित आदर्श मैटरनिटी सेंटर के खिलाफ अब मृतका खुशबू के परिजन सिविल सर्जन डॉ. अंजना कुमारी से लिखित शिकायत करेंगे। मृतका के पिता लक्ष्मी ठाकुर निवासी जगदीशपुर ने बताया कि अभी तक वे बेटी अंतिम क्रिया-कर्म में फंसे हुए थे। आदर्श मैटरनिटी सेंटर में इलाज व गर्भपात के नाम पर न केवल हम सबका आर्थिक शोषण किया गया, बल्कि इलाज को लेकर लापरवाही भी बरती गई। इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर सिविल सर्जन को लिखित शिकायत किया जाएगा।

मोबाइल छीनकर ट्रेन से कूदते दो शातिर धराए

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बीबीगंज गुमटी नंबर 104 के पास सोमवार की देर शाम आरपीएफ ने दो शातिरों को ट्रेन यात्री से झपटे मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। दोनों शातिरों के पास से एक-एक मोबाइल बरामद किया है। दोनों को रेल थाना मुजफ्फरपुर के हवाले कर दिया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने बताया कि पोरबंदर एक्सप्रेस स्टेशन से खुलकर धीमी गति से बढ़ रही थी। इस बीच दोनों शातिर यात्री का मोबाइल झपट कर भागे। आरपीएफ ने दोनों को खदेड़कर दबोचा और मोबाइल बरामद किया। गिरफ्तार युवकों की पहचान ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के मौलाना आजाद लाइन गली के मो. फैजान और किला बांध के मो. सज्जाद के रूप में हुई।

चलती ट्रेन से युवक को मारा धक्का, खुद पहुंचा अस्पताल

बांका, एजेंसी। बांका के पिपराहडीह रेलवे हॉल्ट के पास चलती ट्रेन से एक युवक को धक्का मार कर नीचे गिराने का मामला सामने आया है। किसी को आसपास नहीं देखकर घायल युवक खुद से ही चल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गया। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज करने के बाद उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। घायल युवक ने बताया कि वह गेट के पास बैठा था, इस दौरान किसी ने धक्का दे दिया। युवक की पहचान गोड्डा के कुर्मीचक गांव निवासी गंगा दास के बेटे रोहित दास के रूप की गई है। वह ट्रेन में भागलपुर से अपने घर गोड्डा जा रहा था। इस क्रम में पिपराहडीह रेलवे हाल्ट के पास भागलपुर-हंसडीहा रेल खंड पर घटना हो गई।

पुलिस ने पांच साइबर ठग को किया गिरफ्तार

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को एसपी हिमांशु कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि इनके पास से 1 चार पहिया वाहन, 24 डेबिट कार्ड, 4 लैपटॉप, 23 पासबुक, 17 सिम कार्ड और 8 मोबाइल बरामद किया गया। गुप्त सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के भवि साह शिवपुरी मोहल्ले के पास सफेद रंग की कार में कुछ लोग साइबर ठगी का काम कर रहे है। इसके बाद को टीम को स्थल पर भेजा गया। साइबर अपराधी पुलिस को देखते ही भागने लगे। उनको ओवर टेक करके सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं आगे कहा कि पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया जाएगा।

डेंजर जोन में पटना के 40 होटल, एक महीने की मोहलत, सुधार नहीं होने पर होंगे सील

पटना, एजेंसी। फायर ऑडिट में पटना के 74 होटल-रेस्टोरेंट संवदेनशील तथा 40 खतरनाक श्रेणी में पाए गए हैं। अग्निशमन विभाग ने पटना के 560 होटल व रेस्टोरेंट का फायर ऑडिट कराया, जिसमें यह आंकड़ा सामने आया। इन सभी को अधिकतम एक महीने की मोहलत दी गई है ताकि ये सभी आधारभूत संरचना समेत अन्य स्तर पर मानक के अनुरूप जरूरी बदलाव कर सकें। हाल ही में पटना जंक्शन गोलंबर के पास मौजूद एक होटल में हुए अग्निकांड में आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

इसके बाद अग्निशमन विभाग होटल, कोचिंग संस्थान, अस्पताल, मॉल समेत अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का अलग-अलग फायर ऑडिट कर रहा है। निर्धारित अवधि के बाद इन होटलों की फिर से जांच की जाएगी। दोबारा गड़बड़ी पाए जाने पर ऐसे होटलों को सील किया जाएगा या इन पर जुर्माना लगाया जाएगा। मानक का पालन नहीं करने वाले होटल या व्यावसायिक भवनों पर 16 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से जुर्माना किया जा सकता है।

इन मानकों का करना होगा पालन अग्नि सुरक्षा को लेकर होटलों को कुछ प्रमुख मानकों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। इसमें सभी बड़े या मध्यम आकार के होटलों को फायर हाईड्रेंड लगाना अनिवार्य होगा। पैसेज और मुख्य स्थानों पर स्प्रिंकल, ऑटोमेटिक फायर अलार्म, छत पर बड़ी पानी की टंकी के अलावा होटल के अंदर सभी स्थानों पर साइनेज या रास्ता बताने वाले बोर्ड समेत अन्य जरूरी चीजें लगानी होगी। पोर्टेबल फायर फाइटिंग उपकरण भी लगाने के लिए कहा गया है।

सबसे महत्वपूर्ण ज्वलनशील पदार्थों को रखने के लिए एक एलपीजी बैंक बनाना है। इस स्थान को थोड़ा गड्ढा करके बनाया जाता है, जहां से एलपीजी गैस की टंकी को रखकर यहीं से सप्लाई की जाती है। सभी होटल संचालकों को आग से बचाव के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। मॉक ड्रिल भी कराए जा रहे हैं। शहर के सभी छोटे-बड़े कोचिंग संस्थान, निजी शिक्षण या ट्रेनिंग संस्थानों का भी फायर ऑडिट कराया जाएगा।

इसे भी जल्द ही अमलीजामा पहनाने की जुगत में अग्निशमन विभाग लगा हुआ है। इसका समुचित ऑडिट कराने के बाद इनमें भी मानकों का पालन कराया जाएगा। कुछ महीने पहले विभाग के स्तर से इनका ऑडिट कराया गया था। उस समय अधिकांश संस्थानों में सुरक्षा से जुड़े मानक नहीं पाए गए थे। अब फिर से इनकी जांच कर आगे की कार्रवाई होगी।

अग्निशमन एवं होमगार्ड विभाग की डीजी शोभा ओहटकर ने कहा कि होटलों का फायर ऑडिट कराया गया है। मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने वालों होटल संचालकों को एक महीने में सुधार करने की मोहलत दी गई है। सुधार नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। होटल को सील तक किया जा सकता है।

गैस लीक के कारण दुकान में लगी आग,पीड़ित ने बताया 30 हजार का हो गया नुकसान

जमुई, एजेंसी। जमुई के झाझा बाजार स्थित फास्ट फूड की दुकान में सोमवार को गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। दुकानदार ने दूर भाग कर अपनी जान बचाई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी ने पहले सिलेंडर में लगी आग को बुझाया फिर दुकान में लगी आग को भी बुझा लिया। दुकानदार राजेश कुमार ने बताया कि दुकान बंद कर गैस से रेगुलेटर खोल रहे थे। इस दौरान लीक होने से आग लग गई। इसमें दुकान में रखे 14 हजार रुपए समेत मोबाइल और अन्य सामान जल कर राख हो गया। घटना में 30 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हो गया। वहीं घटना को लेकर लोगों ने बताया कि सूचना देते ही थाना परिसर में मौजूद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। एक घंटे में दमकल कर्मी ने आग पर काबू पा लिया। इसके साथ ही झाझा थानाध्यक्ष संजय सिंह और अन्य पुलिस कर्मियों ने मुख्य बाजार से गुजरने वाले सभी वाहनों को रुकवाया। आग पर काबू पाने के बाद यातायात चालू किया गया।

मेरी गाड़ी का शीशा तोड़ा गया, लोकतंत्र की हत्या हुई: अनीता कुमारी

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण के तहत बिहार की पांच लोकसभा सीटों पर सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव संपन्न हो गया है। इस बीच सूबे की हॉट सीटों में शामिल मुंगेर से राजद प्रत्याशी अनीता कुमारी ने अपने प्रतिद्वंदी और जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हार की बौखलाहट से ललन सिंह का सामंती कुनबा अलबला गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी गाड़ी का शीशा तोड़ दिया गया और सरेआम लोकतंत्र की हत्या की गई। पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान अनिता कुमारी ने कहा कि लखीसराय के विभिन्न बूथ पर ललन सिंह के समर्थकों के जरिए बूथ कैप्चरिंग की शिकायत मिली थी। आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जब मैं खुद वहां पहुंची तो ललन सिंह के गुंडों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया और उनके साथ बदतमीजी की। प्रशासन भी ललन सिंह के आतंक के सामने चू नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि मैं अविलंब ऐसे सारे बूथ पर पुनः मतदान के साथ सामंती ताकतों पर अविलंब कार्रवाई की मांग करती हूं। गौरतलब है कि इससे पहले भी चुनाव के दौरान मुंगेर के बूथ संख्या 23 और 24 पर मतदान में परेशानी की बात सामने आई थी। यहां लोगों का आरोप था कि बीएलओ की ओर से पर्ची नहीं बांटी गई है, जिसके चलते बूथों पर भीड़ कम देखने को मिल रही है। इन्हीं सब बातों को लेकर अनिता कुमारी ने शिकायत की थी कि मुंगेर में कई बूथों पर खुले आम धांधली हो रही है।

तेजस्वी यादव पर भड़के नीतीश कुमार,बोले- काम सारा हमने किया, वोट ये लोग मांग रहे

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में पहले भय का माहौल था, शाम ढलने पर लोग घरों से नहीं निकलते थे। हमेशा लड़ाई -झगड़ा होता रहता था। हमारी सरकार बनी तो हमने भाईचारे और शांति का माहौल बनाया। अब लोग देर रात तक घरों से बाहर घूमते हैं। बिहार में विकास का काम आपलोग देख रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को सीतामढ़ी के पुपरी के राजबाग खेल मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मधुबनी के उमगांव में कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जो नौकरी हमने दी, उसके नाम पर वोट मांगने जा रहा है। जो काम हमारी सरकार ने किया है, उसे याद रखिएगा। ये लोग जाति आधारित गणना के विरोध में थे। जाति आधारित गणना में आर्थिक गणना भी हुई। मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए लालू परिवार पर निशाना साधा। कहा कि बेटा-बेटी सब को राजनीति में सेट कर रहे हैं। हमारा कोई नहीं है राजनीति में। हमने भाजपा के साथ रहकर मुसलमानों के लिए जो काम किया वह कोई और नहीं कर सका। मदरसों को मान्यता दी। उर्दू सर्टिफिकेट पर नौकरी दी।

उन्होंने कहा कि बिहार की 40 की 40 सीटों पर एनडीए की जीत होगी और नरेंद्र मोदी देश के पीएम बनेंगे। इसलिए हम यहां एनडीए प्रत्याशी देवेश चंद्र ठाकुर के लिए आपसे वोट मांगने आए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने मधुबनी के उमगांव में एनडीए प्रत्याशी अशोक कुमार यादव के समर्थन में भी चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने पुपरी में लालू परिवार पर तंज कसते हुए कहा कि लालू व तेजस्वी मेरे साथ थे और जब हटा दिए तो कहने लगे कि नौकरी मैंने दी। जबकि पांच लाख लोगों को नौकरी मैंने दी थी। पहले की सरकार में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य की हालत बद से बदतर थी। आज देखिए पूरे सूबे में सड़कें बनी हैं और पुल-पुलिया का जाल बिछा दिया गया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। हर घर जल, लड़कियों को पोषाक और साइकिल, महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण, महिलाओं के लिए जीविका समेत अन्य कई योजनाओं को शुरू किया गया। सीतामढ़ी में इंजीनियरिंग, मेडिकल, पॉलिटेक्निक, आईटीआई कॉलेज खोलवा दिया है।बाद में सीएम ने लोगों से एनडीए प्रत्याशी देवेशचंद्र ठाकुर के पक्ष में वोट देने व भारी मतों से जीताने की अपील की।

नए कानून को लागू कराने को तैयार हो रही पुलिस, तीन दिनों की ट्रेनिंग समाप्त

भागलपुर, एजेंसी। नए कानून के लागू होने से पहले उसकी बारीकियों को सीखने और समझने के बाद पुलिस उसे लागू कराने के लिए तैयार दिख रही है। नए कानून को लेकर पुलिस पदाधिकारियों के तीन दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समीक्षा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी डीएसपी और थानेदार शामिल हुए। उन्हें नए कानून के तहत हुए बदलाव की जानकारी दी गई और उसे किस तरह लागू किया जाना है यह भी बताया गया। इस बात का ध्यान रखने को कहा गया है कि इसके लागू होने के बाद पूरी तरह से पालन करना है। गौरतलब है कि बदले कानून को एक जुलाई से लागू होना है।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में मोदी के 10 साल पर कांग्रेस बोली- पीएम ने काशी के लोगों से विश्वासघात किया

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने प्रेसवार्ता में कहा कि 10 साल पहले जब मोदी जी वाराणसी आए थे तो कहा था कि मां गंगा ने बुलाया है फिर काशी को क्योटो बनाने का वादा किया था। हजारों लोगों को रोजगार देने की बात कही थी। जनता ने तो अवसर दिया लेकिन 10 साल में कुछ काम नहीं हुआ। उन्होंने काशी का वीडियो दिखाते हुए कहा कि वहां दूषित पानी आ रहा है। लोगों को आवास नहीं मिला।

जलभराव और सीवर की समस्या है। गलियों में सीवर का पानी भरा रहता है। 10 वर्ष में काशी वालों के साथ विश्वासघात किया गया है। गंगा की सफाई का वादा भी झूठा रहा है। कोर्ट ने भी इस पर नाराजगी जताई है। सरकार ने स्वीकारा की 40 फीसदी सीवर का पानी गंगा में जा रहा है। अभय दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री के गोद लिए गांव में नल तो लगा लेकिन पानी नहीं आता है। पानी खरीदकर पीते हैं। गंदा पानी छानकर पीते हैं। डोमरी गांव में लोग पन्नी लगाकर रहते हैं। मनरेगा की मजदूरी मात्र सात रुपए बढ़ाई गई। हम 400 रूपये करेंगे। हजारों करोड़ से कोर्ट बनाया गया था। 10 साल, वाराणसी बेहाल तो आपको तीसरी बार मौका क्यों दे। अन्य लोगों के नामांकन नहीं लिया जा रहा है। अमेठी के एमएलसी दीपक सिंह पर फर्जी केस दर्ज करा दिया गया है। यह स्मृति ईरानी के कहने पर किया गया है। पार्टी उनके साथ खड़ी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले

हार की हताशा से विपक्षी नेताओं की भाषा बिगड़ी,

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने चौथे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद कहा कि चरण दर चरण विपक्ष की हताशा सामने आ रही है। विपक्षी नेताओं की भाषा व भावभंगिमा बिगड़ चुकी है। दावा किया कि भाजपा का प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि विपक्ष के नेता केवल अपना घर बचाने की लड़ाई लड़ रहे

हैं। सपा, कांग्रेस, बसपा सहित तमाम दलों के बचे गढ़ भी जनता ढहा रही है। विपक्ष को भी अपनी करारी हार का एहसास है।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव व मायावती सहित तमाम विपक्षी नेता प्रचार के लिए निकल नहीं रहे हैं। वहीं प्रत्याशी परिवर्तन का दौर अभी भी जारी है। मुस्लिम तुष्टीकरण का कांग्रेस-इंडी गठबंधन का एजेंडा जाहिर हो चुका है। इस बार 400 सीटें जीतकर भाजपा सरकार फिर बनने जा रही है।

हार की वजह से हिंसा पर उतारू हुआ विपक्ष- वहीं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि हार की हताशा में सपाई और इंडी पार्टनर्स हिंसा पर उतारू हो गए हैं। अपने बयानों से भड़काने का कुकृत्य करने लगे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनका पूरा परिवार चुनाव हार रहा है।

13 सीटों पर कैसे रहे समीकरण, कहां रहा त्रिकोणीय मुकाबला

किन सीटों पर आमने-सामने की लड़ाई?

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के चुनाव में अधिकतर सीटों पर हाथी दौड़ता हुआ नहीं दिखा। नतीजतन, भाजपा और सपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच सीधे टक्कर दिखी। तमाम जगहों पर बसपा प्रत्याशी का बस्ता तक नहीं दिखा। कहीं इंडिया तो कहीं एनडीए प्रत्याशी आगे दिखे। कन्नौज में इस बार तस्वीर साफ है, बस लड़ाई मार्जिन की ही रहेगी। वहीं, खीरी में त्रिकोण बन रहा है।

भाजपा के प्रो. रामशंकर कठेरिया और समाजवादी पार्टी के जितेंद्र दोहरे में सीधा मुकाबला है। बसपा के मुख्य लड़ाई में न होने की वजह से उसका वोट सपा के साथ जाता हुआ नजर आया। सपा प्रत्याशी दोहरे समाज के होने की वजह से इसका फायदा सपा को मिला तो चुनाव सपा के पक्ष में जा सकता है। सोमवार को मतदान के दिन कई जगह बसपा के बस्ते तक गायब नजर नहीं आए। औरैया सदर क्षेत्र में ब्राह्मणों और ठाकुरों में भाजपा प्रत्याशी को लेकर नाराजगी मतदान के दिन भी नजर आई। इससे जीत-हार के समीकरण प्रभावित होंगे। शहरी क्षेत्र में लोग दोपहर के बाद निकले, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लोग पहुंचने लगे थे। हालांकि बारिश हो जाने की वजह से सुबह गर्मी से राहत मिलने के चलते सुबह 11 बजे तक का मतदान प्रतिशत 2019 की अपेक्षा इटावा और भरथना विधानसभा में बढ़ गया। वहीं बीहड़ पट्टी के राजपुर, सिकंदरा से जुड़े गांव के मतदाताओं में बिखराव नजर आया है। राजपुर के पैलावर व संदलपुर के उड़नापुर में विकास न कराए जाने पर मतदान के दिन बहिष्कार भी हुआ। फर्रुखाबाद लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा के मुकेश राजपूत और समाजवादी पार्टी के डॉ. नवल किशोर शाक्य के बीच है। सीधी लड़ाई में बसपा उम्मीदवार कहीं भी नजर नहीं आए। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मतदान के दौरान न तो बसपा प्रत्याशी कहीं दिखे और न ही उनके किसी भी मतदान केंद्र पर बस्ते लगे। दो बार से लगातार सांसद रहे भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर (एंटी इंकबेंसी) से सदर सीट

पर बड़ी संख्या वोटों के कटना का फैक्टर असर डाल सकता है। शाक्य समाज का प्रत्याशी समाजवादी पार्टी से लड़ने से शाक्य मतदाता भाजपा से कटकर सजातीय प्रत्याशी की ओर रुख कर रहा है। ऐसे में भाजपा को नुकसान होने की आशंका है। यहीं हाल पाल समाज के वोटरों का है। शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण इलाकों में मतदान के लिए केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें दिखीं। मौसम भी मतदान के अनुकूल रहा। सुबह बूंदा-बांदी के बाद हल्की धूप रही।

अकबरपुर में भाजपा और सपा के बीच कांटे की टक्कर- अकबरपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह उर्फ भोले का सीधा मुकाबला सपा गठबंधन प्रत्याशी राजाराम पाल से है। बसपा प्रत्याशी राजेश कुमार द्विवेदी की लड़ाई कमजोर है। कुछ लोग वर्तमान सांसद से नाराज है। इस वजह से पिछड़े वर्ग के मतदाताओं का रुझान गठबंधन की ओर हुआ है। इसमें मैथा और रूरा क्षेत्र के कुछ जगहों पर ब्राह्मण भी बंटा है। शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र में मतदान की स्थिति बेहतर रही है। हालांकि पिछले चुनाव से मतदान सुस्त है। शहरी क्षेत्र में युवा मतदाता काफी उत्साहित रहा। हर बूथ पर युवाओं की भीड़ भी दिखी।

हरदोई में कोर वोटर तक सिमटी बसपा- हरदोई लोकसभा सीट पर सीधा मुकाबला भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश और सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा के बीच हुआ। बसपा प्रत्याशी अपने कोर वोटर तक ही सिमटे नजर आए। जय प्रकाश की क्षेत्र में अनुपलब्धता को लेकर कुछ इलाकों में मतदाताओं में गुस्सा नजर आया। ऊषा वर्मा पिछले दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं।

उन्नाव में रहा सीधा मुकाबला

उन्नाव लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी साक्षी महाराज और सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन के बीच रहा। हालांकि, बसपा के प्रत्याशी अशोक पांडेय ने कैडर वोट के अलावा भाजपा के पाले से भी उसका परंपरागत वोट खींचने में सफलता हासिल की। ब्राह्मण प्रत्याशी होने से भाजपा के परंपरागत वोट में सेंधमारी की है। इससे मुकाबला कांटे का हो गया है। पहले और दूसरे नंबर की लड़ाई भाजपा और सपा के बीच है। यहां मोदी फैक्टर भाजपा के लिए एकबार फिर कारगर साबित हुआ दिखा। हालांकि, चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी से नाराजगी दिख रही थी, पर मतदान का समय आते-आते भाजपा के वोटरों ने ईवीएम का बटन दबाकर अपना वोट मोदी को समर्पित कर दिया। नवाबगंज ब्लाक के सेमरा व रुदवारा गांव के लोगों ने और बांगरमऊ के रबड़ी सहित दो बूथों पर मतदान बहिष्कार किया। हालांकि प्रशासन और प्रत्याशियों के समझाने पर दोपहर बाद लोगों ने मतदान किया। यूपी में चौथे चरण की सबसे चर्चित सीट रही कन्नौज संसदीय क्षेत्र में सोमवार को हुए चुनाव में सपा और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई दिखी। पांचों विधानसभा सीट पर दोनों में जोरदार मुकाबला होता दिखा। बसपा यहां अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखी। इक्का-दुक्का जगहों पर ही बसपा में उत्साह दिखा। खुद अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने से सपा पिछली बार के मुकाबले कई जगह रेस में आगे होती दिखी। भाजपा के पक्ष में वोट देने पहुंचने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्रेज दिखा। हालांकि कुछ जगहों पर सत्ता विरोधी लहर का फायदा सपा उठाती दिखी। तिर्वा में रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के विवाद का असर दिखा। यहां कुछ जगहों पर लोधी वोटर सांसद से नाराजगी जताते हुए सपा के पक्ष में वोटिंग करते दिखे। दोपहर होते-होते खुद अखिलेश यादव ही सैफई से कन्नौज पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने जिन बूथों पर भाजपा की ओर से गड़बड़ी की शिकायत की, उनमें से कई जगह पहुंचे।

शाहजहांपुर में राम मंदिर के निर्माण ने दिखाया असर

शाहजहांपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी अरुण सागर और सपा प्रत्याशी ज्योत्सना गौंड के बीच सीधी टक्कर हुई है। बसपा प्रत्याशी दोदराम वर्मा को कैडर वोट मिलने की संभावना है। हालांकि अनुसूचित जाति के वोटों में भाजपा ने भी सेंध लगाई है। इस सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राम मंदिर के नाम पर मतदाता भाजपा के पक्ष में एकजुट दिखा। वहीं कांग्रेस से गठबंधन के साथ सपा मुस्लिम, यादव और कश्यप वोटों के सहारे जीत का दावा कर रही है। किसी वर्ग विशेष की नाराजगी नजर नहीं आई। ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर शहर के मुकाबले अधिक मतदान हुआ है।

मेरठ के विकास को लगेंगे पंख: गांव में मिलेंगे रोजगार, दो गांव में इंडस्ट्रियल क्लस्टर प्रक्रिया शुरू

मेरठ , एजेंसी। मेरठ महायोजना-2031 से न केवल शहर बल्कि गांव के विकास को भी पंख लगेंगे। सरधना, मवाना, बहसूमा, हस्तिनापुर समेत नौ नगरीय क्षेत्र इसमें शामिल किए गए हैं। इसी के साथ गांव में औद्योगिक क्लस्टर बनाए जाएंगे। महायोजना के अंतर्गत मुजफ्फरपुर सैनी और फिटकरी गांव में इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाए जाने हैं, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जहां 2021 में महायोजना करीब 500 वर्ग किमी. की थी तो वहीं

अब यह 1043 वर्ग किमी. की हो गई है। ऐसे में मेडा अब देहात में औद्योगिक कैंप तथा व्यावसायिक निर्माण की जानकारी के लिए कैंप लगाएगा। वहीं सरधना, मवाना, हस्तिनापुर आदि के लिए विशेष पर्यटन नीति भी मेडा तैयार करेगा। मेरठ विकास प्राधिकरण की सीमा में अब 305 नए गांवों को शामिल कर लिया गया है। इससे जहां गांव देहात का हुनर निखरेगा तो वहीं आर्थिक स्वावलंबन भी आएगा। मेरठ में लावड़ आर्टिफिशियल ज्वेलरी का बड़ा गढ़ है। यहां से दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में आर्टिफिशियल ज्वेलरी पहुंचती है। ऐसे ही सरधना और मवाना में कई गांवों में फुटबॉल-ग्लव्स और क्रिकेट बॉल बनाने तथा क्रिकेट बैट की हैंड ग्रिप को चढ़ाने का काम बड़े पैमाने पर होता है। मेरठ में कैंची क्लस्टर के लिए लोहियानगर में जमीन दी गई थी, जिसमें एक ही व्यक्ति ने प्लॉट लिया। ऐसे में गांव के लोगों को गांव के अंदर ही रोजगार मिले, इसके लिए औद्योगिक क्लस्टर मेडा तैयार करेगा। इसी के साथ सरधना में बेगम समरू का चर्च और हस्तिनापुर में जैन मंदिरों को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। इसके लिए भी मेडा विशेष पर्यटन नीति तैयार करेगा।

दूसरी ओर परतापुर और मोदीपुरम में स्पेशल डेवलपमेंट एरिया (एसडीए) प्रस्तावित है। परतापुर-भूड़बराल में यह 288.79 हेक्टेयर और मोदीपुरम में 457.06 हेक्टेयर में यह बनेंगे। इसके लिए पहले फेज के तहत परतापुर-भूड़बराल में नई टाउनशिप के लिए 177 किसान भी रजामंद हो गए हैं। मेडा ने लोगों से आपत्ति भी मांगी, जिसके बाद मेडा जल्द ही समझौते के साथ इनसे जमीन खरीदेगा।

दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी को उम्रकैद, सात लोगों की गवाही...मिला न्याय

आगरा, एजेंसी। आगरा की विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने 11 वर्षीय बालिका की दुष्कर्म के बाद हत्या व पॉक्सो एक्ट के आरोपी अनिल बघेल को दोषी पाया। उसे उम्रकैद और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। थाना निबोहरा में वादी ने 30 अक्तूबर 2014 केस दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि थानाक्षेत्र के एक गांव में सब लोग लगुन सगाई में व्यस्त थे। जब घर लौटे तो बेटी घर पर नहीं मिली। तलाश करने पर खेत में मृत पड़ी मिली। उसकी दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद गांव के ही आरोपी अनिल को गिरफ्तार करके उसके विरुद्ध हत्या, साक्ष्य नष्ट करने और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपपत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की तरफ से एडीजीसी सुभाष गिरी ने साथ गवाह अदालत में पेश किए। पांच कारतूस के साथ पुलिस ने आगरा एसीजेएम प्रथम पंकज कुमार ने आयुध अधिनियम के तहत आरोपी विजय गुप्ता को साक्ष्य के अभाव में बरी किया। यह लताकुंज, मारुति स्टेट, थाना शाहगंज का निवासी है। अभियोजन पक्ष ने इस मामले में 19 वर्ष में एक भी गवाह अदालत में पेश नहीं किया। थाना हरीपर्वत में दर्ज मामले में 7 अक्तूबर 2002 को तत्कालीन एसओजी प्रभारी संजीव कटियार ने पालीवाल पार्क के पास से मुखबिर की सूचना पर विजय गुप्ता को पांच कारतूस व नकदी के साथ पकड़ा था। दावा किया गया कि कारतूस उसे फैजल नामक व्यक्ति को देने थे। पुलिस ने फैजल को गिरफ्तार करके पिस्टल बरामद की। मुकदमे में विचारण के बाद आरोप तय किए गए। अभियोजन एक भी गवाह पेश नहीं कर सका। अधिवक्ता मुकेश शर्मा ने पैरवी की।

आगरा छावनी से दौड़ेगी एक और समर स्पेशल ट्रेन, 22 कोच की है सुविधा

आगरा, एजेंसी। आगरा में गर्मियों में ट्रेनों में मारामारी देख रेलवे ने एक और समर स्पेशल ट्रेन आगरा छावनी-अहमदाबाद-आगरा छावनी एक्सप्रेस शुरू की है। संचालन 16 मई से शुरू होगा।

रेलवे वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन संख्या 1919-1920 आगरा छावनी-अहमदाबाद-आगरा छावनी 16 मई से 29 जून तक चलेगी। इसमें 22 कोच है, जिसमें सामान्य के 14, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के पांच, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के एक

और एसएलआरडी के दो कोच हैं।

ट्रेन संख्या 1919 आगरा छावनी से प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 1920 की शुरुआत 17 मई से होगी, यह 30 जून तक चलेगी। इसका संचालन प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार और रविवार को होगा।

रेल परामर्शदात्री समिति के सदस्य राजकुमार शर्मा का कहना है कि गाड़ी में एक भी स्लीपर कोच नहीं है, जबकि इकोनॉमी क्लास के लोग इसमें सफर करते हैं। गाड़ी में दो स्लीपर कोच बढ़ाए जाने चाहिए।

बच्चे के हाथ में जो खिलौना है, वही बना मासूम की मौत की वजह; हादसा देख कांप गई घरवालों की रूह

आगरा, एजेंसी। एटा के राजा का रामपुर थाना क्षेत्र के गांव कला में खिलौने से खेलते हुए डेढ़ वर्षीय मासूम पानी के ड्रम में डूबा गया। जानकारी मिलने पर परिजन अचेत अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज लेकर गए, जहां डॉक्टर द्वारा रेफर कर दिया गया। कायमगंज पहुंचने पर डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीत्कार मच गया। लाश देख बच्चे की मां बेसुध हो गई। राजा का रामपुर थाना क्षेत्र के गांव कला अजय कुमार ने बताया कि सोमवार को दोपहर को डेढ़ वर्षीय बेटा रचित घर पर दादा-दादी के पास था। वो ट्रैक्टर के खिलौने से खेल रहा था। रचित की मां अंजली, बहन और भाभी भी मतदान करने के चले गए। बाहर खेल रहे बच्चे को बाबा राधेश्याम ने आकर घर के अंदर कर दिया। वह घर के अंदर खेलने लगा तभी बड़े भाई जो दिल्ली रहते हैं, उनका फोन आ गया। रचित के बाबा और दादी फोन पर बात करने लगे। जब बाद में देखा तो रचित नहीं मिला। काफी तलाश के बाद भी मासूम कहीं नहीं मिला। इस दौरान बहन और पत्नी अंजलि भी घर आ गईं। दोपहर 12 बजे करीब जब बाथरूम की तरफ जाकर देखा तो रचित का शरीर आधा पानी के अंदर था और पैर बाहर थे। खिलौना पानी के अंदर ही पड़ा था। तत्काल रचित को ड्रम से बाहर निकाला और अलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर

गए, जहां डॉक्टर द्वारा मना कर दिया गया। इसके बाद मासूम को कायमगंज स्थित बाल गोपाल अस्पताल में लेकर गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अजय ने बताया कि ड्रम इतना बड़ा था यदि वह खड़ा हो जाता तो पानी में नहीं डूबता। शायद वह ट्रैक्टर को लेकर पानी से धोने के लिए गया था। ट्रैक्टर पानी में ही छूट कर गिर गया, उसकी निकालने की कोशिश में वह आधा लटक गया, जिसकी जानकारी किसी को नहीं हो पाई। जब तक उसे बचाया जाता तब तक जान चली गई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय,
रामगढ़ (निर्वाचन शाखा)
चुनाव का पर्व DESH KA GARV
दूरभाष : 06553-261555(O) Email Id : dc-ramgarh@gov.in

—:: आदेश ::—

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा—160 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक—18.05.2024 से दिनांक—21.05.2024 तक मैं, चंदन कुमार (भा०प्र०से०), जिला निर्वाचन पदाधिकारी— सह— उपायुक्त, रामगढ़, लोकसभा आम चुनाव, 2024 के निमित 14—हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में निहित 22—बड़कागाँव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (पतरातू भाग) एवं 23—रामगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा 24—माण्डू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र(माण्डू भाग) अन्तर्गत अवस्थित कुल—456 मतदान केन्द्र भवनों का सम्पूर्ण परिसर उपस्कर सहित अधिग्रहण करता हूँ।

क्र० सं०	विधानसभा क्षेत्र संख्या एवं नाम	मतदान केन्द्रों की संख्या	मतदान केन्द्र भवनों की संख्या
01	22—बड़कागाँव विधानसभा (पतरातू भाग)	221	112
02	23—रामगढ़ विधानसभा	402	229
03	24—माण्डू (माण्डू भाग)	229	115
कुल		852	456

ह०/—
जिला निर्वाचन पदाधिकारी
—सह—उपायुक्त, रामगढ़।

PR.NO.324800 Election(24-25):D

नहीं मिले सारे जवाब

संपादकीय

महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के करीब 11 साल बाद आया विशेष अदालत का फैसला कम से कम यह संतोष देता है कि इस मामले में न्याय प्रक्रिया का एक चक्र पूरा हुआ। हालांकि कई अहम सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। लिहाजा यह नहीं कहा जा सकता कि यह प्रकरण अपनी तार्किक परिणति तक पहुंच गया। हत्या का सिलसिला - 20 अगस्त 2013 की सुबह हुई डॉ. दाभोलकर की हत्या ने अगर पूरे देश को सकते में डाल दिया था, तो वह बेवजह नहीं था। माना गया कि उनकी हत्या उनके विचारों को दबाने के मकसद से की गई है। उसके बाद फरवरी 2015 में गोविंद पानसारे, अगस्त 2015 में एम एम कलबुर्गी और सितंबर 2017 में हुई गौरी लंकेश की हत्या को इसी श्रेणी में रखकर देखा जा रहा था। शुरुआती जांच में कुछऐसे बिंदु मिले भी थे जिनसे लगता था कि कहीं न कहीं इन हत्या की साजिशों के तार एक-दूसरे से जुड़े हैं। इस लिहाज से भी नरेंद्र दाभोलकर हत्या से जुड़े इस मामले पर सबकी नजरें टिकी थीं। लग रहा था कि अदालत में अगर इन साजिशों की परतें खुलें और कोर्ट किसी नतीजे पर पहुंचे तो देश में अपनी तरह के इन हत्याकांडों के पीछे की सचाई सामने आएगी। अदालत में उन दो लोगों के खिलाफ दोष साबित हो गया, जिन्होंने 20 अगस्त 2013 की सुबह डॉ. दाभोलकर पर गोलियां चलाई थीं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इन लोगों ने यह हत्या की क्यों? क्या इनकी डॉ. दाभोलकर से कोई निजी दुश्मनी थी? सीबीआई के मुताबिक हत्या का कारण वैचारिक टकराव था। अभियोजन पक्ष ने हत्या की साजिश के मामले में तीन अन्य लोगों को आरोपी बनाया था। लेकिन जांच एजेंसियां इन आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं जुटा सकीं। जाहिर है, कमजोर जांच-पड़ताल की वजह से हत्या के पीछे की साजिश उजागर नहीं हो सकी। हत्या के पीछे कोई दूसरा ठोस, तर्कसंगत कारण भी स्थापित नहीं हो पाया। नतीजा यह कि हत्या करने वालों को सजा सुना दिए जाने के बाद भी, देश इस बात को लेकर अंधेरे में है कि आखिर इस हत्या के पीछे किन लोगों की और कैसी साजिश थी। इसी वजह से यह सवाल भी अनुत्तरित ही है कि उसके बाद हुई तीन हत्याओं , गोविंद पानसारे, एम एम कलबुर्गी और गौरी लंकेश की , को एक साथ जोड़कर देखने का कोई ठोस आधार है या नहीं। क्या इन चारों हत्याओं की साजिश के पीछे एक ही संगठन से जुड़े समान सोच वाले लोगों का हाथ था? जाहिर है, ठोस जवाब के अभाव में ऐसी हत्याओं तक ले जाने वाले कारकों से निपटने के तरीके ढूंढना भी आसान नहीं होगा।

अमन-चैन से सरकार चुन रहा कश्मीर

(विभूति नारायण राय, पूर्व आइपीएस अधिकारी)साल था 1993 और महीना जनवरी का, जब कश्मीर घाटी में चिल्ला-ए-कलां की सर्दियां और आतंकवाद अपने उरूज पर थे। घाटी में मेरी तैनाती का तीसरा दिन था और मेरे पूर्वाधिकारी मुझे इलाके से परिचित कराने के लिए बांदीपुर के पास मलनगाम नामक बड़े से पहाड़ी गांव पर लेकर गए थे। सुलग रहे तत्कालीन कश्मीर से उस पहले साक्षात्कार की एक बात जो मुझे आज भी याद है, वह यह है कि हमारे ईद-गिर्द एकत्र ग्रामीणों ने बातचीत करते समय बताया था कि घाटी में भारत के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई रहे हैं। यह मेरे लिए एक आश्चर्यजनक सूचना थी, पर आज चुनावों के मौके पर याद आ रही है। ग्रामीणों के बीच मोरारजी भाई की लोकप्रियता का राज आम चुनावों में निहित था, इसीलिए आज भी प्रासंगिक है।

आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य भारतीय संघ में सम्मिलित तो हुआ, पर असाधारण घटनाक्रम के बाद। यह भी कम दुर्भाग्यपूर्ण नहीं था कि जितनी तकलीफदेह विलय की प्रक्रिया थी, उससे कम चुनौतियां इस सीमावर्ती राज्य में भविष्य में निष्पक्ष चुनाव कराने में नहीं आईं। लगभग सारे आम चुनावों में धांधलियों के आरोप लगते रहे। चुनावों के दौरान एक आम दृश्य यह होता था कि सत्तारूढ़ दल के विरुद्ध लड़ रहे ज्यादातर उम्मीदवारों के पर्चे खारिज हो जाते थे और सत्ता पार्टी का उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता था। धांधलियों के आरोपों के बीच जून 1977 के विधानसभा चुनाव पहले चुनाव थे, जिन्हें आम तौर से साफ-सुथरा माना गया। उन दिनों मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल्ला बहुत लोकप्रिय न होने के बावजूद बड़े बहुमत से चुनाव जीते थे। उन्हें जनता का विशाल बहुमत सिर्फ इसलिए मिला कि मतदाताओं के बीच प्रचार हो गया कि नई दिल्ली उन्हें हारता हुआ देखना चाहती है। इन चुनावों में कोई धांधली नहीं हुई और इससे मोरारजी देसाई की मकबूलियत खूब बढ़ी और इसी कारण मलनगाम में मुझे वह प्रतिक्रिया मिल रही थी, जो मेरे लिए भी कम चौंकाने वाली नहीं थी और आज भी याद आ रही है।

जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव कई अर्थों में पहले के चुनावों से भिन्न हैं। एक तो अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहले चुनाव हैं और दूसरे, ये उस समय हो रहे हैं, जब राज्य का एक बड़ा भूभाग लद्दाख अब एक पृथक केंद्रशासित प्रदेश बन चुका है। यह हाल के दिनों का पहला मौका है, जब चुनावों के बहिष्कार का कोई बड़ा आह्वान नहीं किया गया है। कश्मीरी जनता ने उस कुप्रचार को पूरी तरह से झूठा साबित कर दिया है कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद उसके और भारतीय गणराज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं हो सकेंगे। इन चुनावों में जितनी बड़ी चुनावी सभाएं हुईं, जितने उत्साह से लोगों ने मतदान में भाग लिया और जितनी कम हिंसा हुई, वह कुछ दिनों पहले तक अकल्पनीय थी। साल 2019 के पिछले आम चुनावों के दौरान बहिष्कार की आवाज इतनी मजबूत थी कि कुछ लोकसभा क्षेत्रों में तो सिर्फ नाम मात्र के मत पड़े थे। इस बार न सिर्फ क्षेत्रीय, बल्कि राष्ट्रीय दलों को भी अपनी बड़ी सभाएं करने का मौका मिल रहा है और अब तक जितने चरणों के चुनाव हुए, सबमें पहले के मुकाबले बंपर मतदान हुआ है। मतदान में धांधली के कोई बड़े आरोप अभी तक नहीं लगे हैं। इसका एक कारण तो शायद यही है कि वे सभी पृथकतावादी नेता जेल में हैं, जो चुनाव के मौके पर बहिष्कार की अपील किया करते थे। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांति व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उसका नतीजा अभी तक हो चुके मतदान चरणों के शांतिपूर्वक संपन्न होने में दिख रहा है।

चुनावी प्रक्रिया में जनता की बढ़ती भागीदारी के पीछे एक दिलचस्प कारण हमारे पड़ोस में हाल में घटित घटनाएं भी हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान में भी आम चुनाव हुए और तमाम धांधलियों के बावजूद बमुश्किल एक कमजोर सरकार वजूद में आ सकी। देश के दो मजबूत इदारों, न्यायपालिका और फौज ने खुलेआम चुनाव आयोग से मिलकर इमरान खान को हराने की कोशिश की और इसमें कामयाब भी हुए। उनके हस्तक्षेप के बावजूद जनता ने इमरान की पार्टी को नेशनल असेंबली में अकेली सबसे बड़ी पार्टी बना दिया। पहले से आर्थिक बदहाली का शिकार देश पूरी तरह से दिवालिया होने के कगार पर पहुंच चुका है और बड़ी मुश्किल से आईएमएफ की मदद से अपने कर्जे चुका पा रहा है। ऐसे में, स्वाभाविक है कि घाटी में पाकिस्तान समर्थक विमर्श धीरे-धीरे अपनी चमक खोता जा रहा है।

एक विदेशी अखबार में प्रकाशित कश्मीरी छात्र का इंटरव्यू इस सोच को भली-भांति अभिव्यक्त करता है। पहले पाक समर्थक पृथकतावादी आंदोलनों में भाग लेने की स्वीकारोक्ति करने वाला यह छात्र इस चुनाव में वोट डालने जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान की परिस्थितियां उसे निराश कर रही हैं। उसकी यह समझ बनी है कि आर्थिक अवसरों से भरपूर एक धर्मनिरपेक्ष भारत उसके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, बजाय एक इस्लामी पाकिस्तान के, जो अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।

साल 2024 के चुनाव कई मामलों में भारतीय गणराज्य को अद्भुत अवसर प्रदान करने वाले हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दिसंबर 1989 में धधक उठी आतंकवाद की ज्वाला किसी शून्य से नहीं उपजी थी। इसका तात्कालिक कारण 1987 के वे चुनाव थे, जिनमें जमकर धांधली हुई थी। इन चुनावों में जनता को बिना किसी दबाव या भय अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर देकर हम उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा में शरीक होने का मौका देंगे।

अब समय आ गया है कि कश्मीरी जनता को उनका सांविधानिक अधिकार वापस किया जाए। विधानसभा की सीटों का परिसीमन पूरा हो चुका है और प्रधानमंत्री ने इसकी घोषणा भी कर दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 2024 के चुनावों के बाद बनने वाली नई सरकार की प्राथमिकताओं में जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली पहली प्राथमिकता होगी। यह भी हमेशा याद रखने की जरूरत है कि एक धर्मनिरपेक्ष भारत से ही कश्मीर का रिश्ता अटूट रहेगा। निष्पक्ष चुनाव पिछली गलतियों को सुधारने का मौका देंगे। अब तक तो लग यही रहा है कि ये चुनाव जनता को एहसास कराने में सफल होंगे कि उनके मताधिकार पर कोई डाका नहीं डालेगा।
(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आम चुनाव 2024 के नाम पर सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद तिहाड़ जेल से बाहर निकले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के हित चुनावी विसात बिछानी शुरू कर दी। इसी क्रम में उन्होंने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे उनके पुराने तल्ख तेवर हर किसी के जेहन में जिंदा हो गए। दरअसल, पहले दिल्ली, फिर पंजाब से कांग्रेस के पांव उखाड़ने के बाद एमसीडी, दिल्ली में भाजपा की जड़ें खोदने वाले अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पुराने सियासी अंदाज में आ चुके हैं, जिसके गहरे सियासी मायने हैं।

अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों के गहरे निहितार्थ को ऐसे समझिए

(कमलेश पांडे)

अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों से स्पष्ट है कि भाजपा को वह कहीं का भी नहीं छोड़ना चाहते हैं, ताकि वह उनके खिलाफ सियासी षड्यंत्र रचने के काबिल ही नहीं बचे। जैसे पहले उन्होंने कांग्रेस को कमजोर किया और जब खुद कमजोर हुए तो फिर उसी कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी सियासी लाज बचा ली।

आम चुनाव 2024 के नाम पर सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद तिहाड़ जेल से बाहर निकले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के हित चुनावी विसात बिछानी शुरू कर दी। इसी क्रम में उन्होंने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे उनके पुराने तल्ख तेवर हर किसी के जेहन में जिंदा हो गए। दरअसल, पहले दिल्ली, फिर पंजाब से कांग्रेस के पांव उखाड़ने के बाद एमसीडी, दिल्ली में भाजपा की जड़ें खोदने वाले अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पुराने सियासी अंदाज में आ चुके हैं, जिसके गहरे सियासी मायने हैं।

पहला, अगला पीएम कौन होगा, इस पर संशय खड़ा करके खुद भी रेस में बने रहने का मंसूबा पाले हुए हैं, क्योंकि इंडिया गठबंधन में इस बात पर फैसला 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही होगा। उनकी सोच है कि कांग्रेस यदि सम्मानजनक सीट नहीं जीत पाई तो गठबंधन साथियों की लॉटरी लग जाएगी और फिर किसका नाम पीएम पद के लिए उछलेगा, पहले बताना बेईमानी होगा।

इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह कहना कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी जीते तो अगले वर्ष वह रिटायर हो जाएंगे, फिर शाह को पीएम बनाएंगे, एक ऐसा रणनीतिक हमला है, जिसके बाद भाजपा के अंध भक्त भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। कारण कि एक तो अमित शाह अल्पसंख्यक जैन समुदाय से आते हैं, जिसका कोई जातीय जनाधार नहीं है, और दूसरे यह कि उनसे ज्यादा सीनियर और योग्य लोग पार्टी में भरे पड़े हैं। भले ही पीएम मोदी से निकटता के चलते उन्हें प्रोमोट किया गया, लेकिन उनका सियासी वर्चस्व समाप्त होते ही गृहमंत्री अमित शाह भी फिर सियासी हाशिये पर धकेल दिए जाएंगे।

कुछ यही समझकर तंज कसते हुए अरविंद केजरीवाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा 'इंडिया' से पूछती है कि आप का प्रधानमंत्री कौन होगा। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं, आपका प्रधानमंत्री कौन होगा? क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले वर्ष 17 दिसम्बर को 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि खुद मोदी ने भाजपा में 75 साल के बाद सेवानिवृत्ति का नियम बनाया है, जिसके तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी को रिटायर्ड किया गया। उस हिसाब से वह भी अगले साल रिटायर होंगे। उसके बाद अमित शाह को पीएम बनाएंगे।

दूसरा, एक देश, एक नेता के चुनाव के अपने खतरे हैं। इससे बचने के लिए ही केजरीवाल इस बात को पब्लिक डोमेन में डाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा वन नेशन वन लीडर मिशन पर काम कर रही है, जो दो स्तर पर चल रहा है। पहला, विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे। जैसे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जेल में डाला। वहीं, अबकी बार जीते तो बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जेल में भेजकर विपक्ष खत्म कर देंगे। दूसरा, भाजपा नेताओं की राजनीति खत्म करना उनका मुख्य मकसद है। इस बार भाजपा जीती तो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो माह में हटा देंगे। अगर भाजपा जीती तो वह विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में डाल देगी। इसलिए उससे सावधान रहने की जरूरत है।

तीसरा, देश में जारी तानाशाही के विरुद्ध अरविंद केजरीवाल एक मुखर आवाज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूँ, इसलिए मुझे अब देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। क्योंकि 'आप' एक छोटी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार है। 10 वर्ष पुरानी इस पार्टी को भाजपा ने खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक साथ हमारे चार बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। मगर 'आप' एक सोच है, जिसे जितना खत्म करने की कोशिश करेंगे, यह उतना ही बढ़ेगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि भाजपा को सिर्फ आप से खतरा है, इसलिए उसके नेता हमें कुचलना चाहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर काम करोगे तो कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्हें काम करने के बजाय काम करने वालों को खत्म करना है। आप के साथ उन्होंने जो किया वह जनतंत्र नहीं है। चतुर्थ, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी ततपर है। इसलिए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र में अगली सरकार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बनेगी और आम आदमी पार्टी केंद्र में सरकार का हिस्सा होगी। तब दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा कि मुझे पद का लालच नहीं है। एक बार मैंने 49 दिन में ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन अब मैंने इसलिए इस्तीफा नहीं दिया, क्योंकि भाजपा हमारी सरकार गिराना चाहती थी, इस कारण मैंने जेल में रहकर सरकार चलाई।

पांचवां, भय, भूख, भ्रष्टाचार मिटाने का वादा करने वाली भाजपा अब उसी का पर्याय बन चुकी है, जिससे लोगों में जनाक्रोश व्याप्त है। अरविंद केजरीवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि सारे भ्रष्टाचारी भाजपा में हैं, क्योंकि जिन पर आरोप लगाया जाता है, उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया जाता है। फिर ईडी और सीबीआई से उनके केस खत्म करा दिए जाते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मुझे लगता है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। क्योंकि भाजपा का लक्ष्य केवल विपक्षी नेताओं को जेल में डालना है। जब वो हमें हरा नहीं पाए तो हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा कि केजरीवाल को जेल भेजो, सरकार गिर जाएगी। मगर हम उनकी साजिश में नहीं फंसे और मैंने जेल में रहकर ही संघर्ष किया।

इस प्रकार अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों से स्पष्ट है कि भाजपा को वह कहीं का भी नहीं छोड़ना चाहते हैं, ताकि वह उनके खिलाफ सियासी षड्यंत्र रचने के काबिल ही नहीं बचे। जैसे पहले उन्होंने कांग्रेस को कमजोर किया और जब खुद कमजोर हुए तो फिर उसी कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी सियासी लाज बचा ली। इसी प्रकार वो अब भाजपा पर निशाना साध रहे हैं, जिसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक।

मनुष्य के कर्मों का हिसाब किताब रखने वाले भगवान चित्रगुप्त

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रत्येक वर्ष चौबीस एकादशियाँ होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है तब इनकी संख्या बढ़कर 26 हो जाती है। वैशाख शुक्ल सप्तमी के दिन ही यह त्यौहार भी मनाया जाता है। यह खासकर कायस्थ वर्ग में अधिक प्रचलित है। उनके ईष्ट देवता ही चित्रगुप्त जी हैं। जो भी प्राणी धरती पर जन्म लेता है उसकी मृत्यु निश्चित है क्योकि यही विधि का विधान है। विधि के इस विधान से स्वयं भगवान भी नहीं बच पाये और मृत्यु की गोद में उन्हें भी सोना पड़ा। चाहे भगवान राम हों, कृष्ण हों, बुध और जैन सभी को निश्चित समय पर पृथ्वी लोक आ त्याग करना पड़ता है। मृत्युपरान्त क्या होता है और जीवन से पहले क्या है यह एक ऐसा रहस्य है जिसे कोई नहीं सुलझा सकता। लेकिन जैसा कि हमारे वेदों एवं पुराणों में लिखा और ऋषि मुनियों ने कहा है उसके अनुसार इस मृत्युलोक के ऊपर एक दिव्य लोक है जहां न जीवन का हर्ष है और न मृत्यु का शोक वह लोक जीवन मृत्यु से परे है। इस दिव्य लोक में देवताओं का निवास है और फिर उनसे भी ऊपर विष्णु लोक, ब्रह्मलोक और शिवलोक है। जीवात्मा जब अपने प्राप्त शरीर के कर्मों के अनुसार विभिन्न लोकों को जाता है। जो जीवात्मा विष्णु लोक, ब्रह्मलोक और शिवलोक में स्थान पा जाता है उन्हें जीवन चक्र में आवागमन यानी जन्म मरण से मुक्ति मिल जाती है और वे ब्रह्म में विलीन हो जाता हैं अर्थात आत्मा परमात्मा से मिलकर परमलक्ष्य को प्राप्त कर लेता है। जो जीवात्मा कर्म बंधन में फंसकर पाप कर्म से दूषित हो जाता हैं उन्हें यमलोक जाना पड़ता है। मृत्यु काल में इन्हे आपने साथ ले जाने के लिए यमलोक से यमदूत आते हैं जिन्हें देखकर ये जीवात्मा कांप उठता है रोने लगता है परंतु दूत बड़ी निर्ममता से उन्हें बांध कर घसीटते हुए यमलोक ले जाते हैं। इन आत्माओं को यमदूत भयंकर कष्ट देते हैं और ले जाकर यमराज के समक्ष खड़ा कर देते हैं। इसी प्रकार की बहुत सी बातें गरूड़ पुराण में वर्णित है। यमराज के दरवार में उस जीवात्मा के कर्मों का लेखा जोखा होता है। कर्मों का लेखा जोखा रखने वाले भगवान हैं चित्रगुप्त। यही भगवान चित्रगुप्त जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त जीवों के सभी कर्मों को अपनी पुस्तक में लिखते रहते हैं और जब जीवात्मा मृत्यु के पश्चातयमराज के समझ पहुचता है तो उनके कर्मों को एक एक कर सुनाते हैं और उन्हें अपने कर्मों के अनुसार स्वर्ग नर्क में भेज देते हैं। भगवान चित्रगुप्त परमपिता ब्रह्मा जी के अंश से उत्पन्न हुए हैं और यमराज के सहयोगी हैं। इनकी कथा इस प्रकार है कि सृष्टि के निर्माण के उद्देश्य से जब भगवान विष्णु ने अपनी योग माया से सृष्टि की कल्पना की तो उनकी नाभि से एक कमल निकला जिस पर एक पुरूष आसीन था चुंकि इनकी उत्पत्ति ब्रह्माण्ड की रचना और सृष्टि के निर्माण के उद्देश्य से हुआ था अतः ये ब्रह्मा कहलाये।

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए

(सुरेश हिंदुस्तानी)

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की।

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं।

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया।

इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फ़जीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी नजर आती है।

कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं। इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए। (लेखक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार है)

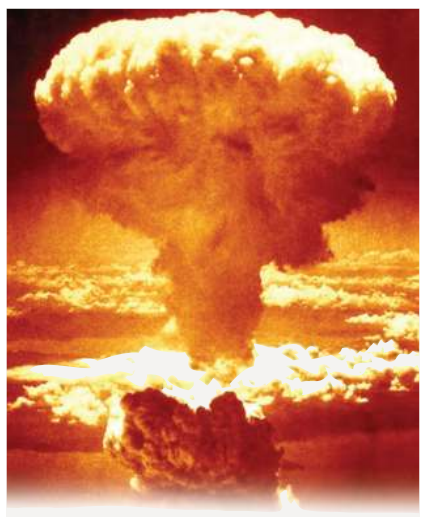

आखिर क्यों अमेरिका ने नागासाकी पर गिराया था परमाणु बम?

छह अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम गिराया गया। बताया गया कि परमाणु बम के धमाके के बाद हिरोशिमा में 13 वर्ग किलोमीटर के इलाके में तबाही मच गई। एक झटके में हजारों लोगों की मौत हो गई। इससे होने वाली नुकसान का जब तक पूरा अंदाजा लगाया जाता, उससे पहले ही जापान के एक दूसरे शहर नागासाकी पर भी अमेरिका ने परमाणु बम गिराया। नागासाकी पर नौ अगस्त, 1945 को परमाणु बम गिराया गया। हालांकि नागासाकी पर परमाणु हमला तय नहीं था। फिर ऐसा क्या हुआ जिसकी वजह से यह शहर निशाना बन गया?

आठ अगस्त, 1945 की रात बीत चुकी थी, अमेरिका के बमवर्षक बी-29 सुपरफोर्टेस बॉक्स पर एक बम लदा हुआ था। यह बम किसी भीमकाय तरबूज-सा था और वजन था 4050 किलो। बम का नाम विंस्टन चर्चिल के संदर्भ में फैट मैन रखा गया। इस दूसरे बम के निशाने पर था औद्योगिक नगर कोकुरा। यहां जापान की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा गोला-बारूद बनाने वाली फैक्ट्रियां थीं। सुबह नौ बजकर पचास मिनट पर नीचे कोकुरा नगर नजर आने लगा। इस समय बी-29 विमान 31,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। बम इसी ऊंचाई से गिराया जाना था, लेकिन नगर के ऊपर बादलों का डेरा था। बी-29 फिर से घूम कर कोकुरा पर आ गया। लेकिन जब शहर पर बम गिराने की बारी आई तो फिर से शहर पर धुंए का कब्जा था और नीचे से विमान-भेदी तोपें आग उगल रहीं थीं।

बी-29 का ईंधन खतरनाक तरीके से घटता जा रहा था। विमान में सिर्फ इतना ही ईंधन बचा था कि वापस पहुंच सकें। इस अभियान के ग्रुप कैप्टन लियोनार्ड चेशर ने बाद में बताया, हमने सुबह नौ बजे उड़ान शुरू की। जब हम मुख्य निशाने पर पहुंचे तो वहां पर बादल थे। तभी हमें इसे छोड़ने का संदेश मिला और हम दूसरे लक्ष्य की ओर बढ़े जो कि नागासाकी था। चालक दल ने बम गिराने वाले स्वचालित उपकरण को चालू कर दिया और कुछ ही क्षण बाद भीमकाय बम तेजी से धरती की ओर बढ़ने लगा। 52 सेकेंड तक गिरते रहने के बाद बम पृथ्वी तल से 500 फुट की उंचाई पर फट गया। घड़ी में समय था 11 बजकर 2 मिनट। आग का एक भीमकाय गोला मशरुम की शक्ल में उठा। गोले का आकार लगातार बढ़ने लगा और तेजी से सारे शहर को निगलने लगा। नागासाकी के समुद्र तट पर तैरती नौकाओं और बंदरगाह में खड़ी तमाम नौकाओं में आग लग गई। आस पास के दायरे में मौजूद कोई भी व्यक्ति यह जान ही नहीं पाया कि आखिर हुआ क्या है, क्योंकि वो इसका आभास होने से पहले ही मर चुके थे। शहर के बाहर कुछ ब्रितानी युद्धबंदी खदानों मे काम कर रहे थे, उनमें से एक ने बताया, पूरा शहर निर्जन हो चुका था, सन्नाटा। हर तरफ लोगों की लाशें ही लाशें थी। हमें पता चल चुका था कि कुछ तो असाधारण घटा है। लोगों के चेहरे, हाथ-पैर गल रहे थे, हमने इससे पहले परमाणु बम के बारे में कभी नहीं सुना था। नागासाकी शहर के पहाड़ों से घिरे होने के कारण केवल 6.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में ही तबाही फैल पाई। बाद के अनुमानों में बताया गया कि हिरोशिमा में एक लाख 40 हजार लोगों की मौत हुई थी, जबकि नागासाकी में हुए धमाके में करीब 74 हजार लोगों की मौत हुई।

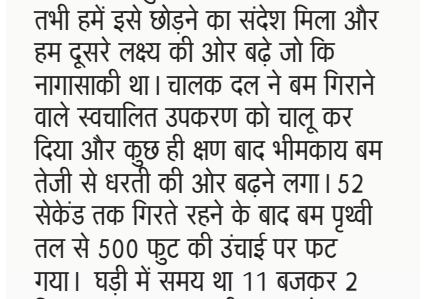

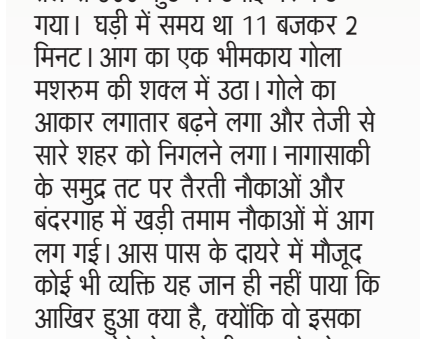

वैज्ञानिकों के लिए अनसुलझी पहेली बना हुआ है कैस्पियन सागर

कैस्पियन सागर विश्व का सबसे बड़ा सागर है। आज भले ही मानव चाँद की यात्रा कर चुका हो, लेकिन प्रकृति आज भी लोगों के लिए रहस्य और वैज्ञानिकों के लिए अनसुलझी पहेली बनी हुई है। दुनिया भर में मशहूर कई झीलें और सागर अपने विशालकाय आकार-प्रकार की वजह से किसी रहस्य से कम नहीं हैं। उन्हीं में एक है- कैस्पियन सागर। यह सागर अपने भीतर कई हैरतअंगेज दास्तान समेटे हुए है।

स्थिति तथा क्षेत्रफल

विश्व के सबसे बड़े इस सागर का वर्तमान क्षेत्रफल 1,43,000 वर्ग मील यानी 3,71,000 वर्ग किलोमीटर है। वैज्ञानिकों के अनुसार पर्यावरण असंतुलन के कहर से यह सागर भी अछूता नहीं रहा है और धीरे-धीरे सिकुड रहा है। वर्ष 1994-1950 के दशक में इसका क्षेत्रफल 1,69,000 यानी 4,38,000 वर्ग किलोमीटर था। ताजा आकड़ों के मुताबिक़, कैस्पियन सागर 750 मीटर यानी 1200 किलोमीटर लम्बा और 480 किलोमीटर चौड़ा है, जबकि 3000 फुट से ज़्यादा गहरा है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार किसी समय यह अराल सागर से जुड़ा हुआ था, जो एक खारा सागर है।

मुख्य नदियाँ

कैस्पियन सागर के पूर्व, उत्तर तथा पश्चिम में सोवियत संघ तथा दक्षिण में ईरान स्थित है। इसका पानी अन्य सागरों की अपेक्षा कम खारा है। कुछ भागों में इसकी गहराई बहुत अधिक और कुछ में बिल्कुल कम है। इसका तल अन्य सागरों की अपेक्षा नीचा है। प्राचीन काल में वंक्षु (आक्सस) नदी इसी में गिरती थी; अब इसमें बाल्गा, कूरा, यूराल आदि नदियाँ गिरती है। इसमें उपयोगी मछलियाँ पाई जाती है, अत- आस-पास मत्स्य उद्योग की प्रधानता है। नाविकों को यहाँ

सागर यात्रा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अस्त्राखान, बाकू तथा अस्त्राबाद इसके मुख्य पत्तन है। इस सागर में संपूर्ण वर्ष नौपरिवहन कठिन तथा भयावह रहता है। सोवियत संघ ने कैस्पियन सागर में युद्धपोतों का एक बेड़ा रखा है और अपना नौसेना केंद्र क्रैसनोवोटस्क में स्थापित किया है। नदियों तथा नहरों के माध्यम से इसका सीधा जल यातायात संबंध, काला सागर, बाल्टिक सागर तथा श्वेत सागर से कर दिया गया है।

तटवर्ती देश

सागर के आस-पास का क्षेत्र आमतौर पर पर्वतीय है। लेकिन अपवाद के तौर पर बाल्गा नदी के मुहाने पर एक डेल्टा भी है। कैस्पियन का सबसे नमकीन या खारा भाग कारा-बोगज-गोल है। यहाँ के संकरे चैनल के जरिए कैस्पियन के मुख्य भाग से जुड़ी हुई खाड़ी है, जिसमें हमेशा पानी की बहुत ही शक्तिशाली लहरें बनती हैं। कैस्पियन का आकर्षण और विशालकाय क्षेत्रफल सिकंदर महान् और मार्को पोलो को अपने निकट खींच लाया था। यह कई देशों को जोड़ता है तो कई देशों की अर्थव्यवस्था का मेरूदंड भी है। यह पूर्व सोवियत गणराज्यों रूस, कज़ाकिस्तान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान से घिरा है तो यूरोप से एशिया पूर्व तक फैला हुआ है। इसके दक्षिण में ईरान है। कैस्पियन सागर के किनारे कुल पचास द्वीप हैं, जिसके किनारे प्रमुख व्यापारिक मार्ग हैं। इसके किनारे बाकू सबसे बड़ा पोर्ट सिटी है, जो अजरबैजान की राजधानी है। कैस्पियन सागर का पानी हल्का खारा है। यह समुद्र तट की ऊंचाई से 28 मीटर नीचे है। इसकी सुंदरता की तुलना ग्रीक के देवता अपोलो से की जाती है।

कैस्पियन के दावेदार

कैस्पियन सागर आज कई देशों के बीच विवाद का विषय भी बना हुआ है। इस सागर पर दावेदारी करने वाले प्रमुख देश हैं-

- रूस
- तुर्कमेनिस्तान
- अज़रबैजान
- कजाकिस्तान
- ईरान

कैस्पियन सागर पर कुछ देशों के अधिकार क्षेत्र को लेकर खड़े हुए विवाद को लेकर मॉस्को में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ था। कैस्पियन सागर ज़मीन से घिरा दुनिया का सबसे बड़ा सागर है और दस वर्ष पहले तक ये ईरान और सोवियत संघ के बीच बँटा हुआ था, लेकिन अब इस सागर के जल, तेल के बेशकीमती भंडार और भारी मांग वाली स्टर्जन मछलियों पर पाँच देश दावा कर रहे हैं।

कैस्पियन सागर का निर्माण

कैस्पियन सागर के आसपास के देश पांच देश हैं - रूस, ईरान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और कजाकिस्तान। कैस्पियन सागर दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय है, जिसका सतह क्षेत्र लगभग 392,600 वर्ग किलोमीटर है। हालाँकि, इसे दुनिया की सबसे बड़ी झील या पूर्ण समुद्र के रूप में भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कैस्पियन सागर का निर्माण टेक्टोनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप हुआ है।

- कैस्पियन सागर 5.5 मिलियन वर्ष पहले (अंतिम मियोसीन युग के दौरान) प्राचीन पैराथेथिस सागर का हिस्सा था और टेक्टोनिक उत्थान और समुद्र के स्तर में गिरावट के परिणामस्वरूप भूमि से घिरा हुआ हो गया।
- इस प्रकार, कैस्पियन सागर का समुद्री तल महाद्वीपीय ग्रेनाइट के बजाय समुद्री बेसाल्ट से बना है।
- प्लियोसीन के दौरान, कैस्पियन सागर एक अपेक्षाकृत छोटी एंडोरहिक झील थी, लेकिन प्लियोसीन-प्लीस्टोसीन संक्रमण के समय इसका सतह क्षेत्र पांच गुना बढ़ गया।
- हालाँकि, समुद्र के स्तर और जलवायु में परिवर्तन के कारण समय के साथ कैस्पियन सागर का आकार और आकार काफी बदल गया है।
- चूँकि कैस्पियन सागर में कोई बहिर्प्रवाह नहीं है, इसलिए इसमें प्रवेश करने वाला कोई भी पानी या तो जमीन द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है या वाष्पित हो जाता है, जिससे पानी खारा हो जाता है।
- कैस्पियन सागर का पानी न तो पूरी तरह से मीठा है और न ही पूरी तरह से खारा है, जिससे यह खारा जल निकाय बन जाता है।
- ईरानी तट समुद्र के उत्तरी भाग की तुलना में अधिक खारा है।
- इसकी औसत लवणता महासागरों की औसत लवणता का एक-तिहाई है।

दुनिया की सबसे बड़ी वॉटर लिली विक्टोरिया एमाजोनिका

विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया।

इस फूल की पत्तियां पूरी 6 मीटर चौड़ी होती हैं। पहली रात को तो इसका फूल सफेद होता है लेकिन बाद में धीरे-धीरे इसका रंग गुलाबी हो जाता है। दरअसल यह एक बेहद सुंदर फूल है जो हर 14 साल में एक बार खिलता है। इसके नाम के पीछे भी बड़ी दिलचस्प कहानी है. क्वीन विक्टोरिया को इंप्रेस करने के लिए उनके मालियों में होड़ लगी रहती है। एक माली को जब इस अजीबोगरीब फूल का पता चला, तो उन्होंने इसे विक्टोरिया का नाम दे डाला।

तीन मीटर से अधिक व्यास की पत्ती वाला यह पौधा जहां एक नजर में अपनी ओर आकर्षित कर लेता है, वहीं इसकी पत्ती के वृहद होने का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि इस पर 30-30 किलो के चार बच्चे एक साथ बैठ सकते हैं। इसके पत्ते की गोलाई साढ़े तीन मीटर होती है। वैज्ञानिकों ने इसे गार्डन के अजूबा श्रेणी में रखा है। विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इसमें प्रोटीन के साथ आयरन, जिंक, मिनरल काफी मात्रा में पाया जाता है। देश में अभी तक यह कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में संरक्षित है।

पहली बार अमेजन नदी में देखा गया यह पौधा

इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया। अमेजन नदी जैव विविधता में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है। पानी में उगने वाले इस पौधे को मखाने का चचेरा भाई भी कहा जाता है। अप्रैल व मई के महीने में इसके बीज को उगने के लिए डाला जाता है। गर्मी खत्म होने के साथ बीज अंकुरित होने लगते है। इसका फूल खिलने का भी अंदाज बिलकुल अलग है। सर्दी के महीने में पहली रात में इसका फूल सफेद रंग का होता है। दूसरी रात में यह गुलाबी हो जाता है। तीसरी रात में यह पानी में वापस समा जाता है और यहीं पर उसका फल तैयार होता है। एक पौधे से पांच सौ से अधिक बीज तैयार होते हैं। ये बीज पानी में ही गिर जाते हैं और यहीं से उन्हें गोताखोरों के द्वारा निकाला जाता है।

1851 में इस पर पहली बार खिला था फूल

बॉटनिकल गार्डन के वैज्ञानिक बताते हैं कि यह एक विशेष प्रकार का पौधा है। इसकी पत्ती की अपनी विशेषता है। यह जहां आकार में बड़ी होती है वहीं इस पत्ती की डंडी भी साढ़े सात मीटर होती है। 1851 में पहली बार इस पर फूल खिला था। जिसे इंग्लैड की महारानी विक्योरिया को भेंट किया गया था। तभी से इसका नाम विक्टोरिया एमाजोनिका पड़ा। करीब सौ वर्ष पहले इसे भारत में कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में लाया गया था। इसकी पत्ती का व्यास अधिक होने के कारण इसकी खेती नहीं की जाती है, क्योंकि यह पानी में जगह अधिक घेरती है। इसके बीज को मखाने की तरह ही खाया जाता है।

कैस्पि लोगों के नाम पर मिला है कैस्पियन सागर का नाम

कैस्पियन सागर को इसका नाम कैस्पि लोगों के नाम पर मिला जो दक्षिण काकेशस में रहते थे। हालाँकि, फारसियों और यूनानियों द्वारा समुद्र को हिरकेनियन महासागर के रूप में जाना जाता था। यूपीएससी परीक्षा के लिए कैस्पियन सागर के बारे में कुछ प्रमुख तथ्य यहां दिए गए हैं;

- कैस्पियन बेसिन में तेल और गैस भी प्रचुर मात्रा में हैं।
- इस क्षेत्र में तेल की खोज सबसे पहले 1873 में शुरू हुई थी।
- कैस्पियन सागर पांच पड़ोसी देशों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग के रूप में कार्य करता है।
- बाकू (अज़रबैजान) कैस्पियन सागर पर सबसे बड़ा बंदरगाह और अबशेरोन प्रायद्वीप के दक्षिणी तट पर सबसे बड़ा राजधानी शहर है।
- नौशहर, ईरान, कैस्पियन के किनारे एक और महत्वपूर्ण शहर है।
- ऑर्गुजा एडा कैस्पियन सागर में सबसे बड़ा द्वीप है, साथ ही तुर्कमेनिस्तान में भी सबसे बड़ा द्वीप है।
- पश्चिमी कैस्पियन सागर तट पूर्वी की तुलना में अधिक विकसित है।
- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा 13 देशों (भारत सहित, और तुर्कमेनिस्तान को छोड़कर चार कैस्पियन देशों) को जोड़ने वाला एक मल्टी-मॉडल परिवहन गलियारा है, जिसे सदस्य राज्यों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 2000 में स्थापित किया गया था।
- आईएनएसटीसी हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर और फिर रूस के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग और उत्तरी यूरोप से जोड़ता है।
- कैस्पियन सागर की सीमा से लगे देश तेल और गैस जैसे खनिज संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह उनके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 10% और कुल निर्यात का 40% है।
- कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति कई वर्षों से पांच सीमावर्ती देशों के बीच बहस का विषय रही है।
- कैस्पियन सागर को कई वर्षों से समुद्र के बजाय झील के रूप में वर्गीकृत किया गया है, और इस प्रकार कोई अंतरराष्ट्रीय कानून लागू नहीं होता है (समुद्र संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानून द्वारा शासित होते हैं)।
- हालाँकि, 12 2018 को, पांच देशों ने कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति पर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए, जिसने समुद्र को एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के रूप में स्थापित किया और इसकी कानूनी स्थिति से संबंधित कुछ बकाया मुद्दों का समाधान किया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बुलावे पर इस सप्ताह चीन आ रहे व्लादिमीर पुतिन

बीजिंग , एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह चीन की दो दिवसीय राजकीय यात्रा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि पुतिन गुरुवार से शुरू होने वाली अपनी यात्रा के दौरान चीनी नेता शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। क्रेमलिन ने एक बयान में यात्रा की पुष्टि की और कहा कि पुतिन शी के निमंत्रण पर जा रहे हैं। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और कार्यालय में अपना पांचवां कार्यकाल शुरू करने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा होगी। उल्लेखनीय है कि महाद्वीप के आकार के दो सत्तावादी राज्य, जिनका लोकतंत्रों और नाटो के साथ विवाद बढ़ रहा है। वह अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका में प्रभाव हासिल करना चाहते हैं। चीन ने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए रूस के इस दावे का समर्थन किया है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी उकसावे के कारण 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था।

कजाकिस्तान के पूर्व मंत्री को पत्नी की हत्या के मामले में 24 साल की जेल

बर्लिन, एजेंसी। कजाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री को एक रेस्तरां में अपनी पत्नी की हत्या करने का दोषी मानते हुई 24 साल जेल की सजा सुनाई गई है। राजधानी अस्ताना में सोमवार को मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। पूर्व मंत्री ने कुछ साल पहले कुछ समय के लिए तेल-समृद्ध मध्य एशियाई देश के वित्तमंत्री के रूप में कार्य किया था। उन्हें पिछले साल नवंबर में अपनी पत्नी को बुरी तरह पीटने का दोषी पाया गया था। अस्ताना की अदालत ने उन्हें पत्नी को यातना देने और हत्या का दोषी पाया। इस मामले ने देश में घरेलू हिंसा पर व्यापक बहस छेड़ दी। जल्दबाजी में बनाए गए कानून ने दोषी को शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए दंड बढ़ा दिया। पीड़िताओं की मदद के लिए पूर्व सोवियत गणराज्य में सहायता केंद्र स्थापित किए जाने हैं। इसके विपरीत, रूस ने 2017 में हिंसक पुरुषों के सहयोगियों की सुरक्षा में कमी कर दी। पूर्व मंत्री को पहले भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया था।

मिस्र के विदेश मंत्री ने राफा में इजरायल के सैन्य अभियान के गंभीर परिणामों की चेतावनी दी

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को फोन पर गाजा पट्टी, विशेषकर दक्षिणी शहर राफा में इजरायली सैन्य अभियान के हालिया सुरक्षा और मानवीय प्रभावों पर चर्चा की। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह बात कही। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फोन पर बातचीत के दौरान शौकरी ने राफा ऑपरेशन के गंभीर परिणामों को रेखांकित किया, जिससे व्यापक इजरायली हमले के बीच राफा क्रॉसिंग बंद होने के बाद 14 लाख से अधिक फिलिस्तीनी प्रभावित हुए। उन्होंने गाजा पट्टी को सहायता वितरण फिर से शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया, जिसे पिछले कुछ दिनों में निलंबित कर दिया गया था। बयान में शौकरी के हवाले से कहा गया है कि गाजा में चल रहा इजरायली ऑपरेशन क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। दोनों राजनयिकों ने इजरायल और गाजा पट्टी के बीच क्रॉसिंग को फिर से खोलने और गाजा के निवासियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानवीय सहायता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हॉलीवुड अभिनेत्री ओलिविया

वाशिंगटन , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेत्री ओलिविया मुन ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल में उनकी पूरी हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, मुन ने बताया, मेरी ओफोरेक्टॉमी और हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी हुई है। मेरा गर्भाशय, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय निकाल दिया गया है। अभिनेत्री ने जिंदगी बदलने वाला अहम फैसला बताया।43 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला था।

महंगाई को लेकर पीओके में तनावपूर्ण स्थिति, ब्रिटेन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर लोगों का प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) क्षेत्र में बिजली के प्रावधान, गेहूं के आटे पर सब्सिडी समेत अन्य विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग कर रही है। पुलिस ने रातभर इलाके की छापेमारी की, इस दौरान कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई को लेकर प्रदर्शन जारी है। बिजली बिल, टैक्स और आटे की कीमतों में भारी वृद्धि के लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार चौथे दिन भी क्षेत्र में हड़ताल जारी रहा। इस बीच मुजफ्फराबाद में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तानी वाणिज्य

दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को झड़प में तीन लोगों की मौत, जबकि छह घायल हो गए।

जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) क्षेत्र में बिजली के प्रावधान, गेहूं के आटे पर सब्सिडी समेत अन्य विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग कर रही है। पुलिस ने रातभर इलाके की छापेमारी की, इस दौरान कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। मुजफ्फराबाद, दादियाल, मीरपुर और पीओके के अन्य हिस्सों में कानून प्रवर्तन और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए।

पीओके में जारी प्रदर्शन के बीच राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद आयूब मिर्जा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति पर बात करते हुए कहा, मौजूदा समय में मुज्जफराबाद की स्थिति बहुत गंभीर है। आज सुबह लगभग 500,000 लोग मुजफ्फराबाद और उपनगरों में बिजली बिल में टैक्स, सब्सिडी में कटौती के विरोध में और प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, विधान सभा के सदस्यों के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग को लेकर सकड़ों पर उतरे हैं। अचानक प्रदर्शनकारियों ने पलटवार किया और रेंजर्स पीछे हट गए। ऐसा लग रहा था कि रेंजर्स वापस चले गए, लेकिन थोड़ी देर बार वे बड़ी संख्या में पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं की कीमतों में प्रति माह लगभग 600-700 रुपये की कमी की गई है।

अमजब आयूब ने आगे कहा, मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा को बंद कर दी गई है। मुज्जफराबाद में सेना के जवान हेलीकॉप्टर से उतर रहे हैं। प्रत्येक हेलीकॉप्टर में 20-25 जवान हैं। हम एक निराशाजनक स्थिति में हैं। हम भारत सरकार से अनुरोध करते हैं।

पाक में बवाल के बाद जागी शहबाज सरकार, 23 अरब का फंड जारी; झड़प में तीन लोगों की मौत और 100 से ज्यादा जख्मी

इस्लामबाद , एजेंसी। महंगाई और बिजली की महंगी दरों से परेशान गुलाम कश्मीर की जनता पिछले कुछ दिनों से सड़कों पर हैं। विरोध प्रदर्शन के बीच कई जगहों पर सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई।

सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी भी की, जिसकी वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, छह लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मुक्त बिजली और गेहूं के आटे पर सब्सिडी दी जाए।

बता दें कि ना सिर्फ गुलाम कश्मीर बल्कि इस विरोध प्रदर्शन की आवाज लंदन में भी उठ रहे हैं। कई लोगों ने लंदन में भी पीओके के हालात पर चिंता जाहिर की। पीओके में हो रही हिंसा की चर्चा दुनियाभर में हो रही है, जिसकी वजह से शहबाज सरकार को काफी फजीहत का भी सामना करना पड़ा रहा है।

इसी बीच शहबाज शरीफ सरकार ने पीओके के हालात को बेहतर बनाने के लिए 23 अबर रुपये का बजट मंजूर कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि अप्रत्याशित विरोध और पीओके में शांति स्थापित करने के लिए पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार को एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की। पीओके की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए 23 अरब रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। वहीं, शहबाज शरीफ ने पीओके में बिजली दरों की कटौती में मंजूरी दे दी है।

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्र के विलय पर भारत के रुख को दोहराया और कहा कि एक दिन हम पीओके पर अवैध कब्जा खत्म कर देंगे और पीओके भारत में शामिल हो जाएगा।

व्हाइट हाउस के कार्यक्रमों में खान-पान में शामिल हुई पानीपुरी, समोसे के बाद मेहमानों की पसंद बनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में स्ट्रीट फूड की बात करें तो गोलगप्पा को बहुत पसंद किया जाता है। इसे पानीपुरी और पुचका के नाम से भी जाना जाता है। मौजूदा समय में इसे केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी काफी पसंद किया जाता है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में भी गोलगप्पे की एंट्री हो चुकी है। यहां मेहमानों को गोलगप्पे परोसे जा रहे हैं।

व्हाइट हाउस में परोसा गया गोलगप्पा

पिछले साल इसे कम से कम दो बार परोसा गया है। हाल ही में सोमवार को राष्ट्रपति जो बाइडन ने रोज गार्डेन रिसेप्शन की मेजबानी की। इस दौरान भी गोलगप्पा परोसा गया। इस कार्यक्रम में एशियाई-अमेरिकी और कई भारतीय-अमेरिकी शामिल थे। व्हाइट हाउस में अबतक केवल समोसे ही परोसे जाते थे, लेकिन अब यहां गोलगप्पे की भी एंट्री हो चुकी है।

कम्युनिटी नेता अजय जैन भूतोरिया ने कहा, पिछले साल जब मैं यहां था, तब यहां पानीपुरी परोसा गया था। इस साल भी मैं यहां पानीपुरी ढूंढ रहा था, तभी अचानक एक सर्वर पानीपुरी लेकर आया। यह बहुत अद्भुत था। इसका स्वाट बहुत चटपटा और मसालेदार था। शानदार!

अमेरिका में पसंद किया जा रहा है गोलगप्पा

भूतोरिया ने व्हाइट हाउस की कार्यकारी शेफ क्रिस्टेटा कॉमरफोर्ड से मुलाकात की और उनसे गोलगप्पे के बारे में पूछा। उन्होंने बताया, मैंने उनसे पूछा कि क्या आप अपने घर में गोलगप्पा बनाती हैं उन्होंने कहा हां, हम व्हाइट हाउस में सबकुछ बनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका में गोलगप्पा को बहुत पसंद किया जा रहा है। भूतोरिया ने आगे कहा, अमेरिकी नेता कई बार भारत यात्रा कर चुके हैं। मुझे यकीन है कि भारत के नेता अपने समकक्ष को सभी स्ट्रीट फूड में से गोलगप्पा चखने के लिए जरूर कहते होंगे। गोलगप्पा को चखने के बाद ही इसे व्हाइट हाउस में लाया गया है। उन्होंने बताया कि अब इसे यहां कई स्थानों में भी देखा जा सकता है।

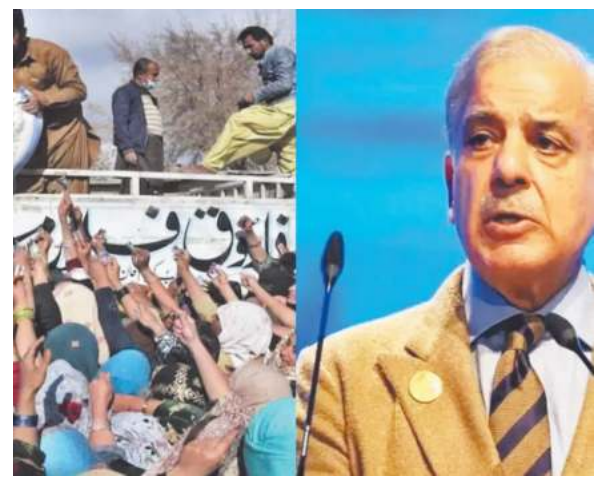

ब्रिटेन के राजा चार्ल्स ने प्रिंस विलियम को सैन्य अधिकारी की भूमिका सौंपी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स ने अपने हैम्पशायर हवाई क्षेत्र की यात्रा के दौरान प्रिंस विलियम को आधिकारिक तौर पर आर्मी एयर कोर के कर्नल-इन-चीफ की भूमिका सौंपी। चार्ल्स 32 साल पहले आर्मी एयर कोर के कर्नल-इन-चीफ बने थे। उन्होंने अपनी यह भूमिका सोमवार दोपहर को मिडिल वॉलॉप बेस पर आयोजित एक दुर्लभ संयुक्त आधिकारिक कार्यक्रम में अपने बड़े बेटे विलियम को सौंप दी। आर्मी एयर कॉर्प्स ड्यूक ऑफ ससेक्स की पुरानी इकाई है, जिसमें उन्होंने 2012 में अफगानिस्तान के अपने दूसरे दौरे के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टर कमांडर और सह-पायलट गनर के रूप में कार्य किया था। पिछले साल विलियम को सैन्य

भूमिका सौंपने के राजा के फैसले को हैरी के लिए एक झटके के रूप में देखा गया था। राजा ने कहा कि आर्मी फ्लाइंग म्यूजियम में सैनिकों, उनके परिवारों और दिग्गजों से मिलना बहुत खुशी का मौका था। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि वेल्स के राजकुमार को अपना नया कर्नल-इन-चीफ बनाकर आप भविष्य में और अधिक सशक्त होंगे। बड़ी बात यह है कि वह वास्तव में एक बहुत अच्छा पायलट है - इसलिए यह उत्साहजनक है। उन्होंने प्रदर्शित होने जा रहे विमान अपाचे एएच एमके.1 की स्मृति में एक पट्टिका का अनावरण किया, जो ब्रिटेन के किसी संग्रहालय में स्थापित होने वाली अपनी तरह की पहली पट्टिका है। यह विमान 2007 में जुगरूम किले की लड़ाई के दौरान बचाव अभियान में शामिल चार में से एक था। राजा ने कहा कि मुझे बस इतना कहना है कि इस अवसर पर आपके साथ थोड़ी देर के लिए रहना कितना बड़ा आनंददायक है। मुझे 32 वर्षों तक आप सभी को जानने, आपकी गतिविधियों और उपलब्धियों की प्रशंसा करने का सौभाग्य मिला।

राफा में इजरायली हमले में संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी की मौत, एक घायल

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा के राफा शहर में इजरायली सेना की गोलीबारी में संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मचारी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मीडिया कार्यालय ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी संयुक्त राष्ट्र के एक वाहन में यात्रा कर रहे थे, तभी उन पर हमला किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने कर्मचारी की मौत की पुष्टि की है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को एक बयान में कहा, उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा और सुरक्षा विभाग (डीएसएस) के एक कर्मचारी की मौत और एक अन्य डीएसएस कर्मचारी के घायल होने की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। जब वे राफा में यूरोपीय अस्पताल जा रहे थे तब उनके संयुक्त राष्ट्र वाहन पर हमला किया गया। उन्होंने मारे

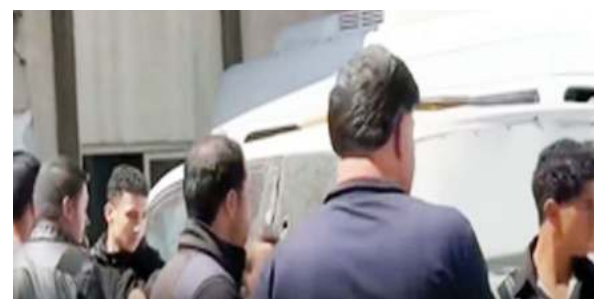

गए संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर सभी हमलों की निंदा की और पूरी जांच का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में एक हमले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा एवं संरक्षा विभाग (डीएसएस) के एक कर्मचारी की मौत और एक अन्य डीएसएस कर्मचारी के घायल होने पर दुख जताया। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि घटना सोमवार सुबह की है। उनके वाहन पर उस समय हमला हुआ।

अगर युद्ध नहीं रुका तो... भारत ने इजरायल और हमास की ली क्लास

वॉशिंगटन , एजेंसी। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल हमास के बीच जंग की शुरुआत हुई थी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 70,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

वहीं 10,000 हमास लड़ाके मारे गए हैं। इस युद्ध ने हजारों बेगुनाहों की जिंदगी छीन ली। दोनों तरफ युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत भी लगातार इस युद्ध को लेकर चिंता जता रहा है। युद्ध की वजह से मानवीय संकट पैदा हो चुका है, जिसे लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में चिंता जताई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10वें यूएनजीए आपातकालीन विशेष सत्र को संबोधित करते हुए युद्ध पर भारत की राय रखी। युद्ध की वजह से बड़े पैमाने पर महिलाओं और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है। हर देश को सभी परिस्थितियों में

अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए।

कंबोज ने आगे कहा कि युद्ध और भी भयानक रूप ले सकता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 2728 को स्वीकार करना एक सकारात्मक पहल हो सकती है। रुचिरा कंबोज ने आगे कहा कि भारत की मांग है कि सभी बंधकों की बिना किसी शर्त के रिहाई दी जाए। इस युद्ध में आम लोगों की जिंदगी बर्बाद हो रही है। गाजा में मानवीय स्थिति गंभीर है। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता तुरंत बढ़ानी चाहिए।

गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ने ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त भुगतान करने के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की सोमवार को गुप्त धन भुगतान मामले में गवाही हुई और इस गवाही में कोहेन ने माना कि ट्रंप ने उन्हें स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हालांकि ट्रंप इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं।

एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से पैसों का भुगतान करने का है आरोप

डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त रूप से धन का भुगतान किया था। ट्रंप की तरफ से यह भुगतान स्टॉर्मी डेनियल्स से कथित तौर पर अपने निजी संबंधों को छिपाने और एडल्ट स्टार को चुप रहने के बदले दिया गया था। इस भुगतान के

लिए ट्रंप पर अपने बिजनेस रिकॉर्ड में भी धांधली करने के आरोप हैं। अभियोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर माइकल कोहेन ने ही स्टॉर्मी डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर का भुगतान किया था। कोहेन ने अपनी गवाही में कहा कि उसे जो कहा गया, उन्होंने वही किया।

कोहेन ने अपनी गवाही में ज्यूरी को बताया कि ट्रंप, डेनियल्स को लेकर काफी नाराज थे। उन्होंने (ट्रंप) मुझे बताया कि इससे चुनाव प्रचार में भारी गड़बड़ी हो जाएगी और महिलाएं मुझसे नफरत करेंगी। कोहेन ने ये भी बताया कि ट्रंप चाहते थे कि स्टॉर्मी डेनियल्स के वकील को पैसों का भुगतान चुनाव के बाद किया जाए, लेकिन जब अक्तूबर 2016 में स्टॉर्मी डेनियल्स की स्टोरी सार्वजनिक होने वाली थी, तो ट्रंप ने उन्हें पैसों को भुगतान को कहा। कोहेन का कहना है कि डेनियल्स को पैसों का भुगतान उसने अपनी तरफ से किया था और ट्रंप ने उन्हें बाद में पैसे देने की बात कही थी।

सुनवाई के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके वकील ने कोहेन के आरोपों को नकारा और कहा कि कोहेन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है क्योंकि वह पहले भी झूठे बयान दे चुके हैं। कोहेन को यूएस कांग्रेस को झूठ बताने के मामले में दोषी पाया जा चुका है और उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।

भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी में सुनक सरकार, वीजा रूट पर बनाई नई योजना

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन सरकार भारतीय छात्रों को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही है। माडिया रिपोर्ट के अनुसार ऋषि सुनक सरकार की माइग्रेशन एडवाइजरी कमिटी ने ग्रेजुएट वीजा रूट को लेकर ऐसी रिपोर्ट बनाई है जो ब्रिटेन में बसे 25 लाख भारतीय वोटरों को नाराज कर सकती है। ग्रेजुएट वीजा रूट बंद करने को लेकर तैयार की गई यह रिपोर्ट आज सुनक कैबिनेट में पेश की जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार अगर इस योजना के प्रावधान लागू होते हैं तो हर साल करीब 91 हजार भारतीय छात्रों को ग्रेजुएशन रूट से वीजा एंट्री नहीं मिल पाएगी। अभी हर साल करीब 1 लाख 30 हजार भारतीय छात्रों को इसके जरिए एंट्री मिलती है। कटौती के बाद केवल 39 हजार छात्रों को ही एंट्री मिल पाएगी। बता दें कि 2021 में शुरू हुए ग्रेजुएशन वीजा रूट से भारतीय और अन्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों को मास्टर्स पढ़ाई पूरे होने के दो साल तक ब्रिटेन में रहने और जॉब करने की अनुमति मिलती है। ब्रिटेन के गृहमंत्री जेम्स क्लैवरली का कहना है कि देखने में आया है कि इस वीजा का इस्तेमाल छात्र इमिग्रेशन पाने के लिए करते हैं।तीन साल पहले 6 लाख छात्रों को यहां एंट्री मिली थी।

यही नहीं सरकार की इस प्लानिंग से चुनावी साल में भारी असर पड़ेगा। विपक्ष की लेबर पार्टी के अध्यक्ष कीथ स्ट्रेमर का कहना है कि सरकार के इस फैसले से ब्रिटेन में रहने वाले 25 लाख भारतीय वोटर नाराज हो जाएगे। छात्रों को ग्रेजुएशन वीजा मिलने से उनका इमिग्रेशन का दावा मजबूत होता है, क्योंकि पढ़ाई के दो साल तक स्टे की छूट मिलने से इन छात्रों को स्किल्ड वर्कर की कैटिगरी मिल जाती है। भारतीय छात्रों में से लगभग 80 प्रतिशत यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग अथवा लॉ की पढ़ाई के लिए आते हैंऔर पढ़ाई के बाद इन्हें एक्सटेंडेड स्टे के

दौरान स्किल्ड वर्कर की सैलरी मिलती है। पूर्व शिक्षा मंत्री निक्की मोर्गन ने सुनक सरकार की इस प्लानिंग पर कहा कि इसके लागू होने से हर साल फीस के 2 लाख करोड़ रुपए मिलने बंद होंगे और इसका असर देश की इकोनॉमी पर पड़ेगा। सेंट एंड्रूज यूनिवर्सिटी की चांसलर सैली मैपस्टोन का कहना है कि भारतीय छात्र मेडिकल इंजीनियरिंग की जॉब में अपना योगदान देते हैं। 2021 में ब्रिटेन जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 87045 थी, जो 2022 में बढ़कर 139700 हो गई।

पाबंदियां लगा देंगे..., भारत और ईरान के बीच चाबहार समझौते पर तिलमिलाया अमेरिका

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से अमेरिका आग-बबूला हो उठा है। यूएस ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापार समझौता करने वाले हैं देशों पर सैंक्शन (प्रतिबंध) लगाए जा सकते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत-ईरान डील को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई भी देश जो ईरान के साथ व्यापार सौदे को अंजाम दे रहा है, उन्हें संभावित सेंक्शन (प्रतिबंध) के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने यह भी कहा कि भारत सरकार को विदेश नीति पर अपनी बात रखने का पूरा हक है। वेदांत पटेल ने आगे कहा कि भारत और ईरान के बीच हुए चाबहार बंदरगाह को लेकर समझौते से अमेरिका अवगत है, हालांकि, भारत को अपनी विदेश नीति के फैसलों पर अपनी बात रखने का पूरा हक है। उन्होंने आगे कहा, ÷मैं बस यही कहूंगा कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू रहेंगे और हम उन्हें लागू करना जारी रखेंगे।÷

संक्षिप्त समाचार

बिरला ओपस के साथ पेंट्स के नए युग में प्रवेश करें!

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिरला ग्रुप ने फरवरी 2024 में 'बिरला ओपस' के लॉन्च के साथ पेंट उद्योग में प्रवेश किया था। बिरला ओपस की शुरुआत के साथ आदित्य बिरला ग्रुप तेजी से बढ़ते हुए 80,000 करोड़ रुपये के भारतीय डेकोरेटिव पेंट उद्योग में प्रवेश कर गया, जिसके लिए कंपनी ने 10,000 करोड़ रुपये का बड़ा अग्रिम निवेश किया। 15 मई, 2024 से कंपनी के मजबूत डीलर नेटवर्क द्वारा 'बिरला ओपस' के सभी उत्पाद पूरे देश में उपलब्ध होंगे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित अपनी पिछली एक्स्पो और डीलर मीट्स को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद बिरला ओपस अब बाजार में उतरने के लिए उत्साहित है और हम विभिन्न स्थानों पर तेजी से अपना विस्तार कर रहे हैं। बिरला ओपस सभी सेगमेंट्स में विस्तृत पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें इंटीरियर, एक्सटीरियर, वाटरप्रूफिंग, इनैमल पेंट्स, वूड फिनिश, और वॉलपेपर्स सहित सभी श्रेणियों में बेहतर उत्पाद शामिल हैं। बिरला की विरासत और ओपस की क्रिएटिविटी के साथ बिरला ओपस का उद्देश्य पेंट उद्योग में इनोवेशन लाना है। बिरला ओपस के सीईओ, रक्षित हर्गवे ने कहा, ''बिरला ओपस आदित्य बिरला ग्रुप के लिए एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य पेंट्स उद्योग में एक नया युग शुरू करना है। हम विभिन्न शहरों में वितरण और अपने नेटवर्क को मजबूत बनाकर इसकी उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं। एक्स्पो में हमें अपनी डीलर मीट्स, पेंटर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स, आर्किटेक्ट्स, और इंटीरियर डिज़ाईनर्स से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमने विशाल स्तर पर कॉन्ट्रैक्टर्स को सैंपल प्रदान किए, और वो सभी बिरला ओपस पेंट्स का उपयोग कर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए उत्साहित हैं।''

आईआईटी मद्रास बीएस इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने अपने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रोग्राम में बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) के तीसरे बैच के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रोग्राम चार वर्ष का है जिसमें एक्जिट के कई विकल्प दिए गए हैं। छात्र फाउंडेशन स्तर का सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या फिर बीएस डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम में वर्तमान में 1,000 से अधिक छात्र शामिल हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में कौशल प्रदान कर उद्योग के लिए तैयार करता है। यह प्रोग्राम भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कौशल प्राप्त ग्रैजुएट्स का एक विशाल समूह तैयार करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर अग्रसर है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के अनुरूप कार्यरत यह प्रोग्राम भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाएगा। प्रोग्राम की शुरुआत मार्च 2023 में की गई थी। इसमें शिक्षा को सर्वसुलभ, सस्ता बनाने और सभी के समावेश पर जोर दिया गया था। मई 2024 टर्म के लिए उम्मीदवार 26 मई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।

हल्दीराम पर ब्लैकस्टोन सहित दिग्गज कंपनियों की नजर, हजारों करोड़ रुपये की होगी डील!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे चर्चित कंपनियों में से एक हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में मालिकाना हक खरीदने के लिए दुनिया की दिग्गज कंपनियों की निगाह है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी फंड ब्लैकस्टोन अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी सिंगापुर ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए पिछले हफ्ते कंपनी को प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड की वैल्यूएशन 8 बिलियन से 8.5 बिलियन डॉलर (66,400 करोड़ रुपये से 70,500 करोड़ रुपये) तक आंकी गई है। बता दें, यहां हल्दीराम के दिल्ली और नागपुर बिजनेस में हिस्सेदारी खरीदने की बात हो रही है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगियों के अलावा बेन कैपिटल की निगाह भी हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड पर है। बेन कैपिटल ने हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड से कई बार को लेकर बात भी की है। लेकिन अभी तक बात नहीं बन पाई।

रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगी मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। लेकिन ब्लैकस्टोन के सहयोगी अबुधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी की हिस्सेदारी बहुत अधिक नहीं रहेगा। बता दें, अगर यह डील सफल रही तो ब्लैकस्टोन की भारत में यह सबसे हिस्सेदारी की खरीद होगी।

87 साल पुरानी स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीद के मामले में अभी तक कुछ आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। वहीं, स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड ने भी पूरे मामले में बयान जारी नहीं किया है। इस पूरी डील की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि हल्दीराम के नागपुर और दिल्ली बिजनेस का सफलता पूर्वक मर्जर हो जाए। इस मर्जर को सीसीआई ने अप्रैल में अप्रूव कर दिया था। बता दें, ब्लैकस्टोन इस डील को लेकर कितना उत्साहित इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि फंड कंपनी ने कनाडा और एशिया के अपने सहयोगियों से भी इसपर बात की है।

कैसे होगा मर्जर के बाद की स्थिति

हल्दीराम परिवार मौजूदा समय में 3 हिस्सों में बंटा हुआ है। मौजूदा समय में नागपुर बिजनेस (हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड) और दिल्ली बिजनेस (हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड) के मर्जर की बात हो रही है। दोनों कंपनियों के विलय के हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक नई कंपनी अस्तित्व में आएगी। इस विलय के बाद दिल्ली के मनोहर अग्रवाल और मधु सुदन अग्रवाल की कंपनी में हिस्सेदारी 55 प्रतिशत होगी। जबकि नागपुर के कमलकिशन अग्रवाल की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत होगी। बता दें, इस मर्जर से हल्दीराम के पूर्वोत्तर में बिजनेस दे रही कंपनी दूर है।

हुंदै ने नेपाल में वेन्यू का उत्पादन शुरू करने के लिए लक्ष्मी समूह के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने लक्ष्मी समूह के सहयोग से नेपाल में अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू को स्थानीय स्तर 'असेंबल करना शुरू कर दिया है। 'असेंबल से तात्पर्य वाहन के निर्मित कलपुर्जों को जोड़ने से है। यह संयंत्र नेपाल में पहली मोटर वाहन 'असेंबली सुविधा है। इसकी वार्षिक स्थापित क्षमता 5,000 इकाई है।

हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनसू किम ने बयान में कहा, ''हुंदै वेन्यू संयंत्र में स्थानीय स्तर पर 'असेंबल किया गया पहला मॉडल होगा। मैं इस उपलब्धि के लिए नेपाल के लोगों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और नेपाल सरकार के सुविधा स्थापित करने में समर्थन की कंपनी आभारी है। किम ने कहा, ''स्थानीय स्तर पर वाहन 'असेंबल करने के अनुकूल परिवेश विकसित करने के लिए हम नेपाल सरकार से और अधिक उत्साहजनक नीतियों व प्रोत्साहनों की उम्मीद करते हैं... हुंदै ने 'असेंबल संयंत्र के लिए नेपाल स्थित लक्ष्मी समूह के साथ साझेदारी की है। वाहन विनिर्माता के अनुसार, लक्ष्मी समूह एचएमसी कोरिया और हुंदै मोटर इंडिया के उत्पादों तथा प्रौद्योगिकी पर निरंतर सहयोग व समर्थन के साथ नेपाल में कार का विनिर्माण व बिक्री करेगी।

87000 रुपए के पेमेंट पर मिला 1 रुपए का कैशबैक, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में यूपीआई और डिजिटल ट्रांजेक्शन एप ने लोगों के पेमेंट के तौर तरीकों में बड़ा बदलाव किया है। एक के बाद एक कई एप डिजिटल पेमेंट सेक्टर में उतरे। इन सभी ने शुरुआत में ग्राहकों को लुभाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कैशबैक और ऑफर्स की झड़ी लगा दी थी। कुछ ऐसा ही हुआ क्रेड एप का इस्तेमाल करने वाले एक यूजर के साथ। उन्होंने 87000 रुपए का क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें कंपनी से सिर्फ 1 रुपए का कैशबैक मिला है। उन्होंने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके बाद कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रया देते हुए ऐसे ऑफर्स का बना मजाक बना दिया। बेंगलुरु स्थित क्रेड को क्रेडिट कार्ड पेमेंट का सबसे बड़ा थर्ड पार्टी एप माना जाता है। कंपनी के देशभर में 1.5 करोड़ एक्टिव कस्टमर हैं। इसके अलावा यह देश का चौथा सबसे बड़ा यूपीआई एप भी है। एक आईटी कंपनी में मैनेजर गुरजोत अहलूवालिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने 87000 रुपए का पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें 1 रुपए का महा कैशबैक मिला है। उन्होंने लिखा कि इससे अच्छा तो मैं बैंक के पोर्टल से ही पेमेंट कर देता। अब समय आ गया है कि हम अपना डेटा क्रेड जैसी कंपनियों को न दें। हमें सीधा बैंक को ही भुगतान कर देना चाहिए। इस पोस्ट पर कई यूजर अपनी-अपनी कहानियां लेकर आ गए। एक यूजर ने लिखा कि मैंने 1.5 साल पहले ही ऐसा कर लिया था। ऑफर्स सिर्फ शुरू में ही मिलते हैं। इसके बाद ऐसे एप अपना पैसा बचाना शुरू कर देते हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि मैंने एक फिनटेक कंपनी में काम करने वाले अपने दोस्त से पूछा कि आखिर क्यों लोग क्रेड जैसे एप का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि क्रेड आपको बिल पेमेंट करना याद दिलाता है।

जैसे-जैसे चुनावी चरण समाप्त होंगे, बाजार का उतार-चढ़ाव कम होगा, विदेश मंत्री ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भरोसा जताया कि चुनाव नतीजों के बाद बाजार स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह स्पष्ट है कि चुनाव कहां जा रहे हैं, लोग सटीक चुनाव संख्याओं पर बहस कर सकते हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बाजार के बाद दौर कम और कम अस्थिर होगा। विदेशी मंत्री एस जयशंकर एनएसई के एक सेमिनार इंडियाएन कैपिटल मार्केट्स- विकसित भारत के लिए रोड मैप में बोल रहे थे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार के निवेशकों के बीच मौजूदा अनिश्चितता भारत में चल रहे संसदीय चुनावों के कारण है। पिछले सप्ताह से बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जयशंकर ने चुनाव परिणामों के बाद निवेश को और मजबूत करने की बात कहकर निजी निवेश के लिए विश्वास दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे निश्चित रूप से अधिक विदेशी निवेश आने की संभावना दिख रही है, लेकिन अभी निवेशक चार जून के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं।

बुलेट ट्रेन की स्पीड से भाग रहा रेलवे का शेयर, खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ की लिस्टिंग हो गई है। कंपनी बीएसई एसएमई में 3.25 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 127 रुपये पर लिस्ट हुआ है। जबकि कुछ ही देर के बाद कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। बता दें, आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये प्रति शेयर तय हुआ था।

आज सुबह कंपनी के शेयर 127 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लेकिन कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के साथ 133.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिस वजह से योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 8.41 प्रतिशत का लाभ मिला है। बता दें, लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 48.49 करोड़ रुपये हो गया था।

1 शेयर पर 1000 प्रतिशत का डिविडेंड दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 7 मई 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, आईपीओ 9 मई तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से निवेशकों को हर दिन 1,23,000 रुपये का दांव लगाना पड़ा। फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ के आईपीओ का साइज 13.53 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 11 लाख फ्रेश शेयर जारी किया है। कंपनी के प्रमोटर्स अनीश माथुर और अर्जुन सिंह राजपूत हैं। दोनों प्रमोटर्स के पास आईपीओ से पहले 71.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि आईपीओ के बाद अब यह घटकर 49.98 प्रतिशत रह गया है। आईपीओ को पहले दिन 1.94 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। जबकि दूसरे दिन आईपीओ को 6.91 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। वहीं, आखिरी दिन 37.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। आईपीओ ओपनिंग के आखिरी दिन रिटेल सेक्शन में सबसे अधिक 38.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

आईपीओ की दमदार लिस्टिंग, निवेशक गदगद

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ की लिस्टिंग हो गई है। कंपनी बीएसई एसएमई में 3.25 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 127 रुपये पर लिस्ट हुआ है। जबकि कुछ ही देर के बाद कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। बता दें, आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये प्रति शेयर तय हुआ था। आज सुबह कंपनी के शेयर 127 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लेकिन कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के साथ 133.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिस वजह से योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 8.41 प्रतिशत का लाभ मिला है। बता दें, लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 48.49 करोड़ रुपये हो गया था।

कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 7 मई 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, आईपीओ 9 मई तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से निवेशकों को हर दिन 1,23,000 रुपये का दांव लगाना पड़ा। फाइनलिस्टिंग्स टेक्नोलॉजीज़ के आईपीओ का साइज 13.53 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 11 लाख फ्रेश शेयर जारी किया है।

कंपनी के प्रमोटर्स अनीश माथुर और अर्जुन सिंह राजपूत हैं। दोनों प्रमोटर्स के पास आईपीओ से पहले 71.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि आईपीओ के बाद अब यह घटकर 49.98 प्रतिशत रह गया है।

आईपीओ को पहले दिन 1.94 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। जबकि दूसरे दिन आईपीओ को 6.91 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। वहीं, आखिरी दिन 37.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। आईपीओ ओपनिंग के आखिरी दिन रिटेल सेक्शन में सबसे अधिक 38.96 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

म्यूचुअल फंड एसेट में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी बढ़कर 40,324 करोड़, इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कुल म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों (एसेट) में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी चार साल में दोगुनी से अधिक होकर मार्च, 2024 में 40,324 करोड़ रुपये पहुंच गई। इक्रा एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है, यह आंकड़ा छोटे शहरों व कस्बों के निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड में निवेश करने की बढ़ती चाहत का संकेत मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के तहत कुल औसत संपत्तियों (एएयूएम) में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड व त्रिपुरा की संयुक्त हिस्सेदारी मार्च, 2020 में 0.67 फीसदी थी। यह मार्च, 2024 में बढ़कर 0.73 फीसदी हो गई। इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं हैं। मार्च, 2020 में इन राज्यों का संपत्ति आधार 16,446 करोड़ रुपये था, जो इस साल मार्च में बढ़कर 40,324 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू टाटा ऐस ईवी 1000 को लॉन्च किया

अपने इलेक्ट्रिक उत्पादों की श्रृंखला को बेहतर बनाया

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक से चलने वाले वाहनों में ज्यादा वजन ढोने की क्षमता के साथ इनकी रेंज भी बढ़ाई है। ई-कार्गो वाहन ज्यादा स्मार्ट और पर्यावरण के अनुकूल बन गए हैं

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स, भारत में कॉमर्शियल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, ने आज ऑल-न्यू ऐस ईवी 1000 को लॉन्च कर अपने ई-कार्गो मोबिलिटी सोल्यूशंस को मजबूत किया है। उपभोक्ताओं को उनके घर या ऑफिस तक डिलीवरी देने में क्रांति लाने के मकसद से विकसित, इस शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले मिनी ट्रक में एक टन तक सामान को लोड करने की क्षमता दी गई है। एक बार चार्ज करने पर यह मिनी ट्रक 161 किमी की रेंज प्रदान करता है, जिसे प्रमाणित किया जा चुका है। ऐस ईवी को उपभोक्ताओं के फीडबैक और जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है। यह नया वैरिएंट एफएमसीजी, बेवरेजेस, पेंट एंड लुब्रिकेंट्स,एलपीजी और डेयरी जैसे कई क्षेत्रों की जरूरतें पूरी करता है। देश भर में टाटा ईवी के 150 से ज्यादा व्हीकल सपोर्ट सेंटर हैं। ऐस ईवी एडवांस्ड बैटरी, फ्लीट ऐज टेलिमेटिक्स सिस्टम और बेहतरीन संचालन समय के लिए मजबूती से ट्रक की

पूरी यूनिट और पार्टस को एकत्र करता है। ऐस ईवी टाटा यूनिईवर्स की असीम क्षमताओं का लाभ उठाता है। टाटा ग्रुप की प्रासंगिक कंपनियों से साझीदारी करता है। उपभोक्ताओं को संपूर्ण मोबिलिटी सोल्यूशन प्रदान करने के लिए कंपनी की देश के प्रमुख फाइनेंसरों से भी साझेदारी है। यह सामान रखने के लिए अलग-अलग डेक के साथ उपलब्ध होगा। यह देश भर में टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहन के सभी डीलरों के पास उपलब्ध होगा। टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स में एससीवी और पीयू डिविजन के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री विनय पाठक ने बताया, पिछले दो सालों से हमारे ऐस ईवी के उपभोक्ता बेमिसाल अनभुव का लाभ ले रहे हैं, जो एक ही समय में उन्हें मुनाफे के साथ उनके बिजनेस में स्थिरता प्रदान करता हैं। शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाले यह व्यावसायिक वाहन लोगों के ऑर्डर की डिलिवरी उनके घर पहुंचाने के क्षेत्र में राजदूत बन गए हैं। ऐस ईवी 1000 के लॉन्च के साथ हम उन उपभोक्ताओं को अच्छा अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में सर्विस देने के लिए संचालन की कम लागत वाले कमर्शियल वाहनों की तलाश में रहते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि ऐस ईवी 1000 स्वामित्व की कम लागत और सर्वश्रेष्ठ मूल्यों के साथ पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने में भी योगदान देगा।''

ऐस ईवी इवोजेन पावरट्रेन से लैस है, जो ड्राइवर को ड्राइविंग का बेहतरीन अनुभव देती है। ऐस ईवी में बैटरी की 7 साल की वारंटी मिलती है और वाहनों के मेंटेनेंस का 5 साल का संपूर्ण पैकेज भी मिलता है। इस गाड़ी को हर मौसम में सुरक्षित ढंग से चलाया जा सकता है। इसमें एडवांस्ड बैटरी कूलिंग सिस्टम के साथ ड्राइविंग की रेंज को बढ़ाने के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी मिलता है। ट्रक के संचालन का समय बढ़ाने के लिए यह नियमित और तेज चार्जिंग की क्षमता से लैस होता है। इसे 130 एनएम के पीक टॉर्क के साथ 27 किलोवॉट (36 हॉर्स पावर) की मोटर से पावर मिलती है। इससे अपनी श्रेणी में इस गाड़ी की रफ्तार काफी तेजी से बढ़ती है।

जॉनसन्स बेबी ने मातृत्व के विविध रूपों का जश्न मनाते हुए लॉन्च की एक डिजिटल फिल्म

लॉन्ग वेट फॉर डे 1 कैम्पेन में शिशु की पहले पल से रक्षा करने में माँ की मदद करने का जॉनसन्स बेबी का वादा

मुंबई - शिशुओं की त्वचा की देखभाल का प्रथम अन्वेषक ब्रांड, जॉनसन्स बेबी ने एक डिजिटल फिल्म द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 लॉन्च करके माताओं और मातृत्व की यात्रा का सम्मान किया है। मदर्स डे के अवसर पर लॉन्च की गई, डीडीबी मुद्रा द्वारा बनाई गई नई फिल्म गोद लेने, आईवीएफ, प्रीटर्म जैसे मातृत्व के अलग-अलग प्रकारों को शामिल किया गया है। यह फिल्म हर मातृत्व के सभी रूपों में समर्थन देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

जॉनसन्स बेबी के प्रॉमिस पहले पल से अभियान के अगले भाग के रूप में लॉन्च किया गया, द लॉन्ग वेट फॉर डे 1 कैम्पेन नेहा, माया और गीत की दिल छू लेने वाली कहानियों पर आधारित है, वे अपनी मातृत्व की अनूठी यात्रा की शुरूआत कर रही हैं। अस्पताल के बिस्तर पर शिशु का इंतज़ार करते हुए मन में उमड़ने वाली लालसा से लेकर मातृत्व की अब तक की यात्रा के फ्लैशबैक तक, यह फिल्म एक मां के मन के भावनात्मक रोलर कोस्टर को चित्रित करती है। नौ सालों तक मां बनने की कोशिश के बाद नेहा आईवीएफ के ज़रिए गर्भवती हुई। यह फिल्म उन अनगिनत महिलाओं के अटूट दृढ़ संकल्प और अदम्य आशा को दर्शाती है जो मातृत्व की यात्रा में बाधाओं, चुनौतियों का सामना करती हैं। गीत अपने गोद लिए हुए बच्चे का बेसब्री से इंतज़ार कर रही है, मातृत्व का यह बेहद अनोखा और खूबसूरत रूप दिल को छू लेने वाला है। माया की कहानी एक माँ की शारीरिक और मानसिक शक्ति और साहस को दर्शाती है जो समय से पहले जन्मे शिशुओं की देखभाल कर रही हैं, एक ऐसा मातृत्व जो समय से पहले पैदा हुए नवजात शिशु से जुड़ी अनिश्चितताओं का सामना करता है। हर मां की अपने बेबी का चेहरा पहली बार देखने तक की यात्रा अलग और अनोखी होती है, लेकिन अपने बेबी की पूरी सुरक्षा करने का वादा हर मां करती है। जॉनसन्स बेबी ब्रांड माताओं को शिशु के जन्म के पहले दिन से ही उसकी सुरक्षा करने में मदद करता है।

सुनील पाल को

सुनील ग्रोवर की परफॉर्मेंस से आती है घिन

कॉमेडियन सुनील पाल और कपिल शर्मा की पुरानी जान-पहचान है। दोनों कुछ मौकों पर साथ काम कर चुके हैं और सुनील पाल एक वक्त पर कॉमेडी की दुनिया में उतना बड़ा नाम थे, जितना आज कपिल शर्मा को माना जाता है। सुनील पाल ने कपिल शर्मा शो की जितनी तारीफ की है, उतना ही वो नेटफ्लिक्स पर आए द ग्रेट इंडियन कपिल शो की खिलाफत करते नजर आए हैं। पिछले दिनों ही उन्होंने अपनी इंस्टा पोस्ट में कपिल के नए शो को वल्गर बताया था और अब एक इंटरव्यू में उन्होंने सुनील ग्रोवर को घेरा है। सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा की जोड़ी कपिल शर्मा शो की जान रही है। गुत्थी, डॉक्टर मशहूर गुलाटी और रिंकू भाभी जैसे किरदार करके उन्होंने कपिल के शो की टीआरपी आसमान पर पहुंचा दी थी। अब द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वह इंजीनियर चुंबक मित्तल का रोल कर रहे हैं जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि बीच-बीच में वो कई अलग तरह के कैरेक्टर करके भी दर्शकों को हंसाते रहते हैं। सुनील पाल ने टाइम्स नाऊ के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें सुनील की परफॉर्मेंस से घिन आती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सुनील पाल ने बताया, सुनील ग्रोवर शो में औरत की तरह एक्ट करते हैं और जाकर लोगों की गोद में बैठ जाते हैं। घिन आती है। वो औरतों के कपड़े पहनकर वल्गर बातें करते हैं। अच्छा नहीं लगता है। यह बहुत भद्दा और चीप लगता है। महिलाएं उतनी डेस्परेट नहीं होती हैं जैसा वो शो में दिखाते हैं। कॉमेडी करो ना, ये सब क्यों करना? सुनील पाल ने कपिल के शो की लेंथ को लेकर भी बात की, क्योंकि कपिल शर्मा शो की तुलना में कपिल के नए शो का रनटाइम ज्यादा है। सुनील पाल ने इस बारे में कहा, लोग इस बारे में बहुत शिकायत कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर आमतौर पर बहुत ज्यादा वल्गर और एडल्ट कॉन्टेंट होता है। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कपिल शर्मा को यह शो करने के लिए कैसे राजी कर लिया। वो अपनी जगह ठीक है लेकिन उसके साथ जो कलाकार काम कर रहे हैं वो बहुत आम से हैं। बावजूद इसके कि उन्होंने इस शो के लिए 40 राइटर्स को रखा है, वो इसमें कुछ नया और यूनिक नहीं ला पा रहे हैं।

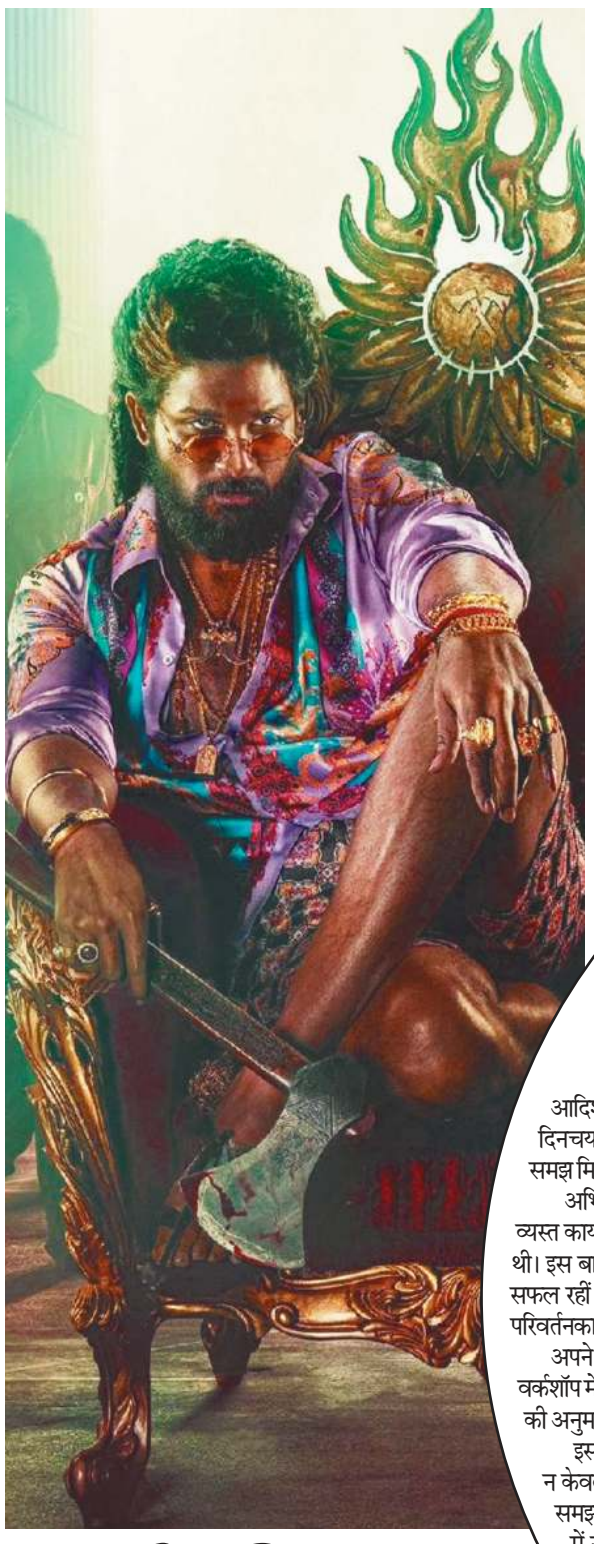

चुनौतीपूर्ण किरदारों को निभाना ज्यादा पसंद करती हूं: सैयामी खेर

● एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म अग्नि की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने साझा किया है कि उन्हें ऐसे किरदार निभाना पसंद है जो उन्हें चुनौती दे और उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकाले।

अग्नि में उन्होंने एक फायर फाइटर का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने कहा कि अब तक मैंने जो काम किया है उसमें मजबूत किरदार निभाने के जो अवसर मुझे मिले हैं, उसके लिए मैं अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। उन भूमिकाओं को निभाने की मेरी क्षमता के लिए पहचाना जाना बेहद संतुष्टिदायक है, जो मुझे कंफर्ट जोन से बाहर निकालता है। मैं हमेशा ऐसी भूमिकाओं की ओर आकर्षित होती हूं, जिसमें सभी भावनाएं हो। ये भूमिकाएं बदले में मुझे काफी कुछ सिखाती हैं। मेरी कोशिश हमेशा किरदार में खुद को खो देने की रही है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के रूप में मेरी यात्रा निरंतर सीखने, विकास की रही है, और मैं खुद को चुनौती देने और लोगों के जीवन को प्रेरित करने के हर अवसर के लिए आभारी हूं। अभिनय एक बहुत सशक्त माध्यम है, इसलिए जब लोग वापस आते हैं और कहते हैं कि आपकी फिल्म ने मुझे प्रेरित किया, मुझे सिखाया, तो मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक बड़ी सफलता है।

आदिशक्ति वर्कशॉप ने मुझे गहरी समझ दीः अपूर्वा अरोड़ा

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में नजर आने वाली अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ऑरोविले में आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने के बाद रविवार को मुंबई लौट आईं। एक्ट्रेस ने वर्कशाप में अपनी दिनचर्या के बारे में बात की और कहा कि इससे उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के बारे में गहरी समझ मिली है।

अभिनेत्री ने आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने की इच्छा मन में रखी थी। हालांकि उनका व्यस्त कार्यक्रम और अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा उनकी योजनाओं में बाधा बनती थी। इस बार अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह वर्कशॉप के लिए समय निकालने में सफल रहीं। अपने अनुभव पर बात करते हुए अपूर्वा ने कहा कि यह बेहद समृद्ध और परिवर्तनकारी था, जिससे उन्हें अभिनय और जीवन पर एक नया दृष्टिकोण मिला।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया, मैं वर्षों से आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेना चाहती थी, लेकिन मेरी कार्य प्रतिबद्धताओं ने मुझे कभी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

इस बार मैंने इसे प्राथमिकता दी और मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। वर्कशॉप ने न केवल मेरे अभिनय कौशल को बढ़ाया है, बल्कि कलाकार के रूप में मुझे गहरी समझ भी दी है। यह वास्तव में जीवन बदलने वाला अनुभव था। उन्होंने ऑरोविले में रहने के दौरान की अपनी दिनचर्या भी शेयर की, साथ ही अपनी सीखने की प्रक्रिया के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कई अलग-अलग तरह की कक्षाएं लीं, जिनमें केरल का मिझावु ड्रम बजाना सीखना, पानी के भीतर सांस लेने के व्यायाम और कलरीपायट्टु सीखने के साथ चरित्र निर्माण में सहायता के लिए विभिन्न उपकरण सीखने पर ध्यान केंद्रित किया। हम सुबह 7 बजे रिपोर्ट करते थे। कक्षाएं सुबह 9 बजे तक चलती हैं, कभी-कभी देर तक भी चलती थीं। बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक होते थे, लेकिन वह ज्यादातर काम करने और अगली कक्षा के लिए तैयारी करने में व्यतीत होता था। अपूर्वा अगली बार रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म अनरियल में नजर आएंगी।

अल्लू के खिलाफ दर्ज हुआ केस

दोस्त के लिए प्रचार करना पड़ा भारी

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। अल्लू अर्जुन की मूवी पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा धमला मचाया था कि सभी लोग दंग रह गए थे। अब लोगों ये मानना है कि पुष्पा 2 भी बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई करने वाली है। इस फिल्म के लिए लोल काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। इस बीच सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को लेकर एक खबर सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि वो कानूनी पचड़े में फंस गए थे। उनके खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर दिया है। नांघाल सीट से अल्लू अर्जुन के दोस्त और वाईएसआरसीपी विधायक शिल्पा रवि उम्मीदवार हैं। अल्लू अर्जुन अपने दोस्त को सपोर्ट करने पहुंचे थे लेकिन उनके आने के बाद विधायक के घर के बाहर हजारों लोग जमा हो गए। अल्लू अर्जुन की एक झलक पाने के लिए ये लोग बेताब थे। आंध्र प्रदेश में चुनावी माहौल के कारण आचार संहिता लागू है। इस लिए अल्लू अर्जुन के खिलाफ पुलिस को एक्शन लेना पड़ रहा है।

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 आने वाले 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में साउथ से लेकर बॉलीवुड तक धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मालूम हो कि रश्मिका मंदाना को लेकर ये खबर सामने आई है कि वो सलमान खान की फिल्म सिकंदर में धमाल मचाने वाली हैं। इस बात की जानकारी रश्मिका ने दी है।

भंसाली की भांजी होने के कारण नहीं मिला रोल, देने पड़े थे 16 ऑडिशन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। सीरीज में भंसाली की भांजी शर्मिन सेगल के अभिनय की खूब आलोचना कर रहे हैं। अब अभिनेत्री ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। संजय लीला भंसाली की हीरामंडी के ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिन सहगल को भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दर्शकों ने शो में अन्य अभिनेत्रियों के बराबर नहीं होने के लिए उनकी आलोचना की। अब शर्मिन ने खुलासा किया है कि हीरामंडी में आलमजेब की भूमिका पाने के लिए उन्हें 16 बार ऑडिशन देना पड़ा था। सोशल मीडिया पर लोगों ने शर्मिन पर नेपोटिज्म का टैग लगाया और कहा कि यह किरदार उन्हें भंसाली की भांजी होने की वजह से मिला है। हालांकि, अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें अपने मामा से किसी भी प्रकार की मेहरबानी या छूट नहीं मिली, और यह भूमिका पाने के लिए उन्हें बाकी सभी लोगों की तरह ही कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। शर्मिन ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्हें आलमजेब के रूप में मुहर लगाने से पहले एक साल तक तैयारी करनी पड़ी और 16 ऑडिशन देने पड़े थे। बता दें कि अभिनेत्री को उनके सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इतना ट्रोल किया गया कि उन्होंने अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को ही डिसेबल कर दिया था।

संजीदा शेख ने हीरामंडी के लिए नहीं दिया था ऑडिशन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी-द डायमंड बाजार लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। दर्शकों की तरफ से इस सीरीज को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। सीरीज में टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख भी अहम भूमिका में दिखाई दी हैं। उन्होंने वहीदा के किरदार को बखूबी निभाया है। संजीदा ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने सीरीज में अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं दिया था। संजीदा शेख ने बताया कि उन्हें पता था कि संजय लीला भंसाली हीरामंडी नाम का शो बना रहे हैं। इसके लिए उनकी उनके साथ मीटिंग भी हुई थी। अभिनेत्री ने कहा, यह 10 मिनट की एक छोटी मीटिंग थी। सर मुझसे 10-15 साल पहले मिल चुके थे। मैंने सोचा था कि उन्हें ये याद नहीं होगा। मगर उन्हें याद था। उन्होंने मुझेसे कहा कि आप बेहतर दिख रहे हैं। पहले से अधिक फ्रेश और खुश दिख रही हो। इसके बाद उन्होंने मुझसे इस मुलाकात के बारे में किसी को न बताने के लिए कहा।

उन्होंने बताया कि वह इस उम्मीद से घर वापस गई थीं कि यह भूमिका उन्हें मिलेगी। संजीदा ने बताया, कोई ऑडिशन नहीं था। सर ने ऑडिशन नहीं लिया। उन्होंने मीटिंग के तीन-चार महीने बाद सिर्फ लुक टेस्ट के लिए बुलाया था। अभिनेत्री ने कहा कि जब वह लुक टेस्ट के लिए गईं, तो टीम ने अपना काम शुरू कर दिया, क्योंकि किरदार के चेहरे पर चोट का निशान था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग आउटफिट ट्राई किए।

संजीदा ने कहा कि संजय लीला भंसाली खुद लुक टेस्ट ले रहे थे। उनसे अपने किरदार के लिए कई चीजें करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा, मैं सब कुछ कर रही थी और अचानक उन्होंने कहा कि ये है मेरी वहीदा। सीरीज में संजीदा शेख के किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। हीरामंडी 1940 के दशक की आजादी की लड़ाई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हीरामंडी- द डायमंड बाजार 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है।

- साभार एजेंसी

सिंगर सुचित्रा का दावा

शादी में रह कर भी किसी तीसरे को डेट कर रहे थे रजनीकांत के दामाद-बेटी

दोनों के थे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर

तमिल सुपरस्टार धनुष और रजनीकांत की बेटी सौंदर्या ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। कपल ने 2022 में अपनी 18 साल की शादी खत्म करके अलग होने का फैसला किया, और तलाक की अर्जी दी। इससे दोनों के परिवार के साथ-साथ फैंस को भी झटका लगा था। दोनों तलाक क्यों ले रहे हैं इसकी कोई खास वजह सामने नहीं आई थी लेकिन अब सिंगर सुचित्रा ने चौंकाने वाला दावा किया है।

सुचित्रा का दावा है कि धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के दौरान एक-दूसरे को धोखा दिया। शादीशुदा होते हुए भी दोनों किसी तीसरे शख्स को डेट कर रहे हैं। तमिल सुपरस्टार धनुष और रजनीकांत की बेटी सौंदर्या ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। कपल ने 2022 में अपनी 18 साल की शादी खत्म करके अलग होने का फैसला किया, और तलाक की अर्जी दी। इससे दोनों के परिवार के साथ-साथ फैंस को भी झटका लगा था। दोनों तलाक क्यों ले रहे हैं इसकी कोई खास वजह सामने नहीं आई थी लेकिन अब सिंगर सुचित्रा ने चौंकाने वाला दावा किया है। सुचित्रा का दावा है कि धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के दौरान एक-दूसरे को धोखा दिया। शादीशुदा होते हुए भी दोनों किसी तीसरे शख्स को डेट कर रहे हैं। जी हां, सौंदर्या और धनुष दोनों का ही एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर था।

सिंगर सुचित्रा ने बातचीत में ऐश्वर्या और धनुष को लेकर कहा-ऐश्वर्या, धनुष पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगा रही हैं लेकिन उन्होंने भी पूरी शादी के दौरान यही किया है। यह डबल स्टैंडर्ड नहीं है? ऐश्वर्या ने धनुष को धोखा दिया है और धनुष ने ऐश्वर्या को धोखा दिया है। वो ऐसे कपल हैं, जो सिस्टमैटिक तरीके से एक-दूसरे को धोखा दे रहे हैं। सुचित्रा से जब पूछा गया कि वह किस आधार पर धनुष और ऐश्वर्या पर ऐसा आरोप लगा रही हैं तो वह बोलीं- उनके दोनों के छोटे-मोटे फ्लिंग रहे हैं।

दोनों (धनुष-ऐश्वर्या) ने बार में बैठकर उस व्यक्ति के साथ ड्रिंक की है जिसे वो डेट कर रहे हैं। क्या शादीशुदा होकर डेट पर जाना नॉर्मल है? सुचित्रा ने ऐश्वर्या को खराब मां बताया और कहा कि धनुष ही पिता का फर्ज निभा रहे हैं। सुचित्रा के इन दावों ने वाकई चौंका दिया है। अब देखना यह होगा कि इन पर ऐश्वर्या या धनुष क्या कहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

शॉटपुट

आभा ने शॉटपुट में बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान, 18.41 मीटर गोला फेंक तोड़ा अपना और मनप्रीत का रिकॉर्ड

भुवनेश्वर, एजेंसी। बावजूद इसके वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर है। हालांकि उनके पास 30 जून तक क्वालिफाई करने का मौका है।

महाराष्ट्र की आभा खटुआ ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप में 18.41 मीटर गोल फेंक शॉटपुट का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच दिया। उन्होंने 18.06 मीटर का अपना और मनप्रीत कौर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। उन्होंने पांचवें प्रयास में यह दूरी नापी। बावजूद इसके वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर है। हालांकि उनके पास 30 जून तक क्वालिफाई करने का मौका है।

चंदा को 800 मीटर का स्वर्ण

यूपी की किरन बालियान 16.54 मीटर के साथ दूसरे और दिल्ली की श्रृष्टि विज 15.86 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 200 मीटर में ओडिशा के अनिमेश कुजूर ने 20.62 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। महिलाओं की 800 मीटर दौड़ दिल्ली की चंदा ने दो मिनट 2.62 सेकंड के समय के साथ जीती। पंजाब की ट्विंकल (2.03.94) ने रजत और अमनदीप कौर (2.07.66) ने कांस्य जीता।

स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन

स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने जीता खिताब, भारत का नाम किया रोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने खिताब जीत लिया है। सोमवार को उन्होंने पुरुष एकल वर्ग में खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया। स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने खिताब जीत लिया है। सोमवार को उन्होंने पुरुष एकल वर्ग में खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

स्कॉट एडवर्ड्स करेंगे कप्तानी

टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड्स की टीम का ऐलान

अम्स्टेलवीन, एजेंसी। नीदरलैंड्स ने टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें विकेटकीपर-बल्लेबाज स्कॉट एडवर्ड्स 1 जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले मेगा इवेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सहयोगी देश ने लगातार तीन विश्व कप संस्करणों में भाग लिया। नीदरलैंड्स ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप और पिछले साल वनडे विश्व कप में खेला था। मुख्य कोच रेयान कुक ने कहा, पिछले दो विश्व कप में हमने सराहनीय प्रदर्शन किया है और हम टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंचने के लिए आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिका में दो आधिकारिक अभ्यास मैच खेलने के बाद ग्रुप चरण के दौरान नीदरलैंड्स का सामना दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल से होगा।

नीदरलैंड्स की टीमः

स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान/विकेटकीपर), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, डेनियल डोरम, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडोड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, तेजा निदामानुरु, ? टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंग्मा, वेस्ले बरेंसी।

ट्रेवल रिजर्व-काईल क्लेन

टी20 विश्व कप

हरमनप्रीत ने की भविष्यवाणी भारत पहुंचेंगी सेमीफाइनल में

ढाका, एजेंसी। कप्तान हरमनप्रीत कौर को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम इस साल के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली संभावित टीमों में से एक होगी। टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है और हरमनप्रीत का मानना है कि परिस्थितियों से परिचित होने से भारतीय टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिलेगी। टूर्नामेंट के नौवें सत्र के लिए भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए कहे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, 'भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद है कि ये चारों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बांग्लादेश को 5-0 से हरा दिया था। हरमनप्रीत ने यहां कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा (जिसका मैं सामना करने के लिए उत्सुक हूं) क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रभुत्व को चुनौती दी है लेकिन इस टीम का वैश्विक प्रतियोगिताओं में हरमनप्रीत की टीम पर दबदबा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, 'अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलेगा और मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं।

हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की श्रृंखला में भारत की सफलता से उन्हें परिस्थितियों से अधिक परिचित होने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'हां, यह कुछ हद तक भारत जैसा ही है और उम्मीद है कि इन परिस्थितियों में हमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से कड़ी प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है और यह हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भारत ने 2023 टी20 विश्व कप के बाद से दो बार बांग्लादेश दौरान किया है। पिछले साल जुलाई में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और वनडे श्रृंखला के लिए और फिर हाल ही में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए।

विश्व कप में भारत के अब तक के अनुभव के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, 'मुझे लगता है कि सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। एकमात्र चीज यह है कि हमने कई करीबी मैच गंवाए हैं। और इस बार उम्मीद है कि हम करीबी मैच जीत सकते हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

ओलिंपिक में

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खिलाड़ी के परिवार की हार्ट रेट होगी मॉनिटर

पेरिस ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत खिलाड़ियों के परिवार के भावों को मॉनिटर किया जाएगा। वहीं, रियल टाइम एनालिसिस से जज की मदद की जाएगी। 1924 में पेरिस में हुए ओलिंपिक की तस्वीरों को रंगीन करने की योजना भी है।

पैरेंट्स का रिएक्शन लाइव दिखाने की तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडकास्टर एनबीसी यूनिवर्सल ने ओलिंपिक एथलीट्स के माता-पिता को हार्ट रेट मॉनिटर देने की योजना बनाई है, ताकि वे टूर्नामेंट के दौरान उनके रिएक्शन लाइव दिखा सकें। एआई लैस सीसीटीवी कैमरों से होगी सुरक्षा- गेम्स के दौरान संदिग्ध घटनाओं को मॉनिटर करने के लिए सर्विलांस में एआई लैस कैमरों की मदद ली जाएगी। अगर खेलों में हथियार का इस्तेमाल या ग्राउंड में बिना अनुमति घुसने जैसी घटना रिकॉर्ड होती है तो इसके बाद तुरंत सुरक्षा टीम को अलर्ट चला जाएगा।

रियल टाइम वीडियो एनालिसिस से होंगे निर्णय

एआई की मदद से महज 10 सेकंड के भीतर वीडियो का एनालिसिस कर निर्णय दिए जा सकेंगे। एक उदाहरण में एआई ने सिर्फ 10 सेकंड में डाइविंग इवेंट के सारे पक्षों का एनालिसिस कर लिया था।

8के में हाई क्वालिटी स्ट्रीम, फ्यूचर टैलेंट की भी खोज

ओलिंपिक से अनुबंधित इंटेल ने इस बार टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग 8के हाई-पिक्चर क्वालिटी में करने की घोषणा की है। इस अमेरिकन कंपनी ने कई गांव के बच्चों की जम्पिंग और रेसलिंग के वीडियो को एनालिसिस कर उनके टैलेंट को तलाशने और तराशने की कोशिश की भी है। इंटेल के क्रिस्टोफ शेल ने बताया कि उन्होंने 5 गांव के 1000 बच्चों की खोज की। डेटा के जरिए बच्चे के लिए सही खेल चुनने में भी मदद मिली।

निकहत जरीन ने एलोर्डा कप में शानदार शुरुआत की

अस्ताना (कजाकिस्तान)। भारत की मौजूदा विश्व चैंपियन निखत जरीन (52 किग्रा) ने सोमवार को एलोर्डा कप 2024 के शुरुआती दिन कजाकिस्तान की राखिम्बेर्डी झानसाया के खिलाफ 5-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

मीनाक्षी (48 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान की गैसीमोवा रोक्साना पर 4-1 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। इसके विपरीत, अनामिका ने 50 किग्रा वर्ग के मुकाबले के पहले दौर में रेफरी स्टॉप्स द कॉन्टेस्ट (आरएससी) की जीत के साथ झुमाबायेवा अरैलीम को हराया। इस बीच, इश्मीत सिंह (75 किग्रा) और सोनिया

(54 किग्रा) क्रमशः कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मत और चीन के चांग युआन के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92+) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को एक्शन में होंगे।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी है, जिसमें कजाकिस्तान, चीन, भारत, जापान और उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

आईपीएल 2024

बारिश से धुले जीटी के अरमान प्लेऑफ से कटा पत्ता

अहमदाबाद। एजेंसी। यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सोमवार रात गुजरात टाइटंस (जीटी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच एक भी गेंद फेंके बिना बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। दोनों टीमें एक-एक अंक साझा करेंगी।

लगातार बिजली गिरने और खराब मौसम के कारण पहले तो मैच शुरू होने में देरी हुई और फिर लगातार बूंदाबांदी के कारण रात 10.42 बजे मैच रद्द कर दिया गया। दोनों कप्तानों श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल ने हाथ मिलाया और स्तन कैंसर जागरूकता के तहत रिबन का आदान-प्रदान किया। स्टैंडिंग में 19 अंकों के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स ने शीर्ष दो में जगह पक्की कर ली है, जबकि गुजरात टाइटंस 13 मैचों में 11 अंकों के साथ आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

12 खेलों के बाद केकेआर के 1.428 के प्रभावी नेट रन रेट ने उसका शीर्ष-दो में स्थान सुनिश्चित कर दिया।

यह पहली बार है कि 2022 सीजन की प्रतियोगिता में शामिल होने के बाद से जीटी आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है। उन्हें 16 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सांत्वना मैच खेलना है।

हेड कोच के लिए बीसीसीआई ने मांगे आवेदन

राहुल द्रविड़ की हो सकती है भारतीय टीम से छुट्टी...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को रोहित शर्मा की कप्तानी में अगले महीने टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना है. उसके बाद भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव हो सकता है. हेड कोच राहुल द्रविड़ की छुट्टी हो सकती है. उनकी जगह नए कोच आ सकते हैं. इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. बीसीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी. साथ ही भारतीय बोर्ड ने नए कोच के लिए आवेदन भी मंगाए हैं. बता दें कि फिलहाल राहुल द्रविड़ ही भारतीय टीम के कोच पद को संभाल रहे हैं.

आवेदन के लिए 27 मई आखिरी तारीख

बीसीसीआई ने द्रविड़ को वनडे वर्ल्ड कप 2023 तक के लिए कोच नियुक्त किया था. मगर उसके बाद भारतीय बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक के लिए द्रविड़ का कार्यकाल बढ़ा दिया था. यह वर्ल्ड कप 1 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा. मगर इससे पहले ही बीसीसीआई ने नए कोच की प्रक्रिया शुरू कर दी है. उन्होंने आवेदन के लिए 27 मई आखिरी तारीख (शाम 6 बजे तक) निर्धारित की है. हालांकि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पहले ही साफ कर दिया है कि राहुल द्रविड़ यदि अपना कार्यकाल बढ़ाना चाहते हैं तो इस पद के लिए दोबारा आवेदन कर सकते हैं. उनके आवेदन पर विचार किया जाएगा.

अगले वर्ल्ड कप तक रहेगा नए कोच का कार्यकाल

हाल ही में मुंबई में बीसीसीआई मुख्यालय में जय शाह ने कहा था, हम अगले कुछ दिनों में आवेदन मंगाएंगे, राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून में खत्म हो रहा है. अगर वह दोबारा आवेदन करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं. बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग कोच जैसे कोचिंग स्टाफ का फैसला नए कोच के परामर्श के बाद किया जाएगा.

बता दें कि नए हेड कोच का कार्यकाल अगल 3 साल यानी वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए रहेगा. यह बात भी खुद जय शाह ने क्लियर की थी. उन्होंने कहा था कि नए मुख्य कोच को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक कार्यभार संभालने की पेशकश की जाएगी.

सात्विक-चिराग करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई

बेडमिंटन

बैंकॉक, एजेंसी। सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी।

सात्विकसाई रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष डबल्स जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक की दावेदार भारत की इस शीर्ष वरीय जोड़ी को थॉमस कप में इंडोनेशिया और चीन के खिलाड़ियों की सर्विस का सामना करने में थोड़ी मुश्किल हुई थी। पेरिस ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों ने अपने कौशल को निखारने पर काम किया है और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में उन्हें अपने नए शॉट और बदलाव को परखने का शानदार मौका मिलेगा।

सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारत के शीर्ष सिंगल्स खिलाड़ी एचएस प्रणय को मौजूदा सत्र में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद लय हासिल करनी होगी। इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग के खिलाफ जीत से प्रणय का आत्मविश्वास बढ़ा होगा लेकिन चीन के शी युकी के खिलाफ हार से वह परेशान होंगे क्योंकि उन्हें करीबी मुकाबले जीतने की जरूरत है।

किरण जॉर्ज और सतीश कुमार करूणाकरण भी सिंगल्स वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं, जबकि लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पिछले हफ्ते टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा से पहले प्रतियोगिता से हट गए।

टी -20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की जर्सी लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया ने अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और कप्तान रोहित शर्मा ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नई जर्सी का अनावरण किया।

भारत के आधिकारिक किट पार्टनर एडिडास ने पहले 1 जून से यूएसए और कैरेबियन में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम की जर्सी का खुलासा किया। इस कार्यक्रम का एक वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए बीसीसीआई ने लिखा कि अब हमारी टीम का नए रंगों में स्वागत करने का समय आ गया है।

रोहित शर्मा, जय शाह और आधिकारिक किट पार्टनर एडिडास टीम इंडिया की टी20 जर्सी पेश करते हुए। इस वीडियो में टीम इंडिया की प्रैक्टिस जर्सी भी नजर आ रही है, जो ब्लू कलर की है। इसके साथ ही इस विश्व कप के लिए टीम इंडिया की ट्रैवल किट भी सामने आई है, जो व्हाइट कलर की है, जिसमें रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। 30 अप्रैल को, बीसीसीआई ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा।

संक्षिप्त समाचार

हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार की रानियों ने इस सीरीज़ में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया

मुंबई, एजेंसी। सनी और बॉबी के शानदार प्रदर्शन वाले बेहतरीन एपीसोड के बाद द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस शनिवार को नज़र आएँगी हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार की रानियाँ। हाल ही में लॉन्च हुई इस सीरीज़ ने सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है और लॉन्च के पहले हफ़्ते में ही ये सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली भारतीय सीरीज़ बन गई है। ज़बरदस्त भव्यता से लेकर शानदार पटकथा और कलाकारों के बेहतरीन प्रदर्शन तक, नेटफ्लिक्स पर संजय लीला भंसाली की पहली पेशकश को नज़रअंदाज करना मुश्किल है। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख ने परदे के पीछे के अपने कुछ किस्से साझा किये, जिसमें लेखक-निर्देशक संजय भंसाली के साथ काम करने और सीरीज़ के निर्माण की तैयारियों के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत जीवन के किस्से भी शामिल हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए इन महिलाओं ने सेट पर संजय लीला भंसाली द्वारा बेहद बारीकी और परफ़ेक्शन के साथ काम करने के बारे में बताया। सेट पर इस्तेमाल किए जाने वाले हर प्रॉप का एक कैरेक्टर और कहानी है।

कलर्स के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्ट: येशा हरसोरा

मुंबई, एजेंसी। सभी लोग ध्यान दें! कलर्स खूबसूरत के आगमन का संकेत दे रहा है, जो एक दिल छू लेने वाली कहानी है। यह दर्शकों को मुंबई की भावना के कठिन ट्रैक के माध्यम से एक प्रेरणादायक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। चैनल सपनों की इस गाथा में दर्शकों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो उन्हें एक साधारण लड़की नव्या के प्रति आकर्षित करेगी, जिसका जीत का जज़्बा (जुनून) उस शहर की धड़कन की तरह अजेय है, जिससे वह जुड़ी है। एक चॉल में रहने वाली नव्या शहर की गगनचुंबी इमारतों जितनी ऊंची आकांक्षाओं के साथ खड़ी है। परिवार में वह एकमात्र सांवली है और इस कारण अपने पिता की अस्वीकृति के बावजूद वह कुछ बड़ा करना चाहती है। अपने आस-पास के लोगों द्वारा उसकी त्वचा के रंग को लेकर किए जाने वाले तानों से विचलित हुए बिना नव्या ने अपना घर चलाने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाओं पर ब्रेक लगाने से इनकार किया है। चाहे वह मेज पर इंतजार कर रही हो, अपनी शहनाई के साथ बारातों का स्वागत कर रही हो या भोजन पहुंचा रही हो, कोई भी काम उसे अपनी धूप की ऊर्जा के साथ जीवन को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती। सामाजिक मानदंडों की चुनौतियों के साथ, क्या उसका जज़्बा सफलता के मुकाम पर पहुंचेगा। नव्या की भूमिका निभाने पर येशा हरसोरा कहती हैं, खूबसूरत कलर्स के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है। और मैं प्रार्थना करती हूं कि यह हमारे सहयोग के लिए एक अविश्वसनीय माहौल तैयार करे। इस शो में शामिल होना दर्शकों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करने का मेरा तरीका है, भले ही लोग उनकी क्षमता की उपेक्षा करें।

निकाह के कुछ मिनट बाद ही तलाक, किस डिमांड पर भड़के लड़की वाले

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के दादरी के जारचा कोतवाली क्षेत्र के कलौंदा गांव में रविवार को गाजियाबाद से आई बारात को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। बारात लेकर आए दूल्हे के परिजन निकाह में बुलेट बाइक की मांग करने लगे। इसके बाद माहौल बिगड़ गया। लोगों ने दूल्हे को समझने का प्रयास किया, मगर बात नहीं बन सकी । निकाह के बाद तलाक की रस्म पूरी कर ली गई। फिर पंचायत में निकाह में हुए खर्च की भरपाई दूल्हे पक्ष के लोगों द्वारा की गई। जिसके बाद बारात बगैर दुल्हन के विदा हो सकी। गाजियाबाद के डासना कलछीना गांव के रहने वाले सलीम के बेटे अबू बकर और उमर हयात की शादी कलौंदा गांव के रहने वाले इकबाल की दोनों बेटियों से हुई थी । रविवार को निकाह के लिए बारात कालौंदा गांव पहुंच गई। निकाह की रस्म पूरी की गई। मगर विदाई के दौरान दोनों दूल्हे बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर अड़ गए। दुल्हे के परिजन भी दुल्हन को विदा करने पर सहमत नहीं हुए।

गुरुग्राम में छह सेक्टरों को जोड़ने वाले अंडरपास का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास बसे छह सेक्टरों को जोड़ने वाले सेक्टर-102-102ए अंडरपास का निर्माण कार्य जून में पूरा हो जाएगा। इस अंडरपास के शुरू होने से इन सेक्टरों में रहने वाले लोगों को काफी बड़ी राहत मिलेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मौजूदा समय में अंडरपास का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया है।

दावा किया जा रहा है कि 20 से 25 जून के आसपास ट्रायल करने के बद इस अंडरपास को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बनने से मौजूदा समय में सेक्टर-102, 102ए, 103, 106, खेड़की माजरा, बसई और धनकोट गांव के निवासियों को सीधा फायदा होगा। यह एरिया सेक्टर नौ-नौए की मुख्य सड़क के माध्यम से हीरो होंडा चौक से जुड़ जाएगा। इसके दोनों तरफ सर्विस रोड का निर्माण किया जा रहा है।

राजनगर एक्सटेंशन में रहने वालों के लिए आई राहत वाली खबर, इस महीने पूरा हो जाएगा यह काम बता दें कि दो-दो लेन के इस

अंडरपास की लंबाई करीब 585 मीटर है। इसके निर्माण पर करीब 24 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सेक्टर 102 स्थित इम्पीरियल गार्डन की आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान सुनील सरीन ने बताया कि सेक्टर 102-102ए में ज्वाय विला, अडानी ओएस्टर, इम्पीरियल गार्डन, बीपीटीपी एमेस्टोरिया, एमआर गुड़गांव ग्रीन, सनसिटी, आरओएफ आलयास सोसाइटी के निवासियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। इनमें करीब 10 हजार परिवार रह रहे हैं। आसपास लगते गांवों को भी इसकी वजह से लाभ मिलेगा। सेक्टर नौ-नौए के माध्यम से हीरो होंडा चौक तक यह एरिया जुड़ जाएगा। अडानी ओएस्टर आरडब्ल्यूए के प्रधान कर्नल हरि भगवान का कहना है कि इस अंडरपास के खुलने से उनकी सोसाइटी के निवासियों को हीरो होंडा चौक तक जाने में दिक्कत नहीं आएगी। मौजूदा समय में बसई चौक पर जाना पड़ता है, जहां पर यातायात जाम की समस्या रहती है।

एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि इस अंडरपास को जून माह तक तैयार कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य में लगी एजेंसी को इस सिलसिले में दिशानिर्देश दे दिए गए हैं।

पीडब्ल्यूडी की तरफ से झज्जर के बाड़सा स्थित एम्स से लेकर सेक्टर -102-102ए तक सड़क का निर्माण करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत नौ किलोमीटर लंबी रोड का निर्माण किया जाएगा। यह रोड तीन-तीन लेन की तैयार की जाएगी। योजना को अमल में लाने को लेकर झज्जर गांव के बाड़सा के अलावा गुड़गांव के इकबालपुर, माकडौला, बुढेड़ा, धनकोट और खेड़की माजरा की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। जमीन अधिग्रहण के अलावा इस सड़क के निर्माण में करीब 70 करोड़ की लागत आएगी। भविष्य में इस सड़क के माध्यम से झज्जर के एम्स तक जाना पुराने शहर के निवासियों के लिए आरामदायक हो जाएगा।

दिल्ली में एनकाउंटर, बदमाश को पुलिस ने मारी गोली; टिल्लू ताजपुरिया गैंग का है सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के साथ राजस्थान पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में बदमाश सागर के पैर में गोली लगी और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गोली लगने वाले बदमाश का संबंध टिल्लू ताजपुरिया गैंग से बताया जा रहा है।

इस मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ), दिल्ली पुलिस एवं हनुमानगढ़ जिले की पुलिस टीम ने सोमवार को संयुक्त कार्रवाई में बदमाश सागर उर्फ शंकर (20) को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में लाठ गांव (सोनीपत-हरियाणा) के निवासी सागर के पैर में गोली लगने से उसे हनुमानगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सागर दिल्ली के अलीपुर में 22 अप्रैल को नरेंद्र मलिक हत्याकांड में शामिल बताया जा रहा है। एमएन ने बताया कि रविवार को दिल्ली पुलिस की अपराधा शाखा को सागर उर्फ शंकर के संगरिया और टिब्बी थाना क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। यह बदमाश टिल्लू ताजपुरिया, नीरज बवानिया व अमित दबंग गिरोह का सक्रिय सदस्य है। आज दिल्ली और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के बाद आरोपी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोचिंग जाते हुए मनचले करते थे परेशान; छात्रा ने किया सुसाइड

नईदिल्ली, एजेंसी।
फरीदाबाद के सदर थाना अंतर्गत एक गांव में रह रही 24 साल की छात्रा ने रविवार को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि वह मनचलों से परेशान थी। मनचले उसपर शादी करने का दबाव बना रहे थे। पुलिस को शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। बावजूद मुकदमा दर्जकर विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार तावडू खंड स्थित एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी सदर तावडू थाना की पुलिस को बताया कि उसकी 24 वर्षीय बेटी तावडू के एक शिक्षण संस्थान में जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) की कोचिंग ले रही थी। बेटी जब कोचिंग सेंटर आती-जाती थी तो रास्ते में कुछ युवक उसे परेशान करते थे। इनमें से एक युवक उनकी बेटी पर जबरन शादी का दबाव बना रहा था।

व्यक्ति बताया कि बेटी ने जब शादी करने से इनकार किया तो उन्हें जाति सूचक शब्द बोल अपमानित किया गया। पीड़ित ने बताया कि उसकी बेटी को धमकी दी गई। साथ कहा गया कि शादी नहीं करने पर उसकी छोटी बहन को अगवा कर, उसके साथ दुष्कर्म किया जाएगा और उसके पिता की भी हत्या कर दी जाएगी। पीड़ित ने चार युवकों पर इस तरह से दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार आरोपियों की धमकी से परेशानी होकर छात्रा के आत्महत्या करने के बाद से पीड़ित पक्ष में गम का माहौल है। परिजनों का कहना है कि पीड़िता 12वीं करने के बाद इस कोर्स की तैयारी शुरू कर दी थी। वह चिकित्सा संबंधित कार्य करना चाहती थी। उसकी मौत के परिवार के सदस्यों में डर का माहौल है। परिजन आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग पुलिस से कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी को फिर लगाई फटकार, कहा- कुछ कर नहीं रहे उल्टे आरोप लगा रहे

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी के भीष्म पितामह मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए जाने को लेकर सोमवार को नगर निगम को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने सिविक एजेंसी से अपना काम दुरुस्त करने को कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपना घर ठीक करने के लिए कुछ नहीं कर रहा है उलटा पूरी दुनिया पर असहयोग का आरोप लगा रहा है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा- क्या उस सड़क पर सीसीटीवी कैमरे हैं? आपने कैमरे क्यों नहीं लगाए? आपको सड़कों पर कचरा फेंकने के लिए चालान जारी करना चाहिए। आप अपने घर को व्यवस्थित करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में आम लोगे आप को किस तरह सहयोग करेंगे? आप पूरी

दुनिया को दोष दे रहे हैं लेकिन अपना घर व्यवस्थित नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट की यह टिप्पणी एमसीडी व दिल्ली पुलिस को एक महीने से अधिक समय से लंबित याचिका पर चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने के निर्देश देते हुए आई। इस मामले में दायर याचिका मुख्य सड़कों पर आवारा जानवरों के खुले घूमने, कूड़े के निपटान, अवैध पार्किंग के कारण भारी जाम, गैरकानूनी लोडिंग व अनलोडिंग के संबंध में दाखिल की गई है।

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे वकील जय अनंत देहाद्राई ने कहा कि कचरा सड़क पर स्थित बीएसईएस के विद्युत ट्रांसफार्मरों और उसके आसपास फेंका जा रहा है। इससे आग लगने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्षेत्र में लकड़ी, हार्डवेयर और बिजली की कई दुकानें हैं।

इस पर हाईकोर्ट ने एमसीडी एवं पुलिस से एक महीने पहले जवाब मांगा था, लेकिन इन महकमों की तरफ से कोई पहल नहीं की गई। इस पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। उच्च न्यायालय ने एमसीडी व पुलिस से पूछा था कि कोटला मुबारक पुर व डिफेंस कॉलोनी (जिसे भीष्म पितामह मार्ग के नाम से भी जाना जाता है) सड़क पर सीसीटीवी कैमरे हैं। यदि नहीं हैं तो यहां कैमरे क्यों नहीं लगाए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को सुनाई राहत भरी खबर, आईएमए चीफ को लगाई फटकार

नईदिल्ली, एजेंसी।
पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान योग गुरु रामदेव उनके सहयोगी बालकृष्ण कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट ने आदेश की अवमानना के एक मामले में न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। अब बाबा रामदेव और बालकृष्ण को अदालत में पेश नहीं होना होगा। कोर्ट ने आगे की पेशी के लिए उन्हें छूट दे दी है। वहीं, कोर्ट ने आईएमए यानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी फटकार लगाई। आईएमए चीफ आर वी अशोकन की तरफ से दिए गए इंटरव्यू पर सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी जताई है। कोर्ट की नाराजगी पर आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन ने शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफी मांगी है। दरअसल, पतंजलि की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि आईएमए चीफ आर वी अशोकन ने सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष आर वी अशोकन ने हाल ही में पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में शीर्ष अदालत के खिलाफ दिए गए अपने बयानों के लिए पीठ से बिना शर्त माफी मांगी, जहां उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन मामले के बारे में सवालों के जवाब दिए।

न्यायमूर्ति कोहली ने अशोकन से कहा, आप सोफे पर बैठकर प्रेस को साक्षात्कार नहीं दे सकते और अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते।

उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण (एसएलए) ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित

कर दिया गया है।शीर्ष अदालत 2022 में आईएमए द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें पतंजलि द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और चिकित्सा की आधुनिक प्रणालियों के खिलाफ बदनामी का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

भीमा कोरेगांव-एल्गार परिषद मामले में गौतम नवलखा को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत: एल्गार परिषद-माओवादी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई गई रोक को बढ़ाने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता गौतम नवलखा को नजरबंदी में सुरक्षा के खर्च के लिए 20 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि नवलखा चार साल से अधिक समय से जेल में हैं और मामले में अभी तक आरोप तय नहीं किये गये हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को नवलखा को जमानत दे दी थी, लेकिन एनआईए द्वारा शीर्ष अदालत में अपील दायर करने के लिए समय मांगने के बाद अपने आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी थी।

फ्लाइट से गहने उड़ाने वाला ज्वेल थीफ गिरफ्तार; मदद के बहाने बनाता था शिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। रेलगाड़ियों में चोरी करते हुए कई बार गिरफ्तार हो चुके शख्स ने विमान में वारदात करने का मन बनाया और महज 110 दिनों के भीतर उसने 200 विमान यात्राएं की। देश में हजारों किलोमीटर की यात्राओं के दौरान उसने कई महिलाओं के बैग से आभूषण चोरी किए। यह वारदात अमृतसर, बेंगलुरु, हैदराबाद और चंडीगढ़ जाने वाले विमानों में उसने अंजाम दिया। वह विशेष तौर पर एयर इंडिया और विस्तारा के विमान में चोरी करता था। पुलिस ने आरोपी राजेश कपूर और चोरी के गहने खरीदने वाले शरद जैन को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 25 लाख रुपये से ज्यादा के गहने बरामद हुए हैं। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि हैदराबाद से उनके पास जीरो एफआईआर आई थी। इसमें बताया गया कि सुधारनी पाथूरी नामक महिला बीते 11 अप्रैल को हैदराबाद से आईजीआई एयरपोर्ट गई थीं। यहां से उन्हें अमेरिका जाना था। रास्ते में किसी ने उनके बैग से 7 लाख रुपये के गहने चोरी कर लिए। दूसरे मामले में वरिन्द्रजीत सिंह ने बताया कि बीते 22 फरवरी को वह अमृतसर से आईजीआई एयरपोर्ट आए थे। यहां से उन्हें फ्रैंकफर्ट जाना था। रास्ते में किसी ने उनके बैग से 20 लाख रुपये के गहने चोरी कर लिए। इसके बाद पुलिस टीम ने उन विमानों से सफर करने वाले यात्रियों की सूची को खंगाली थी। आरोपी राजेश को पकड़ने के लिए पुलिस ने एयरपोर्ट्स की कई घंटों की फुटेज खंगाली।

आरोपी दिल्ली एयरपोर्ट से आने-जाने के दौरान ऐसे शख्स को चिह्नित करता था, जिसके बैग में गहने हो सकते हैं। खासतौर से बुजुर्ग महिलाएं जो अपने बैग को लेकर ज्यादा सतर्क नजर आती थीं।

दिल्ली पुलिस एसएचओ की कार से घूमने निकले कॉन्स्टेबल ने राहगीर को कुचला, दोस्तों संग कर रहा था पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कि सरोजिनी नगर इलाके में सोमवार तड़के 3 बजे राजेन्द्र नगर थाना एसएचओ की तेज रफ्तार सरकारी कार ने एक शख्स को कुचल दिया। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि अधेड़ को टक्कर मारने के बाद उसने कई खंभों में भी टक्कर मारी थी। हादसे की सूचना मिलने के बाद सरोजिनी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने 58 वर्षीय बैजनाथ उर्फ राजेश गुप्ता का शव पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर उसे चला रहे आरोपी कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार राजेन्द्र नगर थाने में ही तैनात है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि बैजनाथ अपने परिवार के साथ त्रिलोकपुरी में रहता था। डीसीप ने बताया कि तड़के 3.17 बजे सरोजिनी नगर पुलिस को भीकाजी कामा प्लेस मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-02 के पास हादसा होने की सूचना मिली थी। वहां क्षतिग्रस्त गाड़ी के पास ही एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सरकारी गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। गाड़ी ने पहले मेट्रो की ग्रिल तोड़ी, उसके बाद बिजली के खंभे में टकराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरकारी गाड़ी को कॉन्स्टेबल प्रदीप चला रहा था और उसके साथ उसके कॉलेज के दो दोस्त मयंत व रॉबिन भी थे। गाड़ी में एसएचओ नहीं थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि कॉन्स्टेबल ने गाड़ी चलाते समय शराब का सेवन किया हुआ था। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह सरोजिनी नगर में दिल्ली पुलिस की गाड़ी लेकर कहां और क्यों जा रहा था। घटना के समय आरोपी ड्यूटी पर नहीं था। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार के साथ उसके दो दोस्त भी थे। उसके दोस्त हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी रोबिन व महेश राजेंद्र नगर थाने में रविवार रात को प्रदीप से मिलने पहुंचे थे। तीनों पुराने दोस्त हैं। वह एसएचओ की गाड़ी में ही पार्टी करते हुए हौज खास जा रहे थे। प्रदीप वर्ष 2019 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था। कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार एसएचओ को बिना बताए थाने से उनकी सरकारी गाड़ी लेकर चला गया था। हादसे के बाद एसएचओ को गाड़ी के बारे में पता चला।

स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के पीए बिभव कुमार पर मारपीट का आरोप लगाया

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी की सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार पर उनके साथ मारपीट का आरोप लगाया है। हालांकि मालीवाल ने इस बारे में कोई लिखित शिकायत नहीं दी है। उन्होंने थाने जाकर मौखिक शिकायत में कहा कि केजरीवाल के पीए ने उनपर हमला किया। इसके बाद स्वाति मालीवाल के पास कुछ फोन आए और बिना लिखित शिकायत दिए थाने से लौंट गईं। स्वाति मालीवाल की ओर से तब से लेकर अब तक इस मामले पर कोई बयान सामने नहीं आया है लेकिन इस नए आरोप से एक बार फिर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं क्योंकि पीसीआर कॉल के बाद पुलिस ने जो नोट लिखा है उसके मुताबिक मालीवाल ने बताया है कि केजरीवाल ने उनपर ये हमला करवाया है। इस बीच ये जानना जरूरी है कि आखिर बिभव कुमार हैं कौन जिन पर इतने गंभीर आरोप लगे हैं।

बिभव कुमार को केजरीवाल का काफी करीबी माना जाता है। वह उनके भरोसेमंद सहोगियों में से एक हैं। एक समय पर वह वीडियो एडिटर थे और मनीष सिसोदिय के साथ काम करते थे लेकिन बाद म केजरीवाल के इतने करीब पहुंच गए कि उनके खाने-पीने और दवाओं से लेकर हर चीज का ख्याल रखने लगे। केजरीवाल के इतना करीब होने के चलते उन्हें केजरीवाल का मैन फ्राइडे भी कहा जाता है। यानी सबसे करीबी और भरोसेमंद सहयोगी। जब केजरीवाल गिरफ्तार हुए तो बिभव कुमार उन दो लोगों में शामिल थे जिन्हें केजरीवाल से

मिलने की इजाजत दी गई। उनके अलावा इन दो लोगों में केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल शामिल थीं। सबसे पहले बिभव कुमार साल 2000 में अरविंद केजरीवाल से जुड़े थे जब वह इंडिया अगेंस्ट करप्शन के सदस्यों द्वारा लॉन्च की गई मैगजीन के लिए वीडियो एडिटर का काम करते थे। इसी ग्रुप ने आगे चल आम आदमी पार्टी बनाई। तभी से बिभव कुमार आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए हैं। इसके बाद धीरे-धीरे वह केजरीवाल के करीब पहुंच गए और उनके पर्सनल सेक्रेटरी के तौर पर नियुक्त हो गए।

फिलहला बिभव कुमार दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं के मामले में ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं। फरवीर में ईडी ने जिन 12 जगहों पर छापेमारी की थी उनमें बिभव कुमार से जुड़े कुछ ठिकाने भी शामिल थे। इसके अलावा ईडी ने पिछले महीने बिभव कुमार से पूछताछ भी की थी जिसमें उनसे शराब घोटाले की जांच में कुछ डॉक्यूमेंट्स को लेकर सफाई मांगी गई थी।

कुछ दिनों बाद, सतर्कता निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के पर्सनल सेक्रेटरी के रूप में बिभव कुमार की सेवाओं को समाप्त कर दिया था। बिभव कुमार ने इस फैसले को चुनौती देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के सामने एक ह्र दायर किया। हालांकि, कैट ने यह कहते हुए बर्खास्तगी के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया कि ऐसी राहत देना समय से पहले होगा। स्पेशल सेक्रेटक विजिलेंस वाईवीवीजे राजशेखर द्वारा बर्खास्तगी का आदेश 2007 के मामले पर दिया गया था जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)